राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

जागरण मोर्चा

www.jagranmorchadaily.com लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद में प्रसारित जन जन की आवाज़

लखनऊ वर्ष : 05 अंक : 160 बुधवार, 22 जुलाई 2026 आषाढ़ माह, शुक्ल पक्ष अष्टमी, विक्रम संवत 2083 पृष्ठ-12 मूल्य : 05 रूपया

सार संक्षेप

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से सिख गुरुद्वारा कोऑर्डिनेशन कमेटी के अध्यक्ष सरदार परविंदर सिंह की मुलाकात

एजेंसी न्यूज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सिख गुरुद्वारा कोऑर्डिनेशन कमेटी के अध्यक्ष सरदार परविंदर सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान प्रदेश के सिख समाज से जुड़े सामाजिक, धार्मिक और जनहित के विभिन्न मुद्दों पर सकारात्मक चर्चा हुई। सरदार परविंदर सिंह ने मुख्यमंत्री के समक्ष सिख समाज की अपेक्षाओं, सुझावों और विभिन्न समस्याओं को रखा। उन्होंने समाज के हितों से जुड़े विषयों पर मुख्यमंत्री से मार्गदर्शन भी प्राप्त किया।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सिख समाज के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि समाज के उत्थान, आपसी समरसता और जनकल्याण के लिए निरंतर संवाद बनाए रखा जाएगा। उन्होंने सरदार परविंदर सिंह द्वारा समाज हित, धार्मिक सौहार्द, राष्ट्रीय एकता और जनसेवा के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना की। भेंट के दौरान सरदार परविंदर सिंह ने मुख्यमंत्री के सिख समाज के प्रति सहयोग, संवेदनशीलता और सकारात्मक दृष्टिकोण के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि समाज कल्याण और जनसेवा के कार्यों को आगे भी निरंतर जारी रखा जाएगा।

अखिलेश यादव गिरफ्तार, दिल्ली पुलिस से पूछा कहां ले जा रहे हो, पुलिस बोली- बताएंगे

एजेंसी न्यूज

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव मंगलवार को छात्र प्रदर्शन के दौरान दिल्ली पुलिस के साथ जाते हुए दिखाई दिए। इस दौरान उन्होंने पुलिस अधिकारियों से सवाल किया, "कहां ले जा रहे हो" जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

बताया जा रहा है कि अखिलेश यादव प्रदर्शन कर रहे छात्रों से मिलने और उनका समर्थन जताने पहुंचे थे। इसी दौरान पुलिस ने उन्हें आगे बढ़ने से रोका और अपने साथ ले जाने लगी। इस दौरान अखिलेश यादव ने पुलिस अधिकारियों से पूछा कि उन्हें कहां ले जाया जा रहा है।

घटना का वीडियो सामने आने के बाद राजनीतिक हलकों में इसे लेकर चर्चा तेज हो गई है। समाजवादी पार्टी ने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन बताते हुए केंद्र सरकार और दिल्ली पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं।

हालांकि, दिल्ली पुलिस की ओर से इस घटनाक्रम पर विस्तृत आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। पुलिस का कहना है कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

पीएम आवास के बाहर बड़ा बवाल

धरने पर बैठे राहुल-प्रियंका और अखिलेश गिरफ्तार, कई नेता हिरासत में

एजेंसी न्यूज

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री आवास के बाहर प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस नेताओं को मंगलवार शाम दिल्ली पुलिस ने हिरासत में ले लिया। करीब तीन घंटे तक चले धरने के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव समेत कई विपक्षी नेताओं को मौके से हटाकर पुलिस वाहन में बैठाया।

विपक्षी दल शिक्षा से जुड़े मुद्दों और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रधानमंत्री आवास के निकट धरने पर बैठे थे। प्रदर्शन के दौरान राहुल गांधी अपने समर्थकों के साथ सड़क पर

बैठे रहे। पुलिस अधिकारियों ने उन्हें दो बार धरना समाप्त करने और वहां से हटने का अनुरोध किया, लेकिन प्रदर्शनकारी अपनी मांगों पर अड़े रहे।

आज, दिल्ली पुलिस की दो टूकः बिना अनुमति आगे बढ़े तो होगी सख्त कानूनी कार्रवाई, सोनम वांगचुक तोड़ सकते है अपना अनशन...! ये भी पढ़ें उखढ का 'संसद मार्च' आज, दिल्ली पुलिस की दो टूकः बिना अनुमति आगे बढ़े तो होगी सख्त कानूनी कार्रवाई, सोनम वांगचुक तोड़ सकते है अपना अनशन...!

संसद से सड़कों तक घमासान ! राहुल गांधी की केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह से वार्ता बेनतीजा

एजेंसी न्यूज

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के 20 जुलाई के प्रदर्शन के दौरान हुए लाठीचार्ज के विरोध में कांग्रेस ने सोमवार को लोक कल्याण मार्ग तक मार्च निकाला और वहां धरने पर बैठ गई। इस बीच केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह कांग्रेस नेताओं से बातचीत करने के लिए पहुंचे, लेकिन दोनों पक्षों के बीच हुई वार्ता किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंच सकी। सूत्रों के अनुसार, केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से मुलाकात कर प्रदर्शनकारियों की मांगों पर चर्चा की। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक, पार्टी ने केंद्र सरकार के सामने पांच प्रमुख मांगें रखी हैं। उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे, केंद्रीय गृहमंत्री से दोनों सदनों में इस मामले पर बयान देने और सदन में पूरे प्रकरण पर विस्तृत चर्चा कराई जाने की मांग की गई है। छात्रों से जुड़े मुद्दों को गंभीरता से सुना और संबोधित किया जाए।

प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा और पुलिस कार्रवाई की निष्पक्ष जांच कराई

जाए। लोक कल्याण मार्ग पर कांग्रेस नेताओं और कार्यकताओं का धरना देर शाम तक जारी रहा। सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस बल भी तैनात किया गया है। राहुल गांधी सहित अन्य सांसदों ने जमीन पर बैठकर प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री का इस्तीफा मांगा। इस दौरान सुरक्षा के मद्देनजर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। इससे पहले राहुल गांधी ने कहा, "हमने लोकसभा अध्यक्ष से मुलाकात कर संसद में छात्रों के मुद्दे पर चर्चा कराने की मांग की थी। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि इस पर चर्चा कराने के लिए उन्हें सरकार से अनुमति लेनी होगी।

प्रदर्शन छोड़ बर्गर खाने पहुंचा कॉकरॉची विजेता दहिया

एजेंसी न्यूज

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने 'चलो संसद' मार्च के दौरान पुलिस कार्रवाई के बीच बर्गर खाने का वीडियो वायरल होने के बाद अपने प्रवक्ता विजेता दहिया को पद से हटा दिया है। पार्टी ने उनके इस आचरण को संवेदनहीन और आंदोलन के मूल्यों के विपरीत बताते हुए उन्हें सभी आधिकारिक जिम्मेदारियों से मुक्त कर दिया है।

मंगलवार को जारी एक बयान में सीजेपी ने कहा कि हम अपने प्रवक्ता विजेता दहिया के इस बेहद संवेदनहीन कृत्य की कड़ी निंदा करते हैं। जब हमारे शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारी और पार्टी टीम पुलिस की बर्बरता का सामना कर रहे थे, तब उनका यह वीडियो सामने आया। इस तरह का आचरण पूरी तरह से अनुचित और आंदोलन के सिद्धांतों के खिलाफ है।

सोमवार को प्रतियोगिता परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों और केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर सीजेपी ने 'चलो संसद' मार्च निकाला था। इस दौरान जंतर-मंतर के पास पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज और आंसू गैस के गोलों का इस्तेमाल किया। इसी दौरान सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें विजेता दहिया जंतर-मंतर के पास एक फास्ट-फूड आउटलेट में बर्गर खाते दिख रहे थे। वीडियो में एक व्यक्ति उनसे यह सवाल भी करता नजर आया कि वह प्रदर्शनकारियों के साथ होने के बजाय रेस्टोरेंट में क्यों हैं विवाद बढ़ने के बाद विजेता दहिया ने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि मैंने बर्गर क्यों खाया क्योंकि मुझे बहुत भूख लगी थी। लोग यह नहीं देख रहे हैं कि मैं भी प्रदर्शनकारियों की तरह दो रातों से सोया नहीं हूं। आप मुझसे इस तरह जवाबदेही तय कर रहे हैं जैसे प्रदर्शनकारी होना ही मेरा काम है।

पुलिस ने की सीजेपी प्रदर्शनकारियों के चैट की जांच

इंटरनेट बंद होने पर सीक्रेट ऐप के जरिये जुड़ें होने का दावा

एजेंसी न्यूज

दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने 'कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा)' के 'संसद चलो' मार्च के दौरान हुई हिंसा की जांच तेज कर दी है। जांच के दौरान प्रदर्शनकारियों के बीच कथित रूप से आदान-प्रदान किए गए कई डिजिटल संदेश और संपर्क के लिए इस्तेमाल किए गए संभावित 'गोपनीय ऐप' पुलिस की जांच के केंद्र में हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, जांच अधिकारी इन संदेशों की प्रामाणिकता और उनमें शामिल लोगों की पहचान का तकनीकी सत्यापन कर रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि सत्यापन पूरा होने के बाद ही किसी निष्कर्ष पर पहुंचा जाएगा।

प्रारंभिक जांच में सामने आए कथित संदेशों से संकेत मिलता है कि प्रदर्शनकारियों ने इंटरनेट सेवाएं बाधित होने की स्थिति में भी संपर्क बनाए रखने की तैयारी की थी। कुछ संदेशों में ब्लूटूथ आधारित ऐसे ऐप का उल्लेख है, जिनके जरिए बिना इंटरनेट के भी आपसी संवाद संभव हो सकता है। इन ऐप के लिंक कथित रूप से समूहों में साझा किए गए थे, जिनकी पुलिस अब जांच कर रही है।

एक कथित संदेश में प्रदर्शनकारियों से कहा गया था कि प्रदर्शन स्थल पर पहुंचने से पहले सभी सदस्य अपने मोबाइल फोन में एक ही ऐप इंस्टॉल कर लें और आपस में कनेक्ट हो जाएं, ताकि मुताबिक, कुछ संदेशों में राजनीतिक टिप्पणियां और लोगों को प्रदर्शन के लिए प्रेरित करने वाले संदेश भी शामिल हैं। वहीं, कुछ कथित संदेशों में प्रदर्शन के दौरान जान देने या किसी की मौत होने पर सरकार पर दबाव बढ़ने जैसी टिप्पणियां भी सामने आई हैं। पुलिस इन संदेशों की

नेटवर्क बाधित होने पर भी संपर्क बना रहे। पुलिस के अनुसार, जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज, ड्रोन से रिकॉर्ड किए गए वीडियो, मोबाइल फोन की रिकॉर्डिंग और अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के साथ इन डिजिटल संदेशों का भी फॉरेंसिक विश्लेषण किया जा रहा है।

जांच में शामिल अधिकारियों के पृष्ठभूमि और संदर्भ की जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि यह पता लगाया जा रहा है कि ये संदेश केवल व्यक्तिगत विचार थे या फिर किसी सुनियोजित रणनीति का हिस्सा। साइबर विशेषज्ञ संदेशों के स्रोत, उनके प्रसार और उनकी प्रामाणिकता की जांच में पुलिस की सहायता कर रहे हैं।

राम मंदिरः विश्व हिंदू परिषद से ही होगा राम मंदिर ट्रस्ट का नया महासचिव

बैठक में खाली पदों पर भी होगा फैसला

एजेंसी न्यूज

लखनऊ। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की बुधवार को होने वाली महत्वपूर्ण बैठक में संगठनात्मक ढांचे और मंदिर की प्रशासनिक व्यवस्था से जुड़े कई बड़े फैसले लिए जा सकते हैं। बैठक में ट्रस्ट के नए महासचिव के चयन के साथ ही लंबे समय से रिक्त पड़े दो अन्य महत्वपूर्ण पदों को भरने पर भी निर्णय होने की संभावना है। सूत्रों के अनुसार श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का नया महासचिव विश्व हिंदू परिषद का ही होगा, यह लगभग तय हो चुका है।

सूत्रों के अनुसार, हाल ही में सामने आए चढ़ावा चोरी प्रकरण और उसके बाद हुई जांच के मद्देनजर ट्रस्ट अब प्रशासनिक व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में कदम बढ़ा रहा है। इसी क्रम में नई कार्यप्रणाली, जवाबदेही बढ़ाने और वित्तीय निगरानी को अधिक प्रभावी बनाने पर विस्तृत मंथन होगा। राम मंदिर ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय व सदस्य डॉक्टर अनिल मिश्र के इस्तीफे के बाद खाली पड़ पदों पर नए नामों की घोषणा की जाएगी। इसके लिए बैठक दो सत्रों में आयोजित की गई है। पहले सत्र में दोपहर तीन बजे से खाली पदों के चयन पर मंथन होगा। दूसरे सत्र में दोपहर चार बजे से बैठक में अन्य विषयों पर मंथन होगा।

नए महासचिव की नियुक्ति को ट्रस्ट के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि चढ़ावा चोरी प्रकरण के बाद ट्रस्ट की कार्यप्रणाली को लेकर कई सुधारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं। बैठक में खाली पड़े दो अन्य पदों पर भी नियुक्ति किए जाने की उम्मीद है। बिमलेंद्र मोहन प्रताप मिश्र के निधन से रिक्त हुए पद पर उनके पुत्र राज परिवार के सदस्य व साहित्यकार यतींद्र मिश्र का भी चयन होने की पूरी संभावना है। इसके अलावा ट्रस्ट में अयोध्या के किसी एक संत को भी स्थान दिया जा सकता है। बताया जा रहा है कि बैठक में मंदिर के चढ़ावे की गणना, लेखा प्रणाली, बैंकिंग व्यवस्था, निगरानी तंत्र तथा कर्मचारियों की जिम्मेदारियों को लेकर नई व्यवस्थाओं पर चर्चा होगी।

दिल्ली कूच को रोकने के लिए पुलिस ने सील की सीमाएं

एजेंसी न्यूज

पटियाला। भारत-अमेरिका प्रस्तावित ट्रेड डील के विरोध में पंजाब से हजारों किसान मंगलवार सुबह से दिल्ली कूच के लिए निकले लेकिन उन्हें शंभू, कुंडली और खनौरी बॉर्डर पर पुलिस द्वारा रोक दिया गया। पुलिस ने सीमा पर भारी बैरिकेडिंग कर रास्ता बंद कर दिया। वहीं, किसानों ने साफ किया कि वे किसी भी बैरिकेड को तोड़ने की कोशिश नहीं करेंगे और शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात सरकार तक पहुंचाना चाहते हैं। किसान मजदूर मोर्चा के नेता सरवन सिंह पंधेर ने कहा कि "देश बचाओ मोर्चा" के तहत पहले ही यह फैसला लिया गया था कि किसान किसी भी बैरिकेड को तोड़कर

आगे नहीं बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि किसानों का आंदोलन पूरी तरह शांतिपूर्ण रहेगा और किसी तरह का टकराव उनकी रणनीति का हिस्सा नहीं है।

पंधेर ने बताया कि किसान नेता गुरनाम सिंह चढूनी और दिल्ली में किसानों की गिरफ्तारी के बाद किसानों में नाराजगी है। उन्होंने कहा कि उनकी पहली मांग गिरफ्तार किसानों की रिहाई है। इसके साथ ही वे चाहते हैं कि केंद्र सरकार बातचीत का रास्ता खोले और किसानों की चिंताओं को सुने। उन्होंने बताया कि उनकी अंबाला के पुलिस अधीक्षक (एसपी) से बातचीत हुई थी।

गाजी के नाम पर नहीं होगा कोई आयोजन : योगी आदित्यनाथ

एजेंसी न्यूज

बहराइच/ श्रावस्ती : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को

कहा कि आने वाले समय में विदेशी आक्रांता गाजी (गाजी सैयद सालार मसूद) के नाम पर कोई आयोजन न हो, इसकी उनकी सरकार पुख्ता व्यवस्था करेगी। योगी ने यह चेतावनी भी दी कि गाजी मियां के नाम पर जो आयोजन करेगा, सरकार उसके खिलाफ कार्रवाई करेगी। योगी आदित्यनाथ बहराइच जिले की महसी और नानपारा विधानसभा क्षेत्रों की 352 करोड़ रुपये लागत की 70 विकास परियोजनाओं के लोकार्पण/शिलान्यास के बाद आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। बहराइच की सभा के बाद योगी आदित्यनाथ ने श्रावस्ती जिले में 396 करोड़ रुपये से अधिक की लागत की 83 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास किया और एक जनसभा को संबोधित किया। जनसभाओं में अपने संबोधन में योगी आदित्यनाथ ने महाराजा सुहेलदेव का स्मरण करते हुए कहा,"हमारी सरकार जब आई तो हमने बड़ी स्पष्टता के साथ कहा कि उत्तर प्रदेश में किसी विदेशी आक्रांता के स्मारक को हम स्वीकार नहीं करेंगे और उसके नाम पर मेला का

टीएमसी के बागी गुट ने दिया एक महीने का अल्टीमेटम, कहा- अभिषेक का साथ छोड़ें

एजेंसी न्यूज

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के वरिष्ठ विधायक मदन मित्रा ने मंगलवार को पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी को एक महीने का अल्टीमेटम देते हुए कहा कि वह अभिषेक बनर्जी का साथ छोड़कर फिर से जमीनी कार्यकताओं के बीच लौटें। वहीं, उन्होंने टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी से अपनी 'गलतियां' स्वीकार करने की भी अपील की।

ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाले टीएमसी के बागी गुट की ओर से मेयो रोड पर आयोजित 21 जुलाई शहीद दिवस रैली में बोलते हुए मदन मित्रा ने ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी दोनों पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि दोनों ने कार्यकताओं को किनारे कर दिया और संगठन को टूटने की स्थिति में पहुंचा दिया।

मदन मित्रा ने कहा, "मैं ममता बनर्जी को एक महीने का समय दे रहा हूं। अभिषेक का हाथ छोड़िए और तृणमूल के कार्यकताओं का हाथ थामिए। टीएमसी

अभिषेक की पार्टी नहीं है, यह कार्यकताओं की पार्टी है। आखिर सब कुछ अभिषेक के इर्द-गिर्द ही क्यों घूमे" मदन मित्रा ने कहा, "पार्टी के तीन हिस्सों में बंटने के लिए कौन जिम्मेदार है आपको न तो अभिषेक ने मुख्यमंत्री बनाया और न ही उन फिल्मी सितारों ने, जिन्हें आप इतना महत्व देती हैं। आपको लाखों तृणमूल कार्यकताओं ने मुख्यमंत्री बनाया, जिन्होंने आपके लिए मेहनत की।"

कामरहाटी से विधायक मित्रा ने कहा कि अगर ममता बनर्जी अभिषेक का समर्थन छोड़कर कार्यकताओं के बीच लौटती हैं तो पार्टी उन्हें खुले दिल से स्वीकार करेगी। महाभारत के पात्र गांधारी का जिक्र करते हुए मदन मित्रा ने कहा कि ममता बनर्जी अब गांधारी की भूमिका निभा रही हैं। उनका कहना था कि वह पार्टी के भीतर हो रही घटनाओं से परिचित हैं, लेकिन चुप्पी साधे हुए हैं। उन्होंने कहा, "अगर उनमें हिम्मत है तो इस मंच पर आएं और माफी मांगें। उन्हें सिर्फ एक बार यह स्वीकार करना होगा कि उन्होंने गांधारी जैसा व्यवहार किया। इसके बाद कोई उन पर अंडा तक नहीं फेंकेगा।"

इस रैली में टीएमसी विधायक ऋतब्रत बनर्जी ने ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए कहा, "हम शहीदों को 'मुआवजा' देने का दावा करने का अहंकार नहीं रखते। ईडी द्वारा खातों को फ्रीज करने के संबंध में हमारा मुद्दा यह है कि अकेले वार्षिक ब्याज ही एक हजार करोड़ रुपये से अधिक है, तो यह ब्याज किसके लिए है क्या यह हमारे चाची-भतीजे की जेब में जाएगा, या जमीनी स्तर पर काम करने वाले कार्यकताओं तक पहुंचना चाहिए"

बहराइच की जनसभा में सीएम योगी का विपक्ष पर हमला

बोले- परिवारवाद ने आक्रांताओं को बढ़ावा दिया

एजेंसी न्यूज

बहराइच। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को बहराइच दौरे के दौरान महसी तहसील के विकास खंड तेजवापुर स्थित बेड़नापुर रामलीला मैदान में आयोजित विकास परियोजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यास समारोह को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में बहराइच की अहम भूमिका है और वर्ष 2017 के बाद जिले ने विकास और सुशासन की दिशा में उल्लेखनीय बदलाव देखा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले यह क्षेत्र आकांक्षी और बीमारू जिलों की श्रेणी में गिना जाता था, जहां भू-माफिया और अपराधियों का प्रभाव अधिक था। उन्होंने पूर्ववर्ती कांग्रेस और समाजवादी पार्टी सरकारों पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि परिवारवादी राजनीति के कारण ऐतिहासिक नायकों की उपेक्षा हुई। उन्होंने कहा कि अब प्रदेश में

किसी भी आक्रांता के नाम पर मेला या आयोजन नहीं होने दिया जाएगा। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जिस स्थान पर महाराजा सुहेलदेव ने गाजी को पराजित किया था, वहां आज उनका भव्य स्मारक स्थापित किया गया है। उन्होंने बताया कि जिले में महाराजा सुहेलदेव के नाम पर मेडिकल कॉलेज और बालार्क ऋषि के नाम पर चिकित्सालय संचालित हो रहा है। इसके अलावा बाराबंकी से बहराइच तक फोरलेन सड़क परियोजना को भी स्वीकृति मिल चुकी है। उन्होंने बताया कि कृषि क्षेत्र में बहराइच ने देश में दूसरा और शिक्षा के क्षेत्र में चौथा स्थान प्राप्त किया है।

जौहर यूनिवर्सिटी के ध्वस्तीकरण पर रोक लगाने की मांग

जागरण मोर्चा कार्यालय

बरेली। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष मो. असलम एडवोकेट के नेतृत्व में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी बरेली के माध्यम से सौंपा। ज्ञापन में मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय, रामपुर के प्रस्तावित अथवा चल रहे ध्वस्तीकरण की कार्रवाई पर तत्काल रोक लगाने की मांग की गई। ज्ञापन में कहा गया कि मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय रामपुर और आसपास के जिलों के हजारों छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा उपलब्ध करा रहा है। यदि विश्वविद्यालय को ध्वस्त किया जाता है तो इससे विद्यार्थियों की शिक्षा प्रभावित होगी और उनके भविष्य पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। एआईएमआईएम नेताओं ने कहा कि यह मामला किसी व्यक्ति या राजनीतिक दल का नहीं, बल्कि शिक्षा और युवाओं के भविष्य से जुड़ा हुआ है। उन्हें नियमानुसार पूरा कराकर संस्थानों को सुरक्षित रखा जाए। ज्ञापन देने वालों में नसीम राजा, मोहम्मद इल्याज, शाहिद मंसूरी, गुड्डू अल्वी अनवर चौधरी, मुस्तकीम, नासिर, दानिश, शाहिद, सिराज आदि मौजूद रहे।

भोजीपुरा में गौकशी की कोशिश नाकाम पुलिस मुठभेड़ में दो आरोपी घायल गिरफ्तार

पुलिस पर फायरिंग में एक सिपाही घायल, जीवित बैल को बचाया; तमंचे और गौकशी के उपकरण बरामद

जागरण मोर्चा कार्यालय

बरेली। भोजीपुरा थाना क्षेत्र में पुलिस ने गौकशी की एक बड़ी वारदात को समय रहते विफल कर दिया। तजुवा-मिलक करारा खड़ंजा मार्ग स्थित ग्राम मुड़िया हाफिज के पास खेत में गौवंशीय पशु को काटने की तैयारी कर रहे दो आरोपियों को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। इस दौरान आरोपियों की ओर से की गई फायरिंग में एक सिपाही घायल हो गया, जबकि जवाबी कार्रवाई में दोनों आरोपियों के पैरों में गोली लगी। पुलिस ने मौके से एक जीवित बैल को सुरक्षित मुक्त कराया और गौकशी में प्रयुक्त हथियार व उपकरण बरामद किए।

पुलिस के अनुसार, मुखबिर से सूचना मिली थी कि गोवध निवारण अधिनियम के एक मुकदमे में वांछित दो आरोपी खेत में गौवंशीय पशु को काटने की तैयारी कर रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने घेराबंदी की। खुद को घिरा देख आरोपियों ने पुलिस पर अवैध तमंचों से फायरिंग कर दी, जिसमें कांस्टेबल लक्की के बाएं हाथ में गोली लग गई। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दोनों आरोपी घायल हो गए और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान धौराटांडा निवासी दानिश (27) और फईम (30) के रूप में हुई है।

दोनों के कब्जे से 315 बोर के दो अवैध तमंचे, दो जीवित कारतूस, दो खोखा कारतूस तथा गौकशी में प्रयुक्त दो छुरियां, एक बांका, एक दांव, लकड़ी का गुटका और रस्सियां बरामद की गईं। मौके पर यूकेलिप्टिस के पेड़ से बंधे एक जीवित बैल को भी सुरक्षित छुड़ाया गया। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे आर्थिक लाभ के लिए गौवंशीय पशुओं का वध कर मांस की तस्करी करते थे। उन्होंने हाल ही में अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर भी गौवध की घटना को अंजाम देने की बात कबूल की। पुलिस अब फरार अन्य आरोपियों की तलाश में दबिश दे रही है। घायल सिपाही और दोनों आरोपियों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भोजीपुरा भेजा गया। मामले में बीएनएस, गोवध निवारण अधिनियम, पशु क्रूरता निवारण अधिनियम तथा आयुध अधिनियम की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

संक्षेप समाचार

खोया मोबाइल वापस दिलाने की गुहार, महिला ने एसएसपी से लगाई मदद की अपील

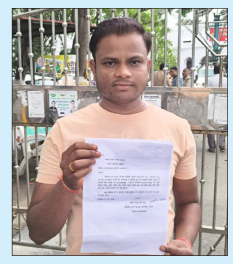

बरेली। जिले में पुलिस द्वारा लगातार खोए हुए मोबाइल उनके मालिकों तक पहुंचाए जाने से प्रेरित होकर एक महिला ने भी अपना गुम हुआ मोबाइल बरामद कराने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) से गुहार लगाई है। जाटवपुरा निवासी अर्चना पत्नी राजू ने एसएसपी को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि 5 जुलाई 2026 की शाम करीब आठ बजे वह मूर्ति नर्सिंग होम के निकट स्थित एक पार्टी पैलेस के आसपास थीं। इसी दौरान उनका ओप्पो ए-3 प्रो 5जी मोबाइल, जिसमें जियो का सिम लगा हुआ था, कहीं गिर गया। काफी तलाश करने के बावजूद मोबाइल नहीं मिला।महिला ने अपने शिकायती पत्र में मोबाइल की गुमशुदगी दर्ज कर उसकी बरामदगी कराने का अनुरोध किया है। उनका कहना है कि बरेली पुलिस द्वारा लगातार खोए हुए मोबाइल बरामद कर उनके वास्तविक मालिकों को लौटाए जा रहे हैं, इसी विश्वास के साथ उन्होंने भी पुलिस से मदद की अपील की है। फिलहाल, महिला की शिकायत पुलिस को सौंप दी गई है। मामले में नियमानुसार जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मारपीट के बाद गर्भस्थ शिशु की मौत का आरोप, पीड़िता ने एसएसपी से लगाई न्याय की गुहार

बरेली। इज्जतनगर थाना क्षेत्र की एक महिला ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को शिकायती प्रार्थना पत्र देकर कुछ लोगों पर घर में घुसकर उसके और उसके पति के साथ मारपीट करने तथा हमले के दौरान गर्भ में पल रहे करीब चार माह के शिशु की मौत होने का आरोप लगाया है। महिला ने मामले में नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पीड़िता के अनुसार, 11 जुलाई की रात वह अपने पति के साथ देव अस्पताल गई थी। अस्पताल के बाहर खड़ी उनकी मोटरसाइकिल में गांव के एक व्यक्ति की कार से टक्कर लग गई। आरोप है कि चालक ने अगले दिन नुकसान की भरपाई का भरोसा दिया, जिसके बाद दोनों घर लौट आए। महिला का कहना है कि कुछ देर बाद नामजद आरोपी अपने साथियों के साथ लाठी-डंडों से लैस होकर उसके घर में घुस आए और उसके पति के साथ मारपीट शुरू कर दी। बीच-बचाव करने पर आरोपियों ने उसे भी नहीं बख्शा और पेट, पीठ समेत शरीर के कई हिस्सों पर लात-घूंसों से हमला किया। पीड़िता का आरोप है कि आरोपियों ने उसकी गर्दन दबाकर जान से मारने की भी कोशिश की और शिकायत करने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। शिकायत में कहा गया है कि घटना के दो दिन बाद लगातार दर्द होने पर अल्ट्रासाउंड कराया गया, जिसमें गर्भस्थ शिशु की मृत्यु की पुष्टि हुई। इसके बाद अस्पताल में मृत शिशु की डिलीवरी कराई गई। महिला का आरोप है कि मारपीट के कारण ही उसके गर्भ में पल रहे बच्चे की मौत हुई। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि स्थानीय पुलिस से शिकायत करने के बावजूद मुकदमा दर्ज नहीं किया गया। अब उसने एसएसपी से निष्पक्ष जांच कर आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने और सख्त कार्रवाई की मांग की है।

बीडीए ने इज्जतनगर में ध्वस्तीकरण अभियान चलाया

बरेली। बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) ने मंगलवार को अवैध कॉलोनियों के खिलाफ अभियान चलाते हुए थाना इज्जतनगर क्षेत्र में ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की। प्रवर्तन टीम ने ग्राम खजुरिया खाट में बिना स्वीकृति विकसित की जा रही एक अवैध कॉलोनी पर बुलडोजर चलाकर निर्माण कार्य ध्वस्त कराया। बीडीए अधिकारियों के अनुसार, तौसीफ नामक व्यक्ति द्वारा करीब 4000 वर्गमीटर और 3000 वर्गमीटर क्षेत्रफल में विकास प्राधिकरण की अनुमति के बिना प्लॉटिंग, सड़क निर्माण और बाउंड्रीवाल का निर्माण कराया जा रहा था।

10 लाख रुपये की रंगदारी मांगने के मामले में वांछित आरोपी गिरफ्तार

जागरण मोर्चा कार्यालय

बरेली। कोतवाली पुलिस ने 10 लाख रुपये की रंगदारी मांगने के मामले में वांछित चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पर अपने साथियों के साथ मिलकर कथित रूप से एक व्यक्ति से रंगदारी मांगने और धमकी देने का आरोप है। पुलिस ने उसे रेलवे कॉलोनी के पास से गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया।

पुलिस के अनुसार, 23 जून 2026 को मिशन कंपाउंड स्थित शीश महल निवासी डार्विन ए. डेविड ने कोतवाली में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि मिशन कंपाउंड निवासी संजीव कुमार, जगमोहन सिंह, राजीव मैसी तथा उनके अन्य सहयोगियों ने आपराधिक षड्यंत्र के तहत उनसे 10 लाख रुपये की रंगदारी मांगी। शिकायत के आधार पर थाना कोतवाली में संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। जांच के दौरान वांछित अभियुक्त जगमोहन पुत्र द्रिगपाल सिंह (63 वर्ष) निवासी विशप मंडल इंटर कॉलेज परिसर, सिविल लाइंस की तलाश की जा रही थी। इसी क्रम में पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली, जिसके आधार पर चेकिंग के दौरान सोमवार सुबह करीब 5:30 बजे रेलवे कॉलोनी के पास से उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध दर्ज मुकदमे में आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी कर उसे न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। मामले की विवेचना जारी है और पुलिस अन्य नामजद आरोपियों की भूमिका की भी जांच कर रही है।

जंतर-मंतर की लाठीओं का चश्मदीद डीएम कार्यालय के बाहर पोस्टर लेकर पहुंचा

जागरण मोर्चा कार्यालय

बरेली। जिलाधिकारी कार्यालय के मुख्य द्वार पर मंगलवार को उस समय हलचल मच गई, जब एक युवक हाथ में सफेद पोस्टर लेकर विरोध जताने पहुंच गया। पोस्टर पर "धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दो", "जय हिंद" और "जय भारत" लिखा हुआ था। युवक ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुई घटना का हवाला देते हुए अपनी नाराजगी व्यक्त की और डीएम के माध्यम से अपनी बात सरकार तक पहुंचाने की मांग की। पूछताछ में युवक की पहचान सचिन यादव (27) पुत्र रामवीर यादव, निवासी ग्राम जौहरपुर थाना सीबीगंज के रूप में हुई। उसने बताया कि वह दिल्ली से मंगलवार सुबह ही लौटा है। उसके अनुसार, जंतर-मंतर पर छात्र-छात्राओं के साथ हुई कथित पुलिस कार्रवाई से वह आहत है और इसी के विरोध में डीएम कार्यालय पहुंचा था। सचिन इंटरमीडिएट तक शिक्षित है और वर्तमान में झुमका चौराहे से बरेली रेलवे स्टेशन के बीच इलेक्ट्रिक ऑटो चलाकर परिवार का भरण-पोषण करता है। वह विवाहित है। युवक के विरोध प्रदर्शन की सूचना मिलने पर स्थानीय अभिसूचना इकाई (एलआईयू) के अधिकारी मौके पर पहुंचे और प्रशासनिक अधिकारियों को मामले से अवगत कराया। नगर मजिस्ट्रेट राजेश कुमार वर्मा ने युवक को समझाकर शांत कराया और अपने कार्यालय ले जाकर उससे पूछताछ की। बाद में कोतवाली पुलिस युवक को आगे की पूछताछ के लिए अपने साथ ले गई। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और यह पता लगाया जा रहा है कि युवक ने किन परिस्थितियों में और किस उद्देश्य से विरोध प्रदर्शन किया।

अवैध तमंचे के साथ युवक गिरफ्तार

बरेली। अपराध नियंत्रण अभियान के तहत थाना क्योलड़िया पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक युवक को अवैध तमंचा और दो जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। प्रभारी निरीक्षक वेद सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम मंगलवार को क्षेत्र में गशत और संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान गोपालपुर से भौआ बाजार की ओर जाते समय सतवन पट्टी मार्ग पर एक युवक पुलिस को देखकर अचानक मुड़कर भागने लगा। संदेह होने पर पुलिस ने पीछा कर उसे कुछ दूरी पर पकड़ लिया। आरोपी ने अपना नाम रहीश शेख उर्फ रहीसुद्दीन (35) पुत्र कुतबुद्दीन निवासी भौआ बाजार, थाना क्योलड़िया बताया। उसके कब्जे से 315 बोर का एक अवैध तमंचा और दो जिंदा कारतूस बरामद हुए।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
जागरण मोर्चा
बरेली सिटी से 'जागरण मोर्चा' को चाहिए ऊर्जावान पत्रकार!
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक 'जागरण मोर्चा' बरेली शहर, तहसील एवं ग्रामीण क्षेत्रों में समाचार संकलन के लिए निष्पक्ष, साहसी और ऊर्जावान संवाददाताओं (पत्रकारों) की आवश्यकता है।
संपर्क सूत्र: 7579849555, 9627739857
मिलने का समय: दोपहर 12 से शाम 06 बजे तक
कार्यालय का पता: सी-86, चन्द्रपुरी, प्रेम नगर (बी-बाजार के सामने), बरेली, उत्तर प्रदेश।

फर्जी मुकदमों से रंगदारी वसूलने वाले गिरोह की पांचवीं सदस्य गिरफ्तार

जागरण मोर्चा कार्यालय

बरेली। भमोरा पुलिस ने फर्जी मुकदमे दर्ज कर लोगों को ब्लैकमेल करने और रंगदारी वसूलने वाले कथित संगठित गिरोह की एक और सदस्य को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवती की पहचान शिल्पी के रूप में हुई है। पुलिस का आरोप है कि उसने श्रावस्ती जिले में एक विधायक के करीबी व्यक्ति के खिलाफ फर्जी गैंगरेप का मुकदमा दर्ज कराया था। न्यायालय में पेशी के बाद उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, इस मामले की शुरुआत 18 जून को चांदपुर निवासी अंकुर मिश्रा की शिकायत से हुई थी। अंकुर ने आरोप लगाया था कि 25 हजार रुपये का इनामी और बर्खास्त सिपाही सुरकेश शर्मा ने उन्हें झूठे मुकदमे में फंसाने और समझौते के नाम पर तीन लाख रुपये की रंगदारी मांगी थी। रुपये न देने पर जान से मारने की धमकी भी दी गई। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया कि सुरकेश शर्मा अपनी अधिवक्ता पत्नी और अन्य साथियों के साथ मिलकर फर्जी मुकदमे दर्ज कराकर लोगों से अवैध वसूली करने वाला गिरोह संचालित करता था। इस मामले में पुलिस ने कुल 11 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। जांच के दौरान पुलिस पहले ही इनामी सुरकेश शर्मा, उसकी अधिवक्ता पत्नी, ओमवीर और भूरे को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। अब गिरोह की पांचवीं सदस्य शिल्पी को भी बभियाना रोड से मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार किया गया। वह बीसलपुर थाना क्षेत्र के मोहम्मदपुर गांव की रहने वाली है। पुलिस का कहना है कि शिल्पी की गिरफ्तारी उपनिरीक्षक हीरेन्द्र चौधरी के नेतृत्व में महिला कांस्टेबल रजनी, कांस्टेबल अनंत त्यागी और विकास की टीम ने की। मामले में अभी छह अन्य आरोपी फरार हैं, जिनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है।

भाई की हत्या का वांछित हिस्ट्रीशीटर पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार, पैर में गोली लगने के बाद दबोचा गया

पुलिस पर फायरिंग में सिपाही घायल, हत्या में प्रयुक्त 12 बोर का तमंचा और मोटरसाइकिल बरामद

जागरण मोर्चा कार्यालय

बरेली। शेरगढ़ थाना पुलिस ने भाई की हत्या के मामले में फरार चल रहे हिस्ट्रीशीटर आरोपी को पुलिस मुठभेड़ के दौरान घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ के दौरान आरोपी की ओर से की गई फायरिंग में एक आरक्षी घायल हो गया, जबकि पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी के पैर में गोली लगी। पुलिस ने उसके कब्जे से हत्या में प्रयुक्त अवैध 12 बोर का तमंचा, कारतूस और एक स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस के अनुसार, 16 जुलाई को ग्राम खजुआ जागीर निवासी इसरार की उसके बड़े भाई गुड्डू उर्फ तौफीक ने आपसी विवाद में गोली मारकर हत्या कर दी थी। उपचार के दौरान इसरार की मौत हो गई थी। मृतक की पत्नी की तहरीर पर हत्या का मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश की जा रही थी। मंगलवार सुबह पुलिस को सूचना मिली कि वांछित आरोपी मोटरसाइकिल से कस्बापुर पुल की ओर आने वाला है। पुलिस ने घेराबंदी कर उसे रोकने का प्रयास किया, लेकिन आरोपी भागने लगा। इसी दौरान उसकी बाइक फिसल गई। खुद को घिरा देख उसने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी, जिसमें आरक्षी अंकुर भाटी घायल हो गए। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी के दाहिने पैर में गोली लगी और उसे मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ और प्रारंभिक जांच में बरामद 12 बोर का तमंचा वही असलहा पाया गया, जिससे आरोपी ने अपने भाई की हत्या की थी। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से दो जीवित कारतूस, दो खोखा कारतूस और एक स्प्लेंडर मोटरसाइकिल भी बरामद की है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार गुड्डू उर्फ तौफीक थाना शेरगढ़ का हिस्ट्रीशीटर है और उसके विरुद्ध विभिन्न धाराओं में पहले से 33 आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। घायल आरोपी और घायल आरक्षी को उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस ने मुठभेड़, पुलिस पर जानलेवा हमला, आर्म्स एक्ट सहित अन्य धाराओं में अलग से मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

सख्ती — कांवड़ यात्रा से पहले सड़क चौड़ीकरण के लिए नगर निगम की कार्रवाई

सुभाषनगर में अतिक्रमण पर चला बुलडोजर, नाथ कॉरिडोर का काम होगा तेज

जागरण मोर्चा कार्यालय

बरेली। नाथ कॉरिडोर परियोजना को गति देने और कांवड़ यात्रा से पहले यातायात व्यवस्था सुचारु बनाने के उद्देश्य से नगर निगम ने मंगलवार को सुभाषनगर मुख्य बाजार में अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया। निगम की टीम प्रवर्तन दल और पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची तथा सड़क निर्माण में बाधा बन रहे अवैध कब्जों को बुलडोजर की मदद से हटाया। कार्रवाई के दौरान कुछ लोगों ने आपत्ति जताई, लेकिन प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था के बीच अभियान जारी रखा। नगर निगम अधिकारियों ने बताया कि इस मार्ग के चौड़ीकरण और सड़क निर्माण में अतिक्रमण सबसे बड़ी रुकावट बना हुआ था। संबंधित लोगों को पहले कई बार नोटिस देकर स्वयं कब्जा हटाने का अवसर दिया गया था, लेकिन निर्धारित समय के बाद भी स्थिति जस की तस रही। इसके बाद निगम ने अभियान चलाकर अवैध निर्माण ध्वस्त कर दिए। अधिशासी अभियंता राजीव राठी ने बताया कि सावन के दौरान इस मार्ग से बड़ी संख्या में कांवड़िए और आम श्रद्धालु गुजरते हैं। ऐसे में सड़क को समय पर तैयार करना निगम की प्राथमिकता है। उनका कहना है कि अतिक्रमण हटने के बाद निर्माण कार्य में तेजी आएगी और जल्द ही लोगों को बेहतर एवं सुगम सड़क सुविधा मिल सकेगी।

बटाईदार पर जमीन कब्जाने का आरोप

बरेली। थाना सीबीगंज क्षेत्र के ग्राम बाकर नगर सुनरासी निवासी हरिराम ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर अपनी कृषि भूमि पर कथित अवैध कब्जे की शिकायत की है। उनका आरोप है कि बटाई पर खेती करने वाला व्यक्ति इस बार गेहूं की फसल का हिस्सा देने के बजाय जमीन खाली करने से भी इनकार कर रहा है। वृद्ध किसान का कहना है कि वह बीमार और बुजुर्ग हैं, इसलिए स्वयं अपनी भूमि की रक्षा करने में असमर्थ हैं। उन्होंने एसएसपी से मामले की जांच कराकर भूमि को कब्जा मुक्त कराने और उन्हें न्याय दिलाने की मांग की है।

कार सवार दबंगों ने ट्रक चालक को पीटा व ट्रक में की तोड़फोड़

जागरण मोर्चा कार्यालय

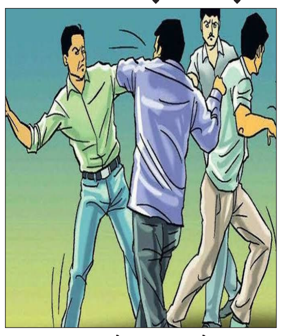

फरीदपुर (बरेली)। नशे में धुत कार सवार दबंगों ने ट्रक के आगे कार लगाकर ट्रक चालक के साथ मारपीट की व वाहन को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। चालक ने फरीदपुर कोतवाली में तहरीर देकर की कार्रवाई की मांग। इटावा जिले के बिहारीपुर राहिन निवासी प्रहलाद सिंह पुत्र सुरेंद्र सिंह ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उनके पास एक ट्रक यूपी 75 एटी 5754 है जिसके वह खुद ही मालिक हैं और स्वयं ही उसे चलाते हैं। वह अपने ट्रक को लेकर शिवपुरी से पीलीभीत के लिए जा रहा था। जैसे ही ट्रक फरीदपुर टोल प्लाजा के पास पहुंचा तभी पीछे से आ रही यूपी 25 बी वी 0072 नंबर की कार के चालक ने कार को उनके ट्रक के आगे लगा दिया। गाड़ी में से चार लोग उतरे जो की नशे की हालत में थे। उन्होंने ड्राइवर से कहा वह पीछे गाड़ी को टक्कर मारकर आया है। चालक ने कहा कि उनकी गाड़ी से तो कोई टक्कर नहीं हुई है इतने में दबंगों ने उसे मारना पीटना शुरू कर दिया और ट्रक में भी बुरी तरह तोड़फोड़ की और घटना को अंजाम देकर मौके से फरार हो गये। पीड़ित ट्रक चालक ने फरीदपुर कोतवाली पहुंचकर आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग करते हुए तहरीर दी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर बताए गए कार के नंबर के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

सर्वर डाउन के चलते किसानों को नहीं मिल पा रही खाद

जागरण मोर्चा कार्यालय

फरीदपुर (बरेली)। धान व खरीफ की फसल के समय किसानों को हो रही खाद की समस्या को लेकर किसानों ने फरीदपुर तहसील में अधिकारियों को एक शिकायती पत्र दिया। फरीदपुर में किशुर्रा मोड़ पर स्थित इफको खाद केंद्र पर किसानों ने रात में ही आकर लाइन में लग जाने के बाद भी खाद न मिल पाने को लेकर विरोध जताया।

खाद को लेकर हो रही समस्या से सभी वाकिफ हैं मंगलवार को किसानों ने कलेक्ट्रेट पर भी प्रदर्शन किया। मंगलवार को फरीदपुर क्षेत्र के किसान तहसील पहुंचे और उन्होंने अधिकारियों से अपनी समस्या रखते हुए बताया कि पिछले करीब 15 दिनों से वे खाद के लिए लगातार चक्कर काट रहे हैं। पूरा-पूरा दिन लाइन

इफको खाद गोदाम के बाहर विरोध जताते किसान। -जागरण मोर्चा

में लगे रहने के बाद भी खाद नहीं मिल पा रही है। कभी सर्वर तो कभी मशीन की समस्या बता दी जाती है यहां तक कि कुछ किसान खाद वितरण केंद्र खुलने से पहले रात में ही लाइन में लग जाते हैं ताकि सुबह वितरण शुरू होने पर उनका नंबर पहले आ जाए और खाद मिल सके। लेकिन इस प्रयास के बाद भी लोगों को निराश होकर बिना खाद लिए ही वापस लौटना पड़ रहा है। किसानों का कहना है कि समय पर खाद नहीं मिलने से धान समेत अन्य खरीफ फसलों की बढ़वार प्रभावित हो रही है और फसल खराब होने का खतरा बढ़ गया है। इफ्को गोदाम प्रभारी अजय भारद्वाज ने बताया कि प्रत्येक किसान को अधिकतम तीन कट्टा खाद देने की व्यवस्था की गई है, ताकि अधिक से अधिक किसानों को खाद मिल सके। हालांकि मंगलवार को दिनभर सर्वर बाधित रहने के

> गोदाम प्रभारी ने बताया है कि सर्वर की दिक्कत है। किसानों की समस्या को दृष्टिगत रखते हुए संबंधित विभाग के अधिकारियों को कहा गया है।
>
> – प्रशांत अवस्थी तहसीलदार, फरीदपुर

कारण खाद का वितरण सुचारु रूप से नहीं हो सका। तहसील फरीदपुर पहुंचे दर्जनों किसानों ने तहसील प्रशासन से सर्वर की समस्या का तत्काल समाधान कराने, पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध कराने और वितरण व्यवस्था को पारदर्शी व सुचारु बनाने की मांग की है ताकि किसानों को सुगम रुप से खाद मिल सके। किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं किया गया तो वे आंदोलन करने को बाध्य होंगे, जिसकी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

संक्षेप समाचार

संदिग्ध गतिविधि पर पुलिस की नजर, अवैध तमंचे के साथ युवक गिरफ्तार

बरेली। अपराध नियंत्रण अभियान के तहत थाना क्योलड़िया पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक युवक को अवैध तमंचा और दो जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार, प्रभारी निरीक्षक वेद सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम मंगलवार को क्षेत्र में गश्त और संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान गोपालपुर से भौआ बाजार की ओर जाते समय सतवन पट्टी मार्ग पर एक युवक पुलिस को देखकर अचानक मुड़कर भागने लगा। संदेह होने पर पुलिस ने पीछा कर उसे कुछ दूरी पर पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम रहीश शेख उर्फ रहीसुद्दीन (35) पुत्र कुतबुद्दीन निवासी भौआ बाजार, थाना क्योलड़िया बताया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 315 बोर का एक अवैध तमंचा और दो जिंदा कारतूस बरामद हुए। बरामदगी के आधार पर थाना क्योलड़िया में आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी आर्म्स एक्ट, गैंगस्टर एक्ट और गोवध निवारण अधिनियम समेत विभिन्न धाराओं में कई मुकदमे दर्ज हैं। मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

महिला से पर्स झपटने वाले दो आरोपी गिरफ्तार, नकदी, मोबाइल और चोरी की बाइक बरामद

बरेली। थाना आंवला पुलिस ने महिला से पर्स छीनने की घटना का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से 6 हजार रुपये नकद, एक सैमसंग गैलेक्सी मोबाइल फोन और चोरी की स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद हुई है। पुलिस के अनुसार, 16 जुलाई को भमोरा थाना क्षेत्र के ग्राम खुली निवासी जफर मोहम्मद ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी भाभी गुड़िया से बाइक सवार दो युवकों ने पर्स झपट लिया था। पर्स में 8 हजार रुपये नकद और मोबाइल फोन रखा था। मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। विवेचना और मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस ने बेहटा जुनू-मनौना मार्ग पर घेराबंदी कर ताड़गंज निवासी कौशल उर्फ भोलू उर्फ गोलू (22) और विशाल (20) को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान कौशल के पास से मोबाइल और दो हजार रुपये तथा विशाल के पास से चार हजार रुपये बरामद हुए। साथ ही उनके कब्जे से मिली स्प्लेंडर बाइक भी चोरी की निकली। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने बाइक चोरी करने और उसी बाइक से महिला का पर्स झपटने की वारदात को अंजाम देने की बात स्वीकार की। बरामद सामान की पहचान पीड़िता के छिने हुए सामान के रूप में होने पर पुलिस ने मुकदमे में संबंधित धाराएं बढ़ाते हुए दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी।

सीएमओ ने संचारी रोग नियंत्रण अभियान का किया निरीक्षण, सफाई व्यवस्था सुधारने के निर्देश

मझगवां के संवेदनशील गांवों का दौरा, ग्रामीणों को डेंगू-मलेरिया से बचाव के लिए किया जागरूक

जागरण मोर्चा कार्यालय

बरेली। विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान के तहत मंगलवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) ने विकासखंड मझगवां के अतिसंवेदनशील गांव कुंडरिया खुर्द और प्रहलादपुर का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान अभियान की प्रगति का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान गांवों में नालियों की सफाई संतोषजनक नहीं मिली। इस पर सीएमओ ने ग्राम विकास अधिकारी और ग्राम प्रधान को तत्काल सफाई व्यवस्था दुरुस्त कराने के निर्देश दिए। साथ ही मच्छरजनित रोगों की रोकथाम के लिए नियमित एंटीलार्वा छिड़काव और फॉगिंग कराने के लिए साप्ताहिक कार्ययोजना तैयार करने को कहा। सीएमओ ने ग्रामीणों से संवाद कर उन्हें संचारी रोगों से बचाव के उपाय बताए। उन्होंने लोगों से पूरे बाजू के कपड़े पहनने, मच्छरदानी का प्रयोग करने, घरों के आसपास जलभराव न होने देने, साफ-सफाई बनाए रखने तथा बुखार आने पर तुरंत जांच कराकर चिकित्सक की सलाह के अनुसार पूरा उपचार लेने की अपील की। इसके बाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मझगवां में एएनएम के कार्यों की समीक्षा की गई। यहां टीकाकरण, आयुष्मान भारत कार्ड बनाने और जननी सुरक्षा योजना (जेएसवाई) के भुगतान की प्रगति का भी मूल्यांकन किया गया। निरीक्षण के दौरान जिला मलेरिया अधिकारी, सीएचसी अधीक्षक, सहायक मलेरिया अधिकारी, मलेरिया निरीक्षक, ग्राम विकास अधिकारी, सीएचओ, बीसीपीएम, आशा कार्यकर्ता सहित अन्य विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

अध्यक्ष पद पर पांच दावेदारों से मुकाबला हुआ रोचक

पीलीभीत। श्री अग्रवाल सभा के त्रिवार्षिक चुनाव (2026-2029) की नामांकन प्रक्रिया मंगलवार को शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो गई। विभिन्न पदों पर बड़ी संख्या में प्रत्याशियों ने अपने-अपने नामांकन पत्र दाखिल किए। खास तौर पर अध्यक्ष पद पर पांच उम्मीदवारों के मैदान में उतरने से चुनावी मुकाबला दिलचस्प हो गया है और सभा के सदस्यों के बीच चुनाव को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। अध्यक्ष पद के लिए अश्वनी अग्रवाल, अतुल अग्रवाल (पीपल), राजीव कुमार अग्रवाल (टी.टी.), अनूप अग्रवाल और शैली अग्रवाल ने दावेदारी पेश की। मंत्री पद के लिए राजेश अग्रवाल (बिचले), अभिषेक अग्रवाल तथा देवेश बंसल ने नामांकन दाखिल किया। उपाध्यक्ष पद पर नीरज अग्रवाल (महातिया), वैभव अग्रवाल और विनय कुमार गर्ग चुनावी मैदान में हैं।

पूर्व प्रेमी युवती को ब्लैकमेल कर शादी का बना रहा दबाव

जागरण मोर्चा कार्यालय

- **दूसरी जगह तय हो चुका है युवती का रिश्ता**

फरीदपुर (बरेली)। युवती के पूर्व प्रेमी ने पहले शादी से कर दिया था इंकार। अब दूसरी जगह शादी तय होने पर युवती को ब्लैकमेल कर शादी करने का बना रहा है दबाव। मंगेतर को भी जान से मारने की दी धमकी। कस्बे के एक मोहल्ले की निवासी युवती ने कोतवाली में दी तहरीर में बताया कि शाहजहांपुर के थाना सदर क्षेत्र के आदमपुर निवासी ललित पुत्र फूलचंद्र लगातार उसे फोन पर धमकियां देकर उसे परेशान कर रहा है और शादी करने का दबाव बना रहा है। युवती ने बताया कि पहले वह आरोपी के संपर्क में थी लेकिन उस समय उसने शादी से इंकार कर दिया। जिसके बाद उसने आरोपी से दूरियां बना लीं। अब युवती की शादी कहीं दूसरी जगह तय हो गई है। इस बात की जानकारी उसे हो गई तो शादी तय होने के बावजूद आरोपी विवाह के लिए दबाव बना रहा है। युवती का कहना है कि आरोपी के पास उसके फोटो और वीडियो हैं उन्हीं को वायरल करने की धमकी देकर वह उसे ब्लैकमेल कर रहा है। युवती ने बताया कि आरोपी ने उसके मंगेतर का भी पता निकाल लिया है। वह मंगेतर व उसके परिवार को भी फोन कर गाली-गलौज करता है और मंगेतर को जान से मारने की धमकी दे रहा है। मां को साथ लेकर कोतवाली पहुंची पीड़िता ने मामले की लिखित शिकायत देकर आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है।

'मेरी माँ' विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता में बच्चों ने रंगों से उकेरी भावनाएं

बरेली। महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय के 24वें दीक्षांत समारोह के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय सांस्कृतिक केंद्र की ओर से "मेरी माँ" विषय पर विभिन्न विद्यालयों में प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में इटौवा बेनीराम स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय में चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी रचनात्मक प्रतिभा का परिचय दिया। प्रतियोगिता में बच्चों ने अपनी चित्रकृतियों के माध्यम से मां के प्रति प्रेम, ममता, त्याग, समर्पण और सम्मान की भावनाओं को जीवंत रूप से प्रस्तुत किया। किसी ने मां को जीवन की पहली गुरु के रूप में चित्रित किया तो किसी ने प्रेरणा और सुरक्षा का प्रतीक बताया। बच्चों की कल्पनाशीलता और कलात्मक अभिव्यक्ति ने सभी को प्रभावित किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने कहा कि चित्रकला बच्चों की भावनाओं को अभिव्यक्त करने का प्रभावी माध्यम है। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में संवेदनशीलता, नैतिक मूल्यों और भारतीय संस्कृति के प्रति सम्मान की भावना विकसित करते हैं। सांस्कृतिक समन्वयक डॉ. ज्योति पाण्डेय ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्देश्य बच्चों में मातृ सम्मान और पारिवारिक संस्कारों को प्रोत्साहित करना है। कार्यक्रम के सफल आयोजन में कुलसचिव महेंद्र कुमार सिंह, समन्वयक प्रो. संजय गर्ग, प्रधानाध्यापिका रागिनी पाण्डेय, विद्यालय के शिक्षकों तथा छात्र-छात्राओं का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। प्रतियोगिता में रोली, निशा, महिमा, स्मृति, आकांक्षा, छाया और रोशनी सहित अनेक विद्यार्थियों ने अपनी उत्कृष्ट चित्रकृतियां प्रस्तुत कीं।

कशिश हत्याकांड के बाद आखिर चली शासन की कलम, मेडिकल कॉलेज की प्राचार्या डॉ. संगीता अनेजा का तबादला

जागरण मोर्चा कार्यालय

प्राचार्य संगीता अनेजा।

- **हत्याकांड के बाद उठ रहे थे लगातार सवाल, डॉ. अमित को मिला कार्यवाहक प्राचार्य का जिम्मा**
- **सुरक्षा और जवाबदेही पर अब होगी अग्निपरीक्षा**

पीलीभीत। बहुचर्चित कशिश हत्याकांड के बाद आखिरकार शासन ने स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय के प्रशासन में बड़ा बदलाव कर दिया है। लंबे समय से कॉलेज प्रशासन की कार्यशैली और परिसर की सुरक्षा व्यवस्था पर उठ रहे सवालों के बीच प्राचार्या डॉ. संगीता अनेजा का तबादला कर दिया गया है। उनकी जगह वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. अमित को कार्यवाहक प्राचार्य का दायित्व सौंपा गया है। इस फैसले के बाद जिले में चर्चाओं का दौर तेज हो गया है और इसे हत्याकांड के बाद प्रशासनिक जवाबदेही से जोड़कर देखा जा रहा है। कशिश हत्याकांड ने न केवल मेडिकल कॉलेज की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए, बल्कि कॉलेज प्रशासन की सतर्कता और जिम्मेदारी को लेकर भी व्यापक बहस छेड़ दी। घटना के बाद छात्र-छात्राओं, अभिभावकों, सामाजिक संगठनों और जनप्रतिनिधियों ने सुरक्षा व्यवस्था की खामियों पर सवाल उठाते हुए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। कई दिनों तक चले विरोध, धरना-प्रदर्शन और लगातार उठती मांगों के बीच शासन ने अब प्रशासनिक फेरबदल कर दिया है। नवनियुक्त कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. अमित के सामने सबसे बड़ी चुनौती मेडिकल कॉलेज में छात्रों का भरोसा दोबारा कायम करना, सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावी बनाना और प्रशासनिक ढांचे को मजबूत करना होगी। उम्मीद जताई जा रही है कि कॉलेज परिसर में सुरक्षा के नए मानक लागू किए जाएंगे, निगरानी व्यवस्था को और सुदृढ़ किया जाएगा तथा ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे। हालांकि शासन की ओर से जारी आदेश में इस तबादले को नियमित प्रशासनिक प्रक्रिया का हिस्सा बताया गया है, लेकिन कशिश हत्याकांड के तुरंत बाद हुए इस फैसले को लेकर जिले में तरह-तरह की चर्चाएं हैं। आम लोगों के बीच यह सवाल भी उठ रहा है कि यदि सुरक्षा व्यवस्था पहले से सुदृढ़ होती तो क्या इतनी बड़ी घटना टाली जा सकती थी। अब सबकी निगाहें नए प्रशासन पर टिकी हैं। यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि मेडिकल कॉलेज में सुरक्षा, अनुशासन और प्रशासनिक व्यवस्था को सुधारने के लिए कितनी तेजी और गंभीरता से कदम उठाए जाते हैं। फिलहाल, इस तबादले ने यह स्पष्ट कर दिया है कि कशिश हत्याकांड के बाद मेडिकल कॉलेज का प्रशासन अब पहले जैसा नहीं रहेगा।

भारत- अमेरिका ट्रेड डील के विरोध में भाकियू (अंबावता) ने सौंपा ज्ञापन

जागरण मोर्चा कार्यालय

बहेड़ी। भाकियू (अंबावता) के राष्ट्रीय महासचिव शोएब इजहार खान के नेतृत्व में भारत-अमेरिका ट्रेड डील के विरोध में एक ज्ञापन एसडीएम गोपाल शर्मा को सौंपा गया।

संगठन के पदाधिकारी जुबेर सिद्दीकी ने उक्त डील को किसान विरोधी बताया। अन्य वक्ताओं का कहना था कि किसान पहले से ही कर्ज में फंसा है, इस प्रकार का समझौता उसे आर्थिक रूप से और तबाह कर देगा। ज्ञापन में केसर शुगर मिल द्वारा गन्ना मूल्य भुगतान न किए जाने से होने वाली परेशानियों का भी हवाला दिया गया। संगठन ने सरकार से मांग रखी कि किसान हित को सबसे ऊपर रखते हुए उक्त डील पर दुबारा से विचार कर मौजूदा समय में व्याप्त समस्याओं का समुचित समाधान खोजा जाए। ज्ञापन देने वालों में फहीम, वसीम, शमशुल, नसीम प्रधान आदि शामिल रहे।

एसडीएम को ज्ञापन सौंपते किसान संगठन पदाधिकारी। -जागरण मोर्चा

जहां जलना था श्रद्धा का दीप, वहां बारिश का डेरा है, मां के दरबार तक पानी पहुंचा, जिम्मेदारों का चेहरा अंधेरा है....

पीलीभीत। तराई के जनपद बांसुरी नगरी टाइगर रिजर्व पीलीभीत की विशेषता यूं तो तमाम चीजों से है लेकिन लाखों लोगों की श्रद्धा का केंद्र शहर के प्रमुख धार्मिक स्थलों में शुमार मां यशवंतरी देवी मंदिर एक बार फिर बदहाल व्यवस्थाओं का शिकार बन गया। लगातार हो रही बारिश के बीच मंदिर परिसर ही नहीं, बल्कि मां की पवित्र गुफा तक बारिश का पानी पहुंच गया। गुफा में करीब दो से तीन फीट तक पानी भर जाने से श्रद्धालुओं की आस्था पर भी संकट खड़ा हो गया। दर्शन और पूजा-अर्चना बाधित रही, लेकिन जिम्मेदार विभाग तमाशबीन बने रहे। आखिरकार मंदिर के महंत और सेवादारों ने खुद मोर्चा संभाला और घंटों की मशक्कत के बाद गुफा से पानी निकालकर हालात सामान्य किए। बताते चले कि जनपद पीलीभीत के आवास विकास क्षेत्र के निकट स्थित मां यशवंतरी देवी मंदिर शहर के सबसे प्राचीन और प्रसिद्ध शक्तिपीठों में गिना जाता है। यहां प्रतिदिन सैकड़ों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं, जबकि चैत्र नवरात्र में लगने वाले मेले के दौरान हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है।

चुनाव में साथ देने से मना करने पर प्रधान व उसके साथियों ने युवक को घर में घुसकर पीटा

जागरण मोर्चा कार्यालय

फरीदपुर (बरेली)। ग्राम पंचायत चुनाव में बेशक अभी समय है लेकिन उसके रंग अभी से दिखाई देना शुरू हो गए हैं। तहसील क्षेत्र के एक गांव के प्रधान व उनके साथियों पर आगामी प्रधानी के चुनाव में साथ देने से इंकार करने को लेकर युवक के घर में घुसकर मारपीट का आरोप लगा है। थाना क्षेत्र के ग्राम गौसगंज सराय निवासी इसरार खां पुत्र इकरार खां ने पुलिस को लिखित तहरीर देकर बताया कि उसके गांव के मौजूदा प्रधान यासीन पुत्र नबी अहमद व उनके परिजन आए दिन दबंगई के साथ आगामी ग्राम पंचायत चुनाव में उन्हें सपोर्ट करने का का दबाव बनाते हैं हुए कहते हैं कि चुनाव में उसका साथ दो वरना अंजाम बुरा होगा। जिस पर इसरार ने उन्हें कहा कि वह गरीब मजदूर है वह खुलकर किसी का साथ नहीं दे पाएगा। इसी से खुन्नस मानते हुए सोमवार की सुबह 8 बजे प्रधान यासीन पुत्र नबी अहमद, सद्दाम, शानू, सहरयार पुत्रगण इलियास खां, हसन व उमर पुत्र यासीन खां लाठी डंडों से लैस होकर इसरार के घर में घुस आए और गंदी-गंदी गालियां देने लगे जब उसने गाली देने का विरोध किया तो उन लोगों ने लात घूंसो व डंडों से उसे मारा पीटा तभी उसने चीख पुकार मचाना शुरू किया तो आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए चले गए। पीड़ित ने कोतवाली में पुलिस को लिखित तहरीर देखकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

जाट रेजिमेंटल सेंटर में 6 अगस्त से शुरू होगी यूएचक्यू कोटा अग्निवीर भर्ती

जागरण मोर्चा कार्यालय

> **जनरल ड्यूटी, ट्रेड्समैन, स्पोर्ट्स और क्लर्क पदों के लिए होगी चयन प्रक्रिया, पात्र अभ्यर्थियों को सुबह चार बजे तक करना होगा रिपोर्ट**

बरेली। जाट रेजिमेंटल सेंटर में यूनिट हेडक्वार्टर्स (यूएचक्यू) कोटा के अंतर्गत 6 से 13 अगस्त 2026 तक अग्निवीर भर्ती रैली का आयोजन किया जाएगा। भर्ती अभियान के तहत अग्निवीर जनरल ड्यूटी, ट्रेड्समैन, स्पोर्ट्स और क्लर्क पदों के लिए पात्र अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा। भर्ती में केवल निर्धारित श्रेणी और पात्रता रखने वाले उम्मीदवार ही भाग ले सकेंगे। रक्षा जनसंपर्क अधिकारी शांतनु ने बताया कि भर्ती में युद्ध विधवाओं के पुत्र, जाट रेजिमेंट के सेवारत एवं पूर्व सैनिकों के पुत्र और सगे भाई, शहीद एवं युद्ध में घायल सैनिकों के आश्रित तथा उत्कृष्ट खिलाड़ी शामिल हो सकेंगे। इसके अलावा अन्य रेजिमेंटों के पूर्व और सेवारत सैनिकों के पुत्र, भाई तथा विधिक रूप से गोद लिए गए पात्र अभ्यर्थियों को भी निर्धारित नियमों के अनुसार अवसर मिलेगा। सभी अभ्यर्थियों को मूल प्रमाणपत्रों और आवश्यक दस्तावेजों के साथ प्रतिदिन सुबह चार बजे जाट रेजिमेंटल सेंटर के जाट गेट पर पहुंचना होगा। सुबह सात बजे के बाद आने वाले अभ्यर्थियों को भर्ती प्रक्रिया में शामिल नहीं किया जाएगा। भर्ती कार्यक्रम के अनुसार 6 अगस्त को स्पोर्ट्स ट्रायल में चयनित खिलाड़ियों और कुछ राज्यों के अभ्यर्थियों की भर्ती होगी। 7 से 11 अगस्त तक विभिन्न राज्यों और जिलों के लिए जनरल ड्यूटी भर्ती आयोजित की जाएगी। 12 अगस्त को ट्रेड्समैन और 13 अगस्त को केवल जाट रेजिमेंट के पात्र अभ्यर्थियों के लिए क्लर्क पद की भर्ती होगी। भर्ती से संबंधित विस्तृत जानकारी जाट रेजिमेंटल सेंटर के भर्ती कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

एक नजर

युवक संदिग्ध परिस्थितियों से लापता, गुमशुदगी दर्ज

पूरनपुर। घुंघचाई क्षेत्र के गांव निवासी एक युवक संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया। परिजनों ने उसकी काफी तलाश की, लेकिन कई दिन बीत जाने के बाद भी उसका कोई सुराग नहीं लग सका,परिजनों ने पहले अपने स्तर पर रिश्तेदारों और परिचितों के यहां उसकी खोजबीन की। आसपास के गांवों और संभावित स्थानों पर भी तलाश की गई, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका। युवक का मोबाइल भी बंद मिलने से परिजनों की चिंता और बढ़ गई। काफी प्रयासों के बाद भी युवक का सुराग न मिलने पर परिजन थाने पहुंचे और पुलिस को घटना की जानकारी देते हुए कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर अज्ञात के खिलाफ गुमशुदगी से संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली है। थाना पुलिस का कहना है कि युवक की तलाश के लिए संभावित स्थानों पर छानबीन की जा रही है।

रोडवेज बस की टक्कर से युवक की मौत, घर में मचा कोहराम

जागरण मोर्चा कार्यालय

सड़क दुर्घटना में युवक की मृत्यु के वाद विलखते परिजन। –जागरण मोर्चा

शाहजहांपुर। खुटार-पुवायां मार्ग पर मंगलवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। तेज रफ्तार रोडवेज बस की टक्कर से युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे के बाद परिवार में चीख-पुकार मच गई। क्षेत्र के गांव गुरघिया निवासी लवनीश वर्मा उर्फ बंटी (25) पुत्र सर्वेश वर्मा मंगलवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे बाइक से शाहजहांपुर जा रहे थे। बताया जाता है कि खुटार-पुवायां मार्ग पर रूजहां कला गांव के पास ओवरब्रिज से नीचे उतरते समय सामने से आ रही तेज रफ्तार रोडवेज बस ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि लवनीश की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना की जानकारी मिलते ही मृतक के परिजन भी मौके पर पहुंच गए। जवान बेटे का शव देखकर परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। हादसे के कारण कुछ समय के लिए मार्ग पर यातायात भी प्रभावित रहा। पुलिस का कहना है कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। दुर्घटना के संबंध में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

औद्योगिक विद्युत लाइन अलग से निर्माण को लिखा पत्र

जागरण मोर्चा कार्यालय

धिशासी अभियंता को इंडस्ट्रियल फीडर अलग करने का पत्र देती विधायक।

तिलहर शाहजहांपुर। क्षेत्रीय भाजपा विधायक सलोना कुशवाहा ने विद्युत वितरण खंड तिलहर के अधिशासी अभियंता ए के अग्रवाल को पत्र लिखकर तिलहर की इंडस्ट्रियल विद्युत सप्लाई की लाइन को अलग से डलवाने के लिए पत्र लिखा है ।विधायक ने अधिशासी अभियंता से वार्ता के दौरान बताया कि क्षेत्र के लोगों द्वारा लगातार इंडस्ट्रियल लाइन के कारण फॉल्ट होने और विद्युत आपूर्ति बाधित होने की जानकारी दी जा रही है इससे नगर के विद्युत उपभोक्ता बुरी तरह से त्रस्त हैं ।उनके क्षेत्र में शासकीय मानकों के अनुसार विद्युत आपूर्ति नहीं हो पा रही है यदि इसमें तत्काल सुधार न हुआ तो प्रकरण से मुख्यमंत्री स्तर पर अवगत कराया जाएगा ।उधर ग्रामीण क्षेत्र की आपूर्ति में भी लाइन लॉस के कारण सिंचाई में व्यवधान आ रहा है । उन्होंने ग्रामीण क्षेत्र की क्षतिग्रस्त लाइनों के भी ठीक करने के निर्देश दिए ।अधिशासी अभियंता ने दोनों प्रकरण पर शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया । भाजपा विधायक सलोना कुशवाहा ने इंडस्ट्रियल फीडर अलग करने और ग्रामीण क्षेत्र की बिजली सप्लाई में तत्काल सुधार करने के निर्देश दिए।सलोना कुशवाहा ने कहा कि विद्युत विभाग की लापरवाही के चलते भाजपा सरकार और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की छवि धूमिल होना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।श्रीमती कुशवाहा ने अधिशासी अभियंता को तत्काल दोनों बिंदुओं पर तेजी से काम करने का निर्देश दिया।साथ ही चेताया कि यदि स्थिति में सुधार नहीं होता तो इसकी शिकायत मुख्यमंत्री से कर कार्यवाही कराई जाएगी। इस दौरान पूर्व ब्लाक प्रमुख अभिनव शर्मा वीरु, सौरभ गुप्ता रवि, जिला पंचायत सदस्य झब्बू सिंह यादव, शिवम गुप्ता, अपना जल नगर अध्यक्ष सैफ अली खान, विवेक सक्सेना दिवस सक्सेना, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि अनिरुद्ध यादव पहलवान, आदि मौजूद रहे।

दिल्ली में जंतर मंतर पर प्रदर्शन में पहुंचे शाहजहांपुरिया

जागरण मोर्चा कार्यालय

शाहजहांपुरसे जंतर मंतर पहुंच कर युवाओं ने जताया समर्थन। –जागरण मोर्चा

शाहजहांपुर। जंतर मंतर पर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफा औरशिक्षा व्यवस्था के खिलाफचल रहे प्रदर्शन में जनपद के युवाओं नेभी आगे आकरअपना समर्थनदेने का सिलसिला शुरू किया है । दिल्ली में विभिन्न मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे हजारों युवाओं और छात्रों के बीच शाहजहांपुर की पुवायां तहसील के समाजवादी पार्टी नेता गोपाल अग्निहोत्री और आनंद शुक्ला भी शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने शांतिपूर्ण ढंग से प्रदर्शन कर रहे युवाओं के समर्थन में अपनी आवाज बुलंद की। आंदोलन में युवा सपा नेता पार्थ यादव भी मौजूद रहे। गोपाल अग्निहोत्री ने कहा कि लोकतंत्र में शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखना प्रत्येक नागरिक का संवैधानिक अधिकार है। उन्होंने कहा कि युवाओं की समस्याओं और उनकी मांगों को गंभीरता से सुना जाना चाहिए तथा उनका समाधान संवाद के माध्यम से किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश का युवा अपने भविष्य और रोजगार से जुड़े मुद्दों को लेकर अपनी बात रख रहा है। ऐसे में सरकार को उनकी भावनाओं का सम्मान करते हुए सकारात्मक पहल करनी चाहिए। प्रदर्शन के दौरान युवाओं ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर शांतिपूर्ण ढंग से अपनी बात रखी।

जंतर मंतर जा रहे सपा कार्यकर्ताओं को किया हाउस अरेस्ट

जागरण मोर्चा कार्यालय

जंतर मंतर जा रहे सपा कार्यकर्ताओं को हाउस अरेस्ट करने के बाद सपा नेत्री के आवास पर पुलिस। –जागरण मोर्चा

तिलहर शाहजहांपुर। पेपर लीक मामले पर जंतर मंतर पर चल रहे आंदोलन को समर्थन देने तिलहर से जा रहे सपा कार्यकर्ताओं को हाउस अरेस्ट करके पुलिस ने दिल्ली जाने से रोक दिया ।सपा नेत्री के आवास पर ही भारी पुलिस बल की मौजूदगी में नायब तहसीलदार ने राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापनउचित कार्रवाई का आश्वासन दिया । समाजवादी पार्टी की युवा नेत्री सूची कश्यप के आवास पर सैकड़ो कार्यकर्ताओं नेदिल्ली जंतर मंतर जाने के लिए तैयारी कर रखी थी पुलिस को सूचना मिलने पर भारी संख्या में पुलिस बल उनके आवास पर पहुंच गया और कार्यकर्ताओं को हाउस अरेस्ट कर लिया ।नारेबाजी और विरोध प्रदर्शन के बीच कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रपति को संबोधित एक ज्ञापन सौंपा जिसमें केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधानका इस्तीफा दिलवा ने,नीट पेपरलीग की उच्च स्तरीय जांच करने और दोषियों को सख्त सजा देने पेपर लीक के कारण मारे गए 22 छात्रों को एक-एक करोड़ मुआवजा देने तथा दिल्ली लाठी चार्ज के आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने तथा रामपुर की मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय का ध्वस्तीकरण रोकने की मांग की गई है । ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने वालों में शुचि कश्यप, सुरेन्द्र गुप्ता आशीष यादव सचिन यादव संदीप यादव शेखर यादव अनुज कुमार आदि सैकड़ो लोग शामिल हैं।

संक्षेप समाचार

सड़क बनवाने को वीडीओ को सौपा पत्र

वीडियो को पत्र सौंपते रामपुर नवादिया के ग्रामीण। –जागरण मोर्चा

उखरी खुदागंज। ग्रामीणों ने जर्जर सड़क बनवाए जाने को लेकर ब्लॉक मुख्यालय पहुंचकर खंड विकास अधिकारी को पत्र देते हुए सड़क निर्माण कराये जाने की मांग की। विकास क्षेत्र खुदागंज की ग्राम पंचायत रामपुर नवदिया निवासी दर्जन भर से अधिक ग्रामीणों ने खंड विकास अधिकारी अरविंद दुबे को सोपे पत्र में बताया की महेश पाल मौर्य के घर से सकटे लाल के घर तक सड़क अत्यधिक जर्जर है जहां जल भराव कीचड़ भरी रहती है जिस कारण आवागमन मुश्किल हो रहा है इसके संबंध में कई बार सूचित भी किया गया परंतु अभी तक उक्त सड़क का निर्माण नहीं कराया गया है उन्होंने खंड विकास अधिकारी अरविंद दुबे को पत्र देकर अभिलंब सड़क निर्माण कराये जाने की माग की इस दौरान रिंकू रमेश पाल विशाल मौर्य राजीव मौर्या आरिफ दुर्गेश संतोष महेश चंद्रसेन सिकंदर राजेश अफजाल नाजिम परवेज रिजवान हीरालाल आदि मौजूद रहे।

गांधी कॉलोनी में जलभराव का नगर आयुक्त ने किया निरीक्षण, नाला निर्माण का रास्ता साफ

रोडवेज के निकट गांधी कॉलोनी के जल भराव का निरीक्षण करती नगर आयुक्त।

शाहजहांपुर। रोडवेज के पास स्थित गांधी कॉलोनी में लंबे समय से हो रही जलभराव की समस्या को लेकर सोमवार को नगर आयुक्त ने मौके पर पहुंचकर स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अपर नगर आयुक्त, सौम्या गुरुरानी, मुख्य अभियंता (सिविल), लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता, विद्युत वितरण खंड के अधिशासी अभियंता तथा क्षेत्रीय पार्षद प्रतिनिधि मौजूद रहे। निरीक्षण में सामने आया कि रोडवेज से महिला थाना तक का प्राकृतिक जल निकासी मार्ग रेलवे द्वारा बंद किए जाने और रोडवेज परिसर से दाहिनी ओर पानी का निकास न होने के कारण गांधी कॉलोनी में जलभराव की समस्या उत्पन्न हो रही है। मुख्य अभियंता ने बताया कि सीवरेज एवं जल निकासी योजना के तहत इस क्षेत्र में नाला निर्माण कार्य पहले ही स्वीकृत हो चुका है। नगर आयुक्त ने विद्युत वितरण खंड के अधिशासी अभियंता को निर्देश दिए कि नाला निर्माण के एलाइनमेंट में आने वाले विद्युत पोल, ट्रांसफार्मर और विद्युत लाइन को एक सप्ताह के भीतर हटाने या स्थानांतरित कराने की कार्रवाई पूरी करें। साथ ही निर्माण कार्य के दौरान विभाग का एक कर्मचारी मौके पर तैनात रखने के भी निर्देश दिए गए, ताकि कार्य में कोई बाधा न आए। निरीक्षण के दौरान क्षेत्रीय पार्षद प्रतिनिधि ने बताया कि गांधी कॉलोनी के भीतरी हिस्से की जल निकासी योजना मौजूदा प्रस्ताव में शामिल नहीं है। इस पर नगर आयुक्त ने मुख्य अभियंता को निर्देशित किया कि कॉलोनी के अंदरूनी क्षेत्र की जल निकासी के लिए अलग से विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर स्वीकृति के लिए भेजी जाए।. नगर आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्वीकृत कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा कर क्षेत्रवासियों को जलभराव की समस्या से स्थायी राहत दिलाई जाए।

भाजपा नेता को जान से मारने की धमकी, कोतवाली चौक में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग

शाहजहांपुर। भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित मोर्चा महानगर के जिला उपाध्यक्ष एवं प्रॉपर्टी डीलर रितेश कुमार ने दो लोगों पर फोन पर जातिसूचक गालियां देने, अभद्र भाषा का प्रयोग करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए चौक कोतवाली में तहरीर देकर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। तहरीर के अनुसार, 20 जुलाई को दोपहर करीब चार बजे सत्यप्रकाश गंगवार ने मोबाइल नंबर 9805452160 से फोन कर अभद्र भाषा का प्रयोग किया। विरोध करने पर रितेश कुमार ने फोन काट दिया। आरोप है कि उसी रात करीब 9 :20 बजे सत्यप्रकाश गंगवार ने दोबारा फोन किया और अपने साथी प्रदीप गंगवार को स्पीकर पर जोड़कर दोनों ने सामूहिक रूप से जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए गालियां दीं। रितेश कुमार का आरोप है कि दोनों आरोपियों ने उन्हें तिलहर या पेट्रोल पंप की ओर दिखाई देने पर जान से मारने की धमकी भी दी। तहरीर में कहा गया है कि व्यवसाय और पार्टी के कार्यों के चलते उन्हें विभिन्न क्षेत्रों में आना-जाना पड़ता है, जिससे उन्हें दोनों आरोपियों से जानमाल का खतरा बना हुआ है। उन्होंने आशंका जताई है कि भविष्य में उनके साथ कोई अप्रिय घटना होती है तो इसकी जिम्मेदारी संबंधित आरोपियों की होगी। पीड़ित ने चौक थाना पुलिस से मामले में रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

जंतर-मंतर लाठीचार्ज व जौहर यूनिवर्सिटी ध्वस्तीकरण के विरोध में एनएसयूआई का मशाल जुलूस

जागरण मोर्चा कार्यालय

- शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग, कांग्रेस नेताओं ने सरकार पर साधा निशाना

शाहजहांपुर। दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्रों पर हुए कथित लाठीचार्ज और रामपुर स्थित जौहर यूनिवर्सिटी पर हुई ध्वस्तीकरण कार्रवाई के विरोध में मंगलवार को एनएसयूआई ने मशाल जुलूस निकालकर प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष रफी उल हसन के नेतृत्व में निकले जुलूस में बड़ी संख्या में छात्र और कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग उठाई। राजीव भवन स्थित कांग्रेस कार्यालय में आयोजित सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस जिलाध्यक्ष रजनीश गुप्ता ने कहा कि जौहर यूनिवर्सिटी में सभी वर्गों के छात्र शिक्षा ग्रहण करते हैं। नक्शा पास न होने का हवाला देकर विश्वविद्यालय पर बुलडोजर कार्रवाई करना सरकार की शिक्षा विरोधी सोच को दर्शाता है। एनएसयूआई जिलाध्यक्ष रफी उल हसन ने आरोप लगाया कि लगातार पेपर लीक की घटनाओं से लाखों छात्रों का भविष्य प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि छात्रों की मांगों के समर्थन में आवाज उठा रहे लोगों के साथ अनुचित व्यवहार किया गया और जंतर-मंतर से संसद मार्च के दौरान छात्रों पर आंसू गैस के गोले छोड़े गए तथा लाठीचार्ज किया गया। उन्होंने छात्राओं के साथ भी दुर्व्यवहार का आरोप लगाया। महानगर कांग्रेस अध्यक्ष तक्वीम हसन खान ने कहा कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना चाहिए और कांग्रेस इस मांग से पीछे नहीं हटेगी। सभा के बाद मशाल जुलूस राजीव भवन से शुरू होकर पुराना एसपी कॉलेज रोड, पंखी चौराहा, सदर बाजार और गोविंदगंज होते हुए अशोक स्तंभ पर पहुंचकर समाप्त हुआ। प्रदर्शन में पूर्व जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र दीक्षित, महानगर अध्यक्ष तक्वीम हसन खान, अनूप वर्मा, रामजी अवस्थी, अदीब अहमद, तनवीर सफदर, तालिब खान, अब्दुल सत्तार लाले, बिंदेश्वरी राज, पूनम पांडेय, नूरे सहर बी, सफिया बेगम, मोहसिन खान, परवेज अहमद, सिकंदर अली, अयान खान, रहीम दाद खान, शाहनवाज खान, सुधांशु मिश्रा समेत बड़ी संख्या में छात्र और कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पेपर लीक से आक्रोशित छात्रों ने डीएम को दिया ज्ञापन

जागरण मोर्चा कार्यालय

डीएम कोसंबोधित ज्ञापन देते छात्र। –जागरण मोर्चा

शाहजहांपुर। प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार हो रहे पेपर लीक और परीक्षा संबंधी अनियमितताओं के विरोध में मंगलवार को छात्र-छात्राओं, अभिभावकों और समाजसेवियों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर परीक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार की मांग की। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि बार-बार पेपर लीक होने से लाखों अभ्यर्थियों की वर्षों की मेहनत, समय और आर्थिक संसाधन बर्बाद हो रहे हैं, जिससे भर्ती प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। ज्ञापन में मांग की गई कि पेपर लीक की प्रत्येक घटना की निष्पक्ष और समयबद्ध जांच कर दोषी अधिकारियों तथा संगठित गिरोह के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए। साथ ही यदि किसी परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक होता है तो अभ्यर्थियों से बिना कोई अतिरिक्त शुल्क लिए दोबारा परीक्षा कराई जाए। छात्रों ने सरकार से नियमित भर्ती एवं परीक्षा कैलेंडर जारी कर उसका सख्ती से पालन सुनिश्चित कराने की भी मांग उठाई। ज्ञापन में यह भी मांग की गई कि पेपर लीक के कारण अभ्यर्थियों को हुए मानसिक, शारीरिक और आर्थिक नुकसान की भरपाई के लिए परीक्षा शुल्क की दस गुना राशि मुआवजे के रूप में दी जाए। इसके अलावा लगातार हो रही पेपर लीक की घटनाओं की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए शिक्षा मंत्री के इस्तीफे तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं पर रोक लगाने के लिए शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार की मांग की गई। ज्ञापन सौंपने वालों में समाजसेवी कुमार सागर, पुलकित मिश्रा, सूरज यादव, आशीष, हिमांशु, अमित कुमार, विवेक गुप्ता सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं और अभिभावक मौजूद रहे।

आ   या

भूजल संवर्धन जागरुकता के लिये प्रतियोगिताओं का आयोजन

जागरण मोर्चा कार्यालय

मदरसा नूरूल हुदा में प्रतियोगिता में शामिल छात्र। –जागरण मोर्चा

शाहजहांपुर। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी, के निर्देशों के अनुपालन मेंभूजल सप्ताह के अंतर्गत मदरसा नुरुल हुदा, बिजलीपूरा में विद्यार्थियों के बीच जल संरक्षण एवं भूजल संवर्धन के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के अंतर्गत चित्रकला, पोस्टर निर्माण, निबंध लेखन, भाषण, स्लोगन लेखन तथा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन तथा भूजल बचाने के उपायों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। चित्रों और पोस्टरों के माध्यम से विद्यार्थियों ने यह संदेश दिया कि "जल है तो कल है", "भूजल बचाओ–भविष्य बचाओ" तथा "पानी की हर बूंद अनमोल है"। प्रधानाचार्य इकबाल हुसैन उर्फ फूलमियां ने अपने संबोधन में कहा कि जल संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। यदि अभी से जल का विवेकपूर्ण उपयोग तथा वर्षा जल संचयन पर ध्यान नहीं दिया गया तो भविष्य में गंभीर जल संकट का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने घरों एवं समाज में भी जल बचाने का संदेश फैलाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के समापन पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया तथा सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने भूजल संरक्षण और जल की एक-एक बूंद बचाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर इज़हार हसन, जहूर अहमद, कामरान हुसैन, मोहम्मद जाहिद, साजिद अली खान, मोइन खान, ममनून, शारिक अली खान, सैय्यद शारिक अली मौजूद थे।

भाजपा विधायक ने किया विनायक रेस्टोरेंट का उद्घाटन

विनायक रेस्टोरेंट का उद्घाटन करती विधायक सलोना कुशवाहा। –जागरण मोर्चा

जागरण मोर्चा कार्यालय

तिलहर शाहजहांपुर। क्षेत्रीय भाजपा विधायक सलोना कुशवाहा ने बाईपास दोदराजपुर तिराहा पर विनायक रेस्टोरेंट एंड मंत्री जी की चाय कॉर्नर का फीता काटकर उद्घाटन किया और रेस्टोरेंट के संचालक विवेक सक्सेना को शुभकामनाएं दी ।विवेक सक्सेना के नव प्रतिष्ठान पर सुप्रसिद्ध चाय मंत्री जी की फ्रेंचाइजी की चाय की चुस्कियां लेते हुए विधायिका ने प्रतिष्ठान के आकर्षक लुक की तारीफ करते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अच्छी सेवा देकर यह प्रतिष्ठान तिलहर में अपना एक अलग स्थान अवश्य बनाएगा । प्रतिष्ठान के स्वामी ने विधायक को राधा कृष्ण का चित्र प्रतीक स्वरूप भेंट किया ।इस दौरान व्यापार मंडल अध्यक्ष सौरभ गुप्ता रवि पूर्व ब्लाक प्रमुख अभिनव शर्मा वीरू नगर पालिका परिषद के सभासद राधा रमन मिश्रा वंदनू जिला पंचायत सदस्य झब्बू सिंह यादव श्याम गर्ग राम लखन कुशवाहा सूर्यकुमार गंगवार पंकज सक्सेना,अनिरुद्ध सिंह यादव पहलवान विवेक सक्सेना दिवस सक्सेना आदि मौजूद रहे ।

एचपीसीएल हत्याकांड : तो क्या राजनीतिक दबाव में नहीं हो पा रही आरोपी के ताऊ की अवैध दुकानों पर कार्रवाई

जागरण मोर्चा कार्यालय

बदायूं। एचपीसीएल प्लांट में 12 मार्च को दिनदहाड़े हुई दो अधिकारियों की सनसनीखेज हत्या के मामले में अब कार्रवाई की रफ्तार और दिशा को लेकर गंभीर सवाल खड़े होने लगे हैं। जहां एक ओर शासन स्तर से सख्त निर्देश जारी किए गए हैं, वहीं दूसरी ओर आरोपी के परिजनों से जुड़ी अवैध संपत्तियों पर अब तक ठोस कार्रवाई न होने से प्रशासन की कार्यशैली पर उंगलियां उठ रही हैं।

बताया जा रहा है कि इस हत्याकांड के मुख्य आरोपी के ताऊ द्वारा संचालित कई अवैध दुकानें लंबे समय से प्रशासन की जानकारी में हैं। बावजूद इसके इन पर बुलडोजर कार्रवाई नहीं हो पाई है। सूत्रों के मुताबिक, प्रशासन द्वारा नोटिस और जांच की प्रक्रिया तो शुरू की गई, लेकिन अंतिम कार्रवाई अब तक टलती रही है। इससे यह चर्चा जोर पकड़ रही है कि कहीं न कहीं राजनीतिक दबाव के चलते कार्रवाई को रोका जा रहा है।

परिजनों और स्थानीय लोगों का आरोप है कि शासन की सख्ती के बावजूद जिला प्रशासन आरोपी पक्ष को लगातार राहत देने का प्रयास कर रहा है। उनका कहना है कि यदि समय रहते अवैध कब्जों पर कार्रवाई की जाती, तो अपराधियों का मनोबल इतना नहीं बढ़ता। अब जब दो अधिकारियों की हत्या जैसी बड़ी घटना सामने आई है, तब भी सख्ती के बजाय ढील दिखाई दे रही है।

जानकारी के अनुसार, बुलडोजर कार्रवाई से बचने के लिए आरोपी पक्ष लगातार हाईकोर्ट का रुख कर रहा है। कानूनी पेचीदगियों का हवाला देकर कार्रवाई को टालने की कोशिश की जा रही है। हालांकि, प्रशासनिक सूत्रों का कहना है कि मामले में सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए ही कदम उठाए जा रहे हैं, ताकि कोई कानूनी बाधा न उत्पन्न हो।

गौरतलब है कि 12 मार्च को एचपीसीएल प्लांट में कार्यरत अधिकारी सुधीर गुप्ता और हर्षित मिश्रा की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। दोनों अधिकारी प्लांट के संचालन को लेकर बेहद सक्रिय थे और दिन-रात काम कर रहे थे। बताया जाता है कि उनकी सख्ती और नियमों के पालन को लेकर कुछ लोग नाराज थे, जो इस जघन्य वारदात की वजह बनी।

इस हत्याकांड ने पूरे जिले में सनसनी फैला दी थी और लोगों में आक्रोश भी देखा गया। परिजनों ने न्याय की मांग करते हुए सख्त कार्रवाई की अपील की थी। अब जब आरोपी पक्ष की अवैध संपत्तियों पर कार्रवाई को लेकर ढिलाई बरती जा रही है, तो पीड़ित परिवार और आमजन में नाराजगी और बढ़ गई है।

स्थानीय सामाजिक संगठनों का कहना है कि यदि प्रशासन निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से कार्रवाई नहीं करता है, तो यह कानून व्यवस्था के लिए गंभीर संकेत होगा। उन्होंने मांग की है कि आरोपी के सभी अवैध निर्माणों को तत्काल ध्वस्त किया जाए और मामले में किसी भी प्रकार के राजनीतिक दबाव को दरकिनार किया जाए।

प्रशासन ने अपनी रिपोर्ट में कार्रवाई पूरी कर दी है। रही बात दुकानों पर बुलडोजर चलाने की तो पहले तारीख तय की गई थी लेकिन उस समय किसी कारणवश कार्रवाई नहीं हो सकी। इसके बाद हत्या कांड का मुख्य आरोपी का ताऊ अपनी संपत्ति बताकर हाईकोर्ट चला गया। हाईकोर्ट ने उसने दुकानों पर कार्रवाई न करने का स्टे लिया है। स्टे की समाप्ति के बाद फिर से कार्रवाई की जाएगी।
-अरुण कुमार, एडीएम, बदायूं

जांच के नाम पर खेल, कागजों में डॉक्टर प्रसव कर रहे अप्रशिक्षित कर्मचारी

रहनुमा कॉसमॉस अस्पताल में महिला की मौत से उठा बड़ा सवाल

जागरण मोर्चा कार्यालय

बदायूं। जनपद में अवैध अस्पतालों के खिलाफ कार्रवाई महज दिखावा बनकर रह गई है। ताजा मामला सदर कोतवाली क्षेत्र स्थित रहनुमा कॉसमॉस अस्पताल का है, जहां एक प्रसूता की मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। आरोप है कि अस्पताल में कागजों पर तो योग्य डॉक्टर तैनात हैं, लेकिन वास्तविकता में प्रसव जैसे संवेदनशील कार्य अप्रशिक्षित कर्मचारियों से कराए जा रहे हैं।

घटना के बाद स्वास्थ्य विभाग ने अस्पताल की ऑपरेशन थिएटर (ओटी) सील कर अपनी जिम्मेदारी पूरी मान ली, लेकिन चौंकाने वाली बात यह है कि अस्पताल का संचालन अब भी जारी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि विभागीय कार्रवाई केवल औपचारिकता बनकर रह गई है, जिससे अवैध अस्पताल संचालकों के हौसले बुलंद हैं। बताया जा रहा है कि यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी इस अस्पताल में कई प्रसूताओं की मौत के मामले सामने आ चुके हैं, लेकिन उनकी जांच रिपोर्ट आज तक सार्वजनिक नहीं की गई। गंभीर आरोप यह भी है कि इन घटनाओं के बावजूद अस्पताल लगातार संचालित होता रहा, जिससे विभागीय लापरवाही उजागर होती है। सूत्रों के अनुसार, जिले में अवैध अस्पतालों का एक बड़ा नेटवर्क सक्रिय है, जो विभागीय मिलीभगत से फल-फूल रहा है। आरोप है कि विभाग के कुछ कर्मचारी, खासकर पटल से जुड़े बाबू, इस नेटवर्क को संरक्षण दे रहे हैं। स्थानीय स्तर पर पारस नामक एक बाबू का नाम चर्चाओं में है, जिस पर पूरे जिले में अवैध अस्पतालों को संरक्षण देने का आरोप लगाया जा रहा है।

नाली के विवाद में युवक से मारपीट, तीन पर प्राथमिकी

बदायूं। मूसाझाग थाना क्षेत्र के गांव सुल्तानपुर निवासी लटूरी ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि गांव का पानी नाली से जाता है। पड़ोस में रहने वाली पूजा देवी उस नाली को बंद कर देती है। 15 जुलाई की सुबह 8 बजे पूजा ने नाली बंद कर दी,जिससे पानी भर गया। जिस पर उसके लड़के विजयवीर ने नाली खोल दी। नाली खोलते ही नंदू,छुटके व पूजा दरांती व सब्बल लेकर आ गए और उसके लड़के के साथ मारपीट करने लगे। जिसमें उसका सिर फट गया। पैर में भी काफी चोट लगी है। आरोप है कि हमलावरों ने उसके बेटे को जान से मारने की धमकी दी है। पुलिस ने महिला समेत तीनों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है।

दातागंज तिराहे से नवादा तक दिन भर लगा रहा भीषण जाम

जागरण मोर्चा कार्यालय

बदायूं। शहर में ट्रैफिक व्यवस्था लगातार बिगड़ती जा रही है। मंगलवार को दातागंज तिराहे से लेकर नवादा तक पूरे दिन भीषण जाम की स्थिति बनी रही, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। जाम के कारण सड़कों पर लंबी-लंबी कतारें लग गईं और लोग घंटों फंसे रहे।

स्कूल बसें, एंबुलेंस और दैनिक कामकाज के लिए निकलने वाले लोग जाम में फंसकर परेशान दिखे। कई स्थानों पर वाहन रेंगते नजर आए, जबकि कुछ लोग जाम से बचने के लिए गलियों का सहारा लेते दिखाई दिए। स्थानीय लोगों का कहना है कि शहर में बढ़ते अतिक्रमण, अव्यवस्थित पार्किंग और ट्रैफिक पुलिस की लापरवाही के चलते आए दिन ऐसी स्थिति बन रही है। लोगों ने आरोप लगाया कि टीएसआई की तैनाती के बाद भी ट्रैफिक व्यवस्था में कोई सुधार नहीं हुआ है। प्रमुख चौराहों पर पुलिसकर्मी नदारद दिखे, जिससे जाम की स्थिति और गंभीर हो गई। व्यापारियों और राहगीरों का कहना है कि यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो समस्या और विकराल हो सकती है।

शहरवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि अतिक्रमण हटाने, पार्किंग व्यवस्था सुधारने और प्रमुख स्थानों पर ट्रैफिक पुलिस की नियमित तैनाती सुनिश्चित की जाए, ताकि लोगों को जाम से राहत मिल सके

संक्षेप समाचार

श्रावण मास व कांवड़ यात्रा को लेकर अलर्ट मोड में प्रशासन, व्यवस्थाएं समय से पूरी करने के निर्देश

बदायूं। श्रावण मास एवं कांवड़ यात्रा-2026 के मद्देनजर जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में आ गया है। मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में डीएम अवनीश राय और एसएसपी अंकिता शर्मा ने अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक के दौरान यात्रा मार्गों की सुरक्षा, यातायात व्यवस्था, साफ-सफाई, पेयजल, रोशनी, चिकित्सा सेवाएं, बैरिकेडिंग, पार्किंग और डायवर्जन प्लान पर विशेष चर्चा की गई। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि सभी कार्य निर्धारित समय सीमा में पूर्ण किए जाएं और गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि कांवड़ यात्रियों की सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए विश्राम स्थलों पर पर्याप्त इंतजाम करने, संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात करने और हर स्तर पर निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा सोशल मीडिया पर निगरानी बढ़ाने, भ्रामक खबरें फैलाने वालों पर कार्रवाई करने और आपसी समन्वय के साथ काम करने पर जोर दिया गया। बैठक में सीडीओ गामिनी सिंगला, एडीएम अरुण कुमार, एएसपी डॉ. ह्रदेश कठेरिया व अभिषेक कुमार सिंह समेत कई अधिकारी उपस्थित रहे।

जौहर यूनिवर्सिटी पर बुलडोजर आदेश छात्रों के भविष्य से खिलवाड़: आबिद रजा

बदायूं। पूर्व मंत्री आबिद रजा ने जौहर विश्वविद्यालय पर रामपुर प्रशासन द्वारा बुलडोजर चलाने के आदेश की कड़ी आलोचना करते हुए इसे शिक्षा और छात्रहित के खिलाफ बताया है। उन्होंने प्रेस को जारी बयान में कहा कि जौहर यूनिवर्सिटी एक शिक्षा का मंदिर है और इस पर किसी भी तरह की कार्रवाई हजारों छात्रों के भविष्य से सीधा खिलवाड़ है। आबिद रजा ने कहा कि देश की आजादी के बाद सभी सरकारों ने शिक्षा को बढ़ावा देने का काम किया है और शिक्षण संस्थानों को मजबूत करने पर जोर दिया है। ऐसे में किसी विश्वविद्यालय को तोड़ने की कार्रवाई देशहित में नहीं मानी जा सकती। उन्होंने कहा कि यदि सरकार जौहर विश्वविद्यालय को किसी राजनीतिक दृष्टिकोण से देख रही है या इसे किसी व्यक्ति विशेष के विरोध से जोड़ रही है, तो यह पूरी तरह गलत है। उन्होंने बताया कि जौहर विश्वविद्यालय का निर्माण समाज के हर वर्ग—हिंदू, मुस्लिम, सिख और ईसाई—के लोगों के सहयोग और चंदे से हुआ है। इसमें अमीर, मध्यम और गरीब सभी वर्गों ने योगदान दिया है। इसलिए इसे किसी एक व्यक्ति या दल से जोड़कर देखना उचित नहीं है। पूर्व मंत्री ने कहा कि विश्वविद्यालय में हजारों छात्र-छात्राएं शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। प्रशासन के इस कदम से उनके भविष्य पर संकट मंडरा सकता है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि शिक्षा के बिना देश का विकास संभव नहीं है और नौजवान ही देश की असली ताकत होते हैं। अगर छात्रों का भविष्य असुरक्षित होगा, तो देश भी कमजोर होगा। आबिद रजा ने प्रदेश सरकार से अपील की है कि छात्रहित और युवाओं के भविष्य को ध्यान में रखते हुए रामपुर प्रशासन को बुलडोजर कार्रवाई का आदेश तत्काल वापस लेने के निर्देश दिए जाएं, ताकि शिक्षा का यह संस्थान सुरक्षित रह सके और छात्रों को न्याय मिल सके।

ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली कटौती पर भड़के सपा नेता, किसानों की समस्याओं के समाधान की मांग

बिसौली। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग भारत सरकार के पूर्व प्रदेश कोऑर्डिनेटर एवं समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता सतीश प्रेमी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने विद्युत व्यवस्था में सुधार को लेकर विद्युत वितरण खंड तृतीय के अधिशासी अभियंता नरेंद्र चौधरी से उनके कार्यालय में मुलाकात की। इस दौरान किसानों की समस्याओं के त्वरित समाधान की मांग प्रमुख रूप से उठाई गई। मंगलवार को हुई इस बैठक में सतीश प्रेमी ने कहा कि भाजपा सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में 18 घंटे बिजली आपूर्ति का दावा जमीनी स्तर पर पूरी तरह विफल साबित हो रहा है। लगातार हो रही बिजली कटौती के कारण निजी नलकूप बंद पड़े हैं, जिससे किसान समय पर सिंचाई नहीं कर पा रहे हैं। इसका सीधा असर फसलों पर पड़ रहा है और किसानों को आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है। उन्होंने ग्राम भगतपुर में करंट से भैंसों की मौत के मामले को गंभीर बताते हुए विद्युत विभाग की लापरवाही पर सवाल उठाए। इसके साथ ही ग्राम अखतरा, एत्मादपुर, रमपुरा और करनपुर सहित कई गांवों में खराब विद्युत आपूर्ति में सुधार और आवश्यकता के अनुसार ट्रांसफार्मरों की क्षमता बढ़ाने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल की मांगों पर अधिशासी अभियंता नरेंद्र चौधरी ने समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। इस मौके पर कल्याण सिंह यादव, पंकज यादव, गौरव प्रधान, सुबोध कुमार, राकेश यादव, कैलाश यादव, महिपाल और प्रकाश प्रजापति सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

दिव्यांग बच्चों के लिए जायन्ट्स ग्रुप का सराहनीय प्रयास, आश्रम को भेंट की वाशिंग मशीन

जागरण मोर्चा कार्यालय

बिसौली। जायन्ट्स ग्रुप बिसौली सिटी द्वारा सामाजिक सेवा की एक प्रेरणादायक पहल करते हुए मानसिक मंदित आश्रय गृह सह प्रशिक्षण केन्द्र में रह रहे दिव्यांग बच्चों के लिए वाशिंग मशीन भेंट की गई। यह सहयोग आश्रम संचालक के अनुरोध पर बच्चों के कपड़ों की नियमित धुलाई एवं स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से प्रदान किया गया।

इस अवसर पर ग्रुप के सदस्यों ने आश्रम में रह रहे बच्चों के बीच खाद्य सामग्री का भी वितरण किया। बच्चों ने अतिथियों का गर्मजोशी से स्वागत किया और उनके चेहरों पर खुशी स्पष्ट रूप से झलक रही थी। कार्यक्रम के दौरान सदस्यों ने बच्चों के साथ समय बिताया और उनके बेहतर भविष्य की कामना की। आश्रय गृह के संचालक एवं सचिव धर्मवीर सिंह ने जायन्ट्स ग्रुप का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वाशिंग मशीन मिलने से बच्चों के कपड़ों की सफाई में काफी सुविधा होगी और आश्रम की दैनिक व्यवस्था को मजबूती मिलेगी। उन्होंने समाज के सक्षम लोगों एवं संस्थाओं से ऐसे सहयोग की अपील भी की। कार्यक्रम में ग्रुप के अध्यक्ष एड. सुमित गोयल, कोषाध्यक्ष अंकुर गुप्ता, पास्ट प्रेसीडेंट अभिनव गुप्ता, चितरंजन गुप्ता, प्रशांत गर्ग, डॉ. अंकुश गुप्ता, विपुल गोयल, नितिन अग्रवाल, युग कृष्ण गर्ग सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

पेपर लीक के विरोध में बदायूं में प्रदर्शन, राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन

जागरण मोर्चा कार्यालय

बदायूं। जनहित सत्याग्रह मोर्चा एवं आशा कर्मचारी यूनियन के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को मालवीय आवास गृह पर एकत्र होकर कलेक्ट्रेट पहुंचकर महामहिम राष्ट्रपति के नाम जिलाधिकारी के माध्यम से ज्ञापन भेजा। यह ज्ञापन दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्रों और नौजवानों द्वारा पेपर लीक के विरोध में चल रहे आंदोलन के समर्थन तथा संसद मार्च के दौरान हुई पुलिस कार्रवाई के विरोध में दिया गया।

मोर्चा के अध्यक्ष प्रेमपाल सिंह ने कहा कि लगातार हो रहे पेपर लीक से छात्रों का भविष्य संकट में है। उन्होंने कहा कि पहले से ही सीमित नौकरियों और बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच छात्र बेहतर भविष्य की उम्मीद लेकर परीक्षा में बैठते हैं, लेकिन पेपर लीक, भर्ती में देरी और परिणाम घोषित होने में विलंब उनके सपनों को तोड़ देता है। मोर्चा के अध्यक्ष चरन सिंह यादव ने कहा कि आंदोलन की प्रमुख मांग केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीते वर्षों में कई परीक्षाओं के पेपर लीक हुए हैं और सरकार इस पर जवाबदेही से बच रही है। क्रांतिकारी लोक अधिकार संगठन के सतीश ने बताया कि जंतर-मंतर पर पर्यावरणविद सोनम वांगचुक सहित कई लोग लंबे समय तक अनशन पर बैठे रहे, लेकिन सरकार का कोई प्रतिनिधि उनसे वार्ता करने नहीं पहुंचा। आशा यूनियन की मुनीशा देवी ने कहा कि 20 जुलाई को प्रस्तावित संसद मार्च के दौरान शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज और आंसू गैस का प्रयोग किया गया, जिसकी संगठन कड़ी निंदा करता है। इस दौरान प्रेमपाल सिंह, चरन सिंह यादव, मुनीश देवी, डॉ. सतीश, रामप्रकाश, आरके जौहरी, एडवोकेट सीएल गौतम, एसपी सिंह, वीरेंद्र जाटव, ओमेंद्र सिंह, निर्दोष राठौर, नीलम, गिरिजा, अल्का, विनीता, राजकुमारी, रचना सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

ट्रेन की चपेट में आकर बुजुर्ग की मौत,परिवार में कोहराम, बिसौली कोतवाली क्षेत्र के गांव दवतरा के समीप की घटना

बदायूं। बिसौली कोतवाली क्षेत्र में दवतरा रेलवे स्टेशन के पास सोमवार शाम एक बुजुर्ग की ट्रेन की चपेट में आने से मौत गई। उनका शव रेलवे ट्रैक के पास क्षतविक्षत अवस्था में मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया। पुलिस घटना की जांच कर रही है। बिसौली कोतवाली क्षेत्र के गांव गुरियारी निवासी राधेश्याम (70) पुत्र रामस्वरुप खेतीबाड़ी करते थे। शनिवार शाम करीब 7 बजे ट्रेन की चपेट में आने से उनकी मौत गई। परिजनों ने बताया कि सोमवार शाम वह घर में किसी को बताए बिना घर से निकल गए। परिजनों ने उनकी काफी खोजबीन की,लेकिन उनका पता नहीं लगा। मंगलवार सुबह पुलिस ने उनका शव रेलवे ट्रैक पर मिलने की सूचना परिजनों को दी। सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे तो उनका क्षतविक्षत शव रेलवे ट्रैक पर पड़ा था। पहचान होने के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया । पुलिस मामले की जांच कर रही है। बुजुर्ग अपने पीछे तीन बेटियां व दो बेटों को छोड़ गए हैं।

बंदर से क्रूरता के मामले में सातवें दिन आरोपित पर रिपोर्ट दर्ज

जागरण मोर्चा कार्यालय

बदायूं। सहसवान कोतवाली क्षेत्र में बंदर के साथ क्रूरता का मामला सामने आया है। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के सात दिन बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। यह कार्रवाई पीपल फॉर एनिमल्स की संस्थापक व पूवई सांसद मेनका गांधी के हस्तक्षेप पर हुई।

मामला सहसवान कोतवाली क्षेत्र के गांव भवानीपुर खल्ली गांव का है। सहसवान कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला सैफुल्लागंज निवासी गौरव कुमार ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि भवानीपुर खल्ली गांव के मुन्ने अली पुत्र इकराम अली के घर के सदस्यों ने एक बंदर को क्रूरतापूर्वक पीटा है। जिससे बंदर की हालत गंभीर हो गई। संस्था के अध्यक्ष विकेंद्र शर्मा ने 14 जुलाई की सुबह उसे व गौरव माहेश्वरी से संपर्क कर बंदर को रेस्क्यू करने के लिए भेजा। वह अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचा और बंदर के बारे में जानकारी ली। जिस पर बंदर एक बंद घर में चोटिल हालत में पड़ा मिला और वह चलने फिरने में असमर्थ था। घटनास्थल से ही उसने पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची,पुलिस को भी बंदर चोटिल हालत में मिला। पास में लगे सीसीटीवी कैमरे से घटना का वीडियो मिला,जिसमें कुछ महिलाएं व बच्चे बंदर को मारते नजर आ रहें हैं। मामला तूल पकड़ने के बाद पुलिस ने मुन्ने अली के खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम के तहत रिपोर्ट दर्ज की है।

पारदर्शिता और समयबद्धता पर जोर, जनगणना कार्य में लापरवाही न बरतने के निर्देश

जागरण मोर्चा कार्यालय

बदायूं। जनगणना-2027 के तहत जिला जनगणना हस्त पुस्तिका (डीसीएचबी) के फील्ड कार्यों को सफल, गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध ढंग से पूरा कराने के उद्देश्य से मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में एक दिवसीय जनपद स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) त्रिभुवन ने की।

अपर जिलाधिकारी ने कहा कि जनगणना-2027 राष्ट्रीय महत्व का कार्य है और इसकी सफलता में जिला जनगणना हस्त पुस्तिका की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने सभी चार्ज अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्धारित समय-सीमा का पालन करते हुए सभी तैयारियां समय पर पूरी की जाएं और फील्ड कार्य पूरी पारदर्शिता, गंभीरता एवं जिम्मेदारी के साथ संपन्न किया जाए। साथ ही उन्होंने दैनिक प्रगति रिपोर्ट नियमित रूप से जिला जनगणना अधिकारी को उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए, ताकि कार्यों की प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित हो सके।

प्रशिक्षण का संचालन लखनऊ से नामित जनगणना अधिकारी प्रदीप सिंह चौहान एवं मंडल प्रभारी अभिषेक कनौजिया द्वारा किया गया। उन्होंने जिला जनगणना हस्त पुस्तिका के महत्व, उद्देश्य और कार्यप्रणाली पर विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि यह प्रकाशन ग्राम और नगर स्तर की जनगणना एवं अन्य महत्वपूर्ण सूचनाओं का आधार दस्तावेज होता है, जो शासन, प्रशासन और नीति निर्माण में उपयोगी है।

कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों को ग्राम एवं नगर निर्देशिका, संदर्भ तिथि, फील्ड कार्य की समय-सारिणी, यूजर आईडी निर्माण, पोर्टल आधारित डेटा संकलन, सत्यापन और अंतिम सबमिशन की प्रक्रिया का प्रशिक्षण दिया गया। जिला सूचना विज्ञान अधिकारी ने डीसीएचबी पोर्टल और मोबाइल एप का तकनीकी प्रदर्शन कर डेटा प्रविष्टि, सिंक्रोनाइजेशन और रिपोर्ट मॉनिटरिंग की जानकारी दी।

प्रशिक्षण के अंत में अधिकारियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया गया। इस अवसर पर सभी उपजिलाधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, नगर निकायों के अधिशासी अधिकारी, राजस्व निरीक्षक एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश में चुनावी तैयारियों में जुटी निषाद पार्टी

जागरण मार्चा कार्यालय

लखनऊ । निर्बल इंडियन शोषित हमारा आम दल (निषाद पार्टी) ने लखनऊ में आयोजित पांच दिवसीय पदाधिकारी मंथन एवं शिक्षण-प्रशिक्षण कार्यक्रम किया जा रहा है। कार्यक्रम के दूसरे दिन मंगलवार को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय कुमार निषाद के नेतृत्व में इस प्रशिक्षण शृंखला के अंतर्गत युवा मोर्चा, सोशल मीडिया एवं आईटी सेल के जनपद प्रभारियों के साथ शिक्षण-प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। वहीं, 24 जुलाई 2026 को निषाद पार्टी के संकल्पित, सक्रिय, प्रदेश, मंडल एवं जिला पदाधिकारियों की प्रादेशिक शिक्षण-प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की जाएगी। डॉ. संजय कुमार निषाद ने कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की तैयारियों को ध्यान में रखते हुए आयोजित किया जा रहा है। निषाद पार्टी समय-समय पर अपने पदाधिकारियों के लिए शिक्षण-प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन करती रही है, ताकि संगठन के पदाधिकारी प्रदेश की राजनीतिक परिस्थितियों, समय-समय पर होने वाले परिवर्तनों तथा पार्टी की नीतियों एवं दिशा-निर्देशों को भली-भांति समझ सकें और उन्हें जन-जन तक प्रभावी ढंग से पहुँचा सकें। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर पार्टी अपने पदाधिकारियों के साथ व्यापक चिंतन एवं मंथन कर रही है। डॉ. निषाद ने कहा कि निषाद समाज के नाम पर राजनीति करने वाले विपक्षी नेताओं द्वारा विगत साढ़े चार वर्षों के कार्यकाल का जवाब मांगा जा रहा है, जिसका तथ्यात्मक एवं प्रभावी उत्तर दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि जो लोग आज आरक्षण के मुद्दे पर हमसे प्रश्न कर रहे हैं, उन्हें यह भी बताना चाहिए कि मुख्यमंत्री द्वारा भारत के महापंजीयक एवं जनगणना आयुक्त (आरजीआई) को पत्र लिखे जाने तथा आरजीआई से प्राप्त उत्तर के बाद यह स्पष्ट हुआ कि मझवार एवं तुरैहा अनुसूचित जाति की श्रेणी में आते हैं तथा संबंधित उपजातियों के विषय में जो स्थिति स्पष्ट हुई है, वह निषाद पार्टी और उसके सतत संघर्ष का परिणाम है।

जनता और प्रशासन के बीच सीधा संवाद बनेगा ग्राम चौपाल का उद्देश्य, ग्रामीण समस्याओं का होगा त्वरित एवं प्रभावी समाधान

प्रदेश की हर ग्राम पंचायत में प्रत्येक शुक्रवार को आयोजित होगी ग्राम चौपाल : केशव मौर्य

जागरण मार्चा कार्यालय

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मंगलवार को ग्राम्य विकास विभाग के उच्च अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश के प्रत्येक जनपद की समस्त ग्राम पंचायतों में प्रत्येक शुक्रवार को नियमित रूप से 'ग्राम चौपाल' आयोजित की जाए। उन्होंने कहा कि ग्राम चौपाल जनता और प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का एक प्रभावी मंच बनेगी, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं का त्वरित, पारदर्शी और प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जा सकेगा। ग्राम चौपाल में प्राप्त होने वाली शिकायतों एवं समस्याओं का यथासंभव मौके पर ही समाधान सुनिश्चित किया जाए। यदि किसी विषय का तत्काल निस्तारण संभव न हो तो उसके लिए समयबद्ध कार्ययोजना बनाकर संबंधित अधिकारी उसकी नियमित निगरानी करें तथा शिकायतकर्ता को प्रगति की जानकारी भी उपलब्ध कराई जाए। उपमुख्यमंत्री श्री मौर्य ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सुशासन एवं जनसेवा के संकल्प के अनुरूप सरकार गांव के अंतिम व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने और

ग्राम चौपाल जनता और प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का एक प्रभावी मंच बनेगी, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं का त्वरित, पारदर्शी और प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जा सकेगा

नागरिकों को सुखमय एवं सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इसी उद्देश्य से ग्राम चौपाल को जनसमस्याओं के समाधान का सशक्त माध्यम बनाया जा रहा है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि ग्राम चौपाल केवल एक औपचारिक बैठक नहीं है, बल्कि यह जवाबदेह, पारदर्शी एवं संवेदनशील प्रशासन की पहचान है। इसका उद्देश्य ग्रामीण नागरिकों को उनकी सामान्य समस्याओं के समाधान के लिए जिला मुख्यालय अथवा लखनऊ तक आने की आवश्यकता समाप्त करना है। शासन की मंशा है कि लोगों की समस्याओं का समाधान उनके गांव में ही उपलब्ध हो और उन्हें अनावश्यक भागदौड़ न करनी पड़े। उन्हों ने प्रदेशवासियों से अपील करते हुए कहा कि प्रत्येक शुक्रवार को आयोजित होने वाली ग्राम चौपाल में अधिक से अधिक संख्या में भाग लें और अपनी समस्याएं, सुझाव एवं आवश्यकताएं सीधे संबंधित अधिकारियों के समक्ष रखें। उन्होंने कहा कि सरकार चाहती है कि प्रशासन गांवों तक पहुंचे और जनता को त्वरित, सरल एवं प्रभावी सेवाएं उपलब्ध कराए। उन्होंने अधिकारियों से यह भी कहा कि ग्राम चौपाल के दौरान विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की जाए तथा पात्र लाभार्थियों को योजनाओं से जोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। साथ ही पेयजल, सड़क, आवास, स्वच्छता, मनरेगा, आजीविका, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, महिला सशक्तीकरण, कृषि एवं अन्य विकास कार्यों से जुड़े मामलों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रदेश सरकार का लक्ष्य गांवों में सुशासन, विकास और जनविश्वास को और अधिक सुदृढ़ करना है। हर ग्राम पंचायत में नियमित ग्राम चौपाल आयोजित होने से प्रशासन और जनता के बीच विश्वास बढ़ेगा, समस्याओं का समयबद्ध समाधान होगा तथा ग्रामीण विकास को नई गति मिलेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनता की संतुष्टि ही सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है

इस अवसर पर सहायक कोच रायन सागर, निखिल कुमार, रोहित कुमार ने संयुक्त रूप से परीक्षण लिया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के जनपद मीरजापुर के हलिया वन क्षेत्र के मटिहरा गांव में मंगलवार को करीब 10 फीट लंबा विशालकाय मगरमच्छ रिहायशी इलाके में पहुंच जाने से ग्रामीणों में अफरातफरी मच गई। सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम ने ग्रामीणों के सहयोग से कड़ी मशक्कत के बाद मगरमच्छ का सुरक्षित रेस्क्यू कर उसे ददरी बांध के गहरे जलाशय में छोड़ दिया। भोजन की तलाश में भटकता हुआ मगरमच्छ मटिहरा गांव निवासी झल्लर के घर के पास पहुंच गया। मगरमच्छ को देखते ही आसपास के लोग दहशत में आ गए। भीड़ बढ़ने पर वह घर के समीप बनी एक छोटी बंधी में चला गया।

ग्राम प्रधान गायत्री यादव ने तत्काल वन विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही वन दरोगा सिद्धार्थ, शीतला बख्श सिंह, वन रक्षक शिवम सिंह, अंकुर शुक्ला तथा वाचर वकील, अनिरुद्ध श्रीवास्तव, महेंद्र और शिवशंकर की टीम मौके पर पहुंची।

संक्षेप

संकुल शिक्षक बैठक में विभागीय योजनाओं की समीक्षा, गुणवत्ता सुधार पर जोर

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में अजीतमल कंपोजिट विद्यालय गौहानी कलां में मंगलवार को संकुल स्तरीय शिक्षक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष दीपक दुबे ने की। इसमें विभागीय योजनाओं की समीक्षा के साथ शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार और समयबद्ध ढंग से कार्यों के निस्तारण पर जोर दिया गया। नोडल शिक्षक जितेंद्र पाल सिंह ने नवोदय प्रवेश परीक्षा, एनएमएमएस, इंस्पायर अवार्ड, प्रेरणा पोर्टल, अपार आईडी और निपुण लक्ष्य समेत विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने शिक्षकों से योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने तथा विद्यार्थियों को अधिक से अधिक लाभ दिलाने का आह्वान किया। बैठक में नवोदय एवं एनएमएमएस आवेदन, इंस्पायर अवार्ड के लिए छात्र चयन, हरितिमा ऐप पर पौधारोपण की जियो टैगिंग, कायाकल्प योजना, कक्षा एक से पांच तक विद्यार्थियों का अधिगम प्रोफाइल तैयार करने, इको क्लब गतिविधियों, प्रेरणा पोर्टल के लंबित कार्य, अपार आईडी निर्माण और डिजिटल छात्र उपस्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही विद्यालयों में मिड-डे मील की गुणवत्ता, छात्र उपस्थिति बढ़ाने, स्वच्छता, खेलकूद, योग और पुस्तकालय के बेहतर उपयोग पर भी जोर दिया गया। ब्लॉक अध्यक्ष दीपक दुबे ने कहा कि शिक्षक पूरी निष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें और विभागीय कार्यों को निर्धारित समय सीमा में पूरा करें। बैठक के अंत में विद्यालयों की समस्याओं और उनके समाधान पर चर्चा की गई। इस दौरान अरुण कुमार, संजय वर्मा, नरेंद्र कुशवाहा, श्रीहरि त्रिपाठी, सीमा राजपूत, अर्चना गौतम, सारिका गुप्ता, नर सिंह, कृष्ण कुमार, अंकिता, देवेंद्र गुर्जर सहित अन्य शिक्षक मौजूद रहे।

फार्मर आईडी और राजस्व मामलों में तेजी लाने के निर्देश, सरकारी भूमि उपलब्ध कराने पर डीएम ने दिया जोर

देवरिया । उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले में जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने मंगलवार को वर्चुअल बैठक के माध्यम से सभी उपजिलाधिकारियों के साथ राजस्व एवं भूमि संबंधी कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने विभिन्न विभागों के लिए आवश्यक सरकारी भूमि की उपलब्धता, फार्मर आईडी निर्माण और लंबित राजस्व प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि जिन विभागों को शासकीय कार्यों के लिए भूमि की आवश्यकता है, उनके लिए उपयुक्त सरकारी भूमि का शीघ्र चिन्हांकन कर उपलब्ध कराया जाए, ताकि विकास कार्यों में किसी प्रकार की बाधा न आए। उन्होंने सभी उपजिलाधिकारियों को इस कार्य की नियमित निगरानी करने के निर्देश दिए। डीएम ने अंश निर्धारण से जुड़े मामलों का तेजी से निस्तारण कराने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि किसानों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए फार्मर आईडी बनाना बेहद आवश्यक है। ऐसे में अभियान चलाकर सभी पात्र किसानों की शत-प्रतिशत फार्मर आईडी तैयार कराई जाए और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। समीक्षा बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने धारा-34, धारा-24 एवं धारा-116 के अंतर्गत लंबित प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन मामलों में जनपद की रैंकिंग में सुधार लाने के लिए सभी अधिकारी पूरी जिम्मेदारी के साथ कार्य करें।

हर बूथ पर 20 योद्धा, 35.50 लाख कार्यकर्ताओं की चुनावी फौज तैयार करेगी भाजपा

जागरण मार्चा कार्यालय

लखनऊ । उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव-2027 की तैयारी में जुटी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)बूथ स्तर पर अपनी सबसे बड़ी चुनावी ताकत खड़ी करने की रणनीति पर काम कर रही है। पार्टी की योजना प्रत्येक बूथ पर 20 सक्रिय कार्यकर्ताओं की टीम तैयार करने की है, जो चुनाव तक संगठन, मतदाता संपर्क और मतदान प्रबंधन की कमान संभालेगी।

प्रदेश में 1,77,516 बूथ हैं। ऐसे में प्रति बूथ 20 कार्यकर्ताओं के हिसाब से भाजपा करीब 35,50,320 (35.50 लाख) बूथ कार्यकर्ताओं का नेटवर्क तैयार करेगी। बूथ अध्यक्ष इस पूरी टीम का नेतृत्व करेंगे और बूथ को संगठन की सबसे मजबूत इकाई बनाने की जिम्मेदारी निभाएंगे। 22 जुलाई को प्रदेश की सभी 403 विधानसभा क्षेत्रों

बूथ सम्मेलन में 2027 की जीत का 'ब्लूप्रिंट' समझेंगे बूथ अध्यक्ष

में एक साथ होने वाले बूथ अध्यक्ष सम्मेलन में इसी चुनावी ब्लूप्रिंट को अंतिम रूप दिया जाएगा। वरिष्ठ नेता बूथ अध्यक्षों को जीत का मंत्र देंगे और प्रत्येक बूथ को भाजपा की जीत का अभेद्य दुर्ग बनाने का लक्ष्य सौंपेंगे। भाजपा के प्रदेश महामंत्री एवं बूथ सम्मेलन के प्रदेश संयोजक दिलीप पटेल ने हिन्दुस्थान समाचार से बातचीत में बताया कि 22 जुलाई को होने वाला बूथ अध्यक्ष सम्मेलन केवल औपचारिक बैठक नहीं होगा, बल्कि विधानसभा चुनाव-2027 के लिए बूथ स्तर की चुनावी कार्यशाला बनेगा। सम्मेलन में बूथ अध्यक्षों को चुनावी जिम्मेदारियों के साथ बूथ प्रबंधन का पूरा रोडमैप सौंपा जाएगा।

वरिष्ठ नेताओं का मार्गदर्शन

बूथ अध्यक्ष सम्मेलन में राष्ट्रीय, प्रदेश और क्षेत्रीय स्तर के वरिष्ठ नेता बूथ अध्यक्षों को संगठन की प्राथमिकताओं, चुनावी रणनीति और बूथ प्रबंधन के गुर बताएंगे। उन्हें 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारियों, मतदाता संपर्क, लाभार्थी संवाद, सोशल मीडिया के उपयोग, संगठनात्मक अनुशासन और चुनावी माइक्रो मैनेजमेंट पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। भाजपा बूथ स्तर पर संगठन के विस्तार को 2027 की तैयारी का महत्वपूर्ण हिस्सा मान रही है।

ताइक्वांडो के 80 खिलाड़ियों ने उत्तीर्ण की कलर बेल्ट परीक्षा

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में जिला ताइक्वांडो स्पोर्ट्स एसोसिएशन की ओर से मंगलवार को रामगंगा विहार स्थित नेताजी सुभाषचंद्र बोस सोनकपुर स्पोर्ट्स स्टेडियम में ताइक्वांडो कलर बेल्ट परीक्षा आयोजित की गई। जिसमें जिले के 80 ताइक्वांडो खिलाड़ियों ने कलर बेल्ट परीक्षा उत्तीर्ण की। जिला ताइक्वांडो स्पोर्ट्स एसोसिएशन के सचिव शाहवेज़ अली ने बताया कि येलो बेल्ट के लिए आण्विक, अगस्या यादव, अक्षत, अमाया, लवप्रीत, माही, रेयांश, रुद्राक्ष, अद्वैत, शुभ्रा, तेजल,वैष्णवी, आरोही विश्नोई, शिवन्या, तरुण, विराज, विधांशी, आराध्य सिंह, अदिति गौतम, गुनीन कत्याल, विराज सिंह, अनुभव गुप्ता, अनुभूति गुप्ता, गर्वित गंगवार, मानविक वर्मा, पृथ्वी कुमार, अनिक सिंह, मेधांशी वर्मा, तरुण राघव, लावण्या प्रताप सिंह आदि ने परीक्षा उत्तीर्ण की।

अब गांवों में भी तेजी से बढ़ रहा पर्यटन : जयवीर सिंह

जागरण मार्चा कार्यालय

लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की घोषणाओं के अनुरूप पर्यटन विभाग द्वारा एग्री रूरल एवं गंगेग्राम रूरल टूरिज्म परियोजना के माध्यम से उत्तर प्रदेश के चयनित ग्रामों को पर्यटन की दृष्टि से विकसित किया जा रहा है। इस अनूठी पहल का उद्देश्य ग्रामीण संस्कृति, लोक कला, कृषि आधारित अनुभव एवं लोक जीवन के साथ गंगा तटीय विरासत को जोड़ते हुए स्थानीय स्तर पर रोजगार एवं आजीविका को बढ़ावा देना है। परियोजना के अंतर्गत पर्यटन ग्रामों में होम-स्टे, फार्म-स्टे, पर्यटन की आधारभूत संरचनाओं का विकास तथा स्थानीय महिलाओं, युवाओं, होम-स्टे संचालकों एवं अन्य हितधारकों का कौशल विकास किया जा रहा है। इससे ग्रामीण पर्यटन को एक मजबूत आधार मिल रहा है।

यह जानकारी मंगलवार को प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि पर्यटन अब शहरों की ओर से चलकर गांवों की ओर अग्रसर है, इससे युवा पीढ़ी जुड़ रही है, क्योंकि पर्यटन में रोजगार के साथ स्थानीय स्तर पर रोजी-रोटी की असीमित संभावनाएं हैं। परियोजना को राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय पहचान प्राप्त हुई है। वर्ष 2024 में पूरा महादेव जनपद बागपत को पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार द्वारा बेस्ट टूरिज्म विलेज तथा वर्ष 2025 में जनपद बहराइच के कारीकोट गांव को इण्डियन सबकान्टिनेन्ट रिस्पांस्बुल टूरिज्म एवार्ड से सम्मानित किया गया है। इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय पर्यटन दिवस 2026 के अवसर पर भवन्त (मैनपुरी), औरंगाबाद (गोरखपुर) एवं जनपद प्रयागराज के सिंगरौर को बेस्ट टूरिज्म, आनन्द भवन पैलेस को भी पुरस्कार प्राप्त हुआ है। श्री सिंह ने बताया कि इसी प्रकार राधा माधव होम-स्टे जनपद प्रतापगढ़ एवं सप्त सरोवर पीलीभीत को बेस्ट होम-स्टे तथा रुबन रिजॉर्ट जनपद गाजियाबाद, लिविंग ग्रीन फार्म्स प्रयागराज एवं मड हाउस फार्म स्टे आगरा को बेस्ट फार्म स्टे के पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। साथ ही बेस्ट सक्सेज स्टोरी श्रेणी में स्थानीय ग्रामीण उद्यमियों कठवारा लखनऊ के ललित निषाद, सेहला जनपद पीलीभीत की अनीता पाण्डेय एवं बरारा जनपद आगरा की रीना को बेस्ट सक्सेज स्टोरी श्रेणी में सम्मानित किया गया।

स्वस्थ बेटी ही स्वस्थ परिवार, स्वस्थ समाज और विकसित राष्ट्र की आधारशिला : राज्यपाल

जागरण मार्चा कार्यालय

लखनऊ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ के महिला अध्ययन केंद्र द्वारा मंगलवार को स्वामी कल्याण देव चिकित्सालय के सहयोग से मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत सर्वाइकल कैंसर जागरूकता एवं एचपीवी टीकाकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि स्वस्थ बेटी ही स्वस्थ परिवार, स्वस्थ समाज और विकसित राष्ट्र की आधारशिला है। बालिकाओं के स्वास्थ्य की सुरक्षा केवल परिवार ही

नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि जन-जागरूकता, समय पर स्वास्थ्य परीक्षण एवं टीकाकरण के माध्यम से अनेक गंभीर बीमारियों की प्रभावी रोकथाम संभव है। उन्होंने कहा कि डरिए मत, यह वैक्सीन आपकी सुरक्षा के लिए है। जानकारी के अभाव में कई बार लोग टीकाकरण को लेकर अनावश्यक आशंकाएं पाल लेते हैं, जबकि वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि एचपीवी वैक्सीन भविष्य में सर्वाइकल कैंसर के खतरे को कम करने में प्रभावी एवं सुरक्षित है। उन्होंने अभिभावकों को बिना किसी भ्रांति या भय के अपनी बेटियों का समय पर टीकाकरण कराने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि मां अपने बच्चों के लिए सबसे बड़ी शक्ति होती है और आवश्यकता पड़ने पर उनकी सुरक्षा के लिए हर चुनौती का सामना कर सकती है। प्रत्येक माता-पिता का कर्तव्य है कि वे अपनी बेटियों के स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें तथा उन्हें समय पर आवश्यक टीकाकरण उपलब्ध कराएं। उन्होंने बताया कि वैज्ञानिकों के अनुसार 9 से 14 वर्ष की आयु में एचपीवी टीकाकरण सर्वाधिक प्रभावी माना जाता है, क्योंकि इस आयु में बेहतर प्रतिरक्षा विकसित होती है और भविष्य में सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। बीमारी का उपचार महत्वपूर्ण है, लेकिन उससे भी अधिक महत्वपूर्ण उसकी रोकथाम है।

2027 फतह की तैयारी: बूथ अध्यक्ष सम्मेलन से भाजपा करेगी बूथों की 'माइक्रो मैनेजमेंट मैपिंग'

जागरण मार्चा कार्यालय

लखनऊ । उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव-2027 अभी दूर है, लेकिन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उसकी सबसे अहम चुनावी तैयारी बूथ स्तर से शुरू कर दी है। 22 जुलाई को प्रदेश भर में होने वाला बूथ अध्यक्ष सम्मेलन केवल संगठनात्मक कार्यक्रम नहीं, बल्कि भाजपा के बूथ नेटवर्क की 'सर्जिकल मैपिंग' का बड़ा अभियान साबित होगा। पार्टी पहली बार हर बूथ पर वर्तमान पदाधिकारियों, पूर्व दायित्वधारियों और संभावित बूथ पालकों का विस्तृत डाटा जुटाकर संगठन की वास्तविक ताकत का आकलन करेगी। भाजपा का मकसद

सम्मेलन में तीन अहम सूची लेकर आएंगे बूथ अध्यक्ष, हर बूथ का बनेगा पॉलिटिकल प्रोफाइल

सक्रिय, निष्क्रिय और पूर्व पदाधिकारियों का डाटा जुटा चुनावी माइक्रो मैनेजमेंट को धार देगी भाजपा

सिर्फ यह जानना नहीं है कि बूथ पर कौन सक्रिय है, बल्कि यह भी पता लगाना है कि वर्षों तक संगठन में काम करने वाले कौन-कौन से अनुभवी कार्यकर्ता अब निष्क्रिय हैं और उन्हें दोबारा चुनावी अभियान में कैसे जोड़ा जा सकता है।

आगामी त्योहारों पर मदिरा से जनहानि की अप्रिय घटना न होने पाये: आबकारी मंत्री

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के आबकारी एवं मद्य निषेध राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नितिन अग्रवाल ने आबकारी विभाग के अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा है कि आगामी त्योहारों के दृष्टिगत कहीं पर भी मदिरा से होने वाली जनहानि की अप्रिय घटना न होने पाये। जिला प्रशासन और पुलिस के अधिकारियों के साथ समन्वय बनाकर कार्य करें, जहां कहीं से भी अवैध मदिरा व कच्ची शराब की आपूर्ति की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई की जाए। प्रदेश के सीमावर्ती राज्यों से जुड़े जिलों में प्रवर्तन की प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। खासतौर से पूर्वांचल, बुंदेलखण्ड और पश्चिम क्षेत्र के संवेदनशील जिलों में विशेष सतर्कता बरती जाए।

नए भारत' के 'नए यूपी' में नहीं होगा किसी विदेशी आक्रांता का स्मारक : योगी

बहराइच, 21 जुलाई (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को बहराइच में कहा कि सपा व कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश और महाराजा सुहेलदेव को कभी सम्मान नहीं दिया, बल्कि भारत को रौंदने, बहराइच व मां पाटेश्वरी धाम को लूटने आए आए विदेशी आक्रांता सालार मसूद के नाम पर गाजी मियां का मेला लगाना शुरू कर दिया था। हमारी सरकार ने स्पष्ट किया कि 'नए भारत' के 'नए यूपी' में किसी विदेशी आक्रांता का स्मारक और उसके नाम पर मेला स्वीकार नहीं होगा। बहराइचवासियों ने गाजी के नाम पर होने वाले आयोजन को रोक दिया। सरकार व्यवस्था करेगी कि आगे भी गाजी के नाम पर नहीं, बल्कि महाराजा सुहेलदेव के नाम

बहराइच के बाद श्रावस्ती पहुंच कर मुख्यमंत्री ने दी 396 करोड़ से अधिक विकास कार्यों की सौगात

पर भव्य मेले व आयोजन हों। मुख्यमंत्री मंगलवार को महसी व नानपारा विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए 352 करोड़ रुपये से अधिक की 70 परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास करने के उपरांत जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बहराइच एस्पिरेशनल से अब इंस्पिरेशनल डिस्ट्रिक्ट बन रहा है। कभी सबसे पीछे रहने वाला बहराइच देश में अब अग्रणी भूमिका निभाता है। मुख्यमंत्री ने नीति आयोग के नए डेटा का उल्लेख करते हुए कहा कि एस्पिरेशनल डिस्ट्रिक्ट की रैंकिंग में बहराइच की नई पहचान स्थापित हुई है। यह बुनियादी ढांचे में पहले, कृषि में दूसरे व शिक्षा में चौथे स्थान पर है। बहराइच की इस उपलब्धि के लिए नीति आयोग ने अलग से जनपद को 21 करोड़ रुपये दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सपा व कांग्रेस को कब्रिस्तान की बाउंड्री बनाने और गाजी मियां का मेला लगाने से फुर्सत नहीं मिलती थी। महाराज सुहेलदेव ने गाजी मियां को ऐसी मौत दी थी, जिसे इस्लाम

प्रदेश के विकास की मजबूत नींव में बेहतर सड़कें और पुल दे रहे हैं गति, प्रति वर्ष बनाए जा रहे 211 पुल

जागरण मार्चा कार्यालय

लखनऊ । किसी भी राज्य या राष्ट्र की आर्थिक, सामाजिक और औद्योगिक प्रगति उसकी सड़क एवं परिवहन व्यवस्था पर निर्भर करती है। सड़कें केवल एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचने का माध्यम नहीं होतीं, बल्कि वे विकास, निवेश, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और समृद्धि की आधारशिला होती हैं। जब किसी प्रदेश की सड़कें बेहतर होती हैं, तो किसान अपनी उपज समय पर मंडियों तक पहुँचा पाते हैं, उद्योगों को कच्चा माल और तैयार उत्पाद के परिवहन में सुविधा मिलती है, विद्यार्थियों को शिक्षा संस्थानों तक पहुँच आसान होती है तथा मरीजों को समय पर चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध हो पाती हैं। राज्य सरकार के एक प्रवक्ता ने मंगलवार को बताया कि

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व में उत्तर प्रदेश लोक निर्माण विभाग ने आधारभूत संरचना के विकास को नई दिशा और नई गति प्रदान की है। वर्ष 2012 से 2017 तथा वर्ष 2017 के बाद की अवधि के तुलनात्मक आँकड़े इस परिवर्तन की स्पष्ट तस्वीर प्रस्तुत करते हैं। ये आँकड़े केवल निर्माण कार्यों की संख्या नहीं दर्शाते, बल्कि बदलती कार्यसंस्कृति, बेहतर योजना, प्रभावी निगरानी और परिणामोन्मुखी प्रशासन का भी प्रमाण हैं। प्रदेश सरकार ने सड़कों के निर्माण एवं चैड़ीकरण को विकास की प्राथमिकता बनाया। इसी सोच का परिणाम है कि जहाँ 01 अप्रैल 2012 से 31 मार्च 2017 के बीच पाँच वर्षों में कुल 31,868 किलोमीटर सड़कों का चैड़ीकरण, सुदृढ़ीकरण एवं नवनिर्माण किया गया था, वहीं 01 अप्रैल 2017 के बाद यह उपलब्धि बढ़कर 66,838 किलोमीटर तक पहुँच गई। वर्तमान सरकार के कार्यकाल में प्रदेश में सड़क निर्माण कार्यों को नई गति और व्यापक विस्तार मिला है। वर्तमान समय में विभाग औसतन 20 किलोमीटर प्रतिदिन की गति से सड़कों का नवनिर्माण और चैड़ीकरण/सुदृढ़ीकरण का कार्य कर रहा है। यह केवल गति का संकेत नहीं, बल्कि बेहतर परियोजना प्रबंधन, समयबद्ध क्रियान्वयन और संसाधनों के प्रभावी उपयोग का परिचायक भी है। इस व्यापक सड़क विकास का सबसे बड़ा लाभ प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों को मिला है। जिन गाँवों तक पहले पहुँचने में घंटों लग जाते थे, वहाँ अब बेहतर सड़क संपर्क के कारण आवागमन सुगम हुआ है। इससे कृषि उत्पादों के परिवहन की लागत कम हुई है, ग्रामीण बाजारों का विस्तार हुआ है तथा स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा मिली है। साथ ही धार्मिक, सांस्कृतिक और पर्यटन स्थलों तक बेहतर पहुँच बनने से पर्यटन गतिविधियों को भी बढ़ावा मिला है, जिससे स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित हुए हैं। सड़क निर्माण के साथ-साथ गुणवत्तापूर्ण रखरखाव पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। किसी भी सड़क का निर्माण जितना महत्वपूर्ण होता है, उसका समय-समय पर नवीनीकरण और रखरखाव उतना ही आवश्यक होता है।

सद्गुणी जीवन जीना ही है आनंदमय जीवन

हमारे मूल में तो शांति, संयम और स्थिरता विद्यमान है। हमारी आत्मा निर्मल और शांत नदी-तल की भाँति है, जो स्वाभाविक रूप से सद्गुणी कर्मों की ओर प्रवृत्त रहती है। समस्या तब शुरू होती है जब इस आंतरिक नदी में सांसारिक द्वेष और विकार मिल जाते हैं। हमारी चेतना का एक छोटा सा हिस्सा हमारे अंधेरे पक्ष से भी जुड़ा रहता है, इसलिए अच्छाई और बुराई के बीच संघर्ष सदा बना रहता है। अंततः यह इस पर निर्भर करता है कि हम किस पक्ष को पोषित करते हैं। जिसे हम अधिक ध्यान और ऊर्जा देते हैं, वही प्रभावी हो जाता है। कुछ सार्वभौमिक सामाजिक सद्गुण ऐसे हैं जो जीवन को अधिक आनंदमय बनाते हैं। ये कठोर नियम नहीं, बल्कि शाश्वत गुण हैं—ऐसे व्यापक सिद्धांत जो हमें गरिमा, संतुलन और समत्व से भरे जीवन की ओर ले जाते हैं। अहिंसा सभी सद्गुणों में सर्वोच्च है। इसका अर्थ है-विचार, वाणी और कर्म से किसी को भी हानि न पहुँचाना, चाहे वह मनुष्य हो, पशु हो या स्वयं प्रकृति। सूक्ष्म स्तर पर अहिंसा का अर्थ है स्वयं को भी नकारात्मक विचारों और आंतरिक अशांति से चोट न पहुंचाना। सच्ची अहिंसा आंतरिक शांति की अवस्था है, जिससे करुणा स्वतः बाहर की ओर प्रवाहित होती है। सत्य हर सार्थक संबंध की नींव है। जो सत्य से उत्पन्न होता है, वही स्थायी आनंद का स्रोत बनता है। सत्य स्वयं कभी कड़वा नहीं होता; उसे कड़वा बनाती हैं हमारी ईर्ष्या, प्रतिस्पर्धा और स्वार्थ। जब सत्य किसी का स्वभाव बन जाता है, तो वह विनम्रता, सम्मान और प्रेम-सदृश आंतरिक शांति को जन्म देता है। संगति—

शारीरिक और मानसिक—हमारे चरित्र और भाग्य को आकार देती है। हमारे विचार, प्रवृत्तियाँ और कर्म, जिनके साथ हम रहते हैं और जिन विचारों को अपनाते हैं, उनसे गहराई से प्रभावित होते हैं। जैसे कोई चित्रकार सामंजस्य रचने के लिए रंगों का चयन सोच-समझकर करता है, वैसे ही आनंदमय जीवन के लिए संगति का चयन विवेकपूर्ण होना चाहिए। अंततः संगति का अर्थ अपने अंतरात्मा से जुड़ना भी है। निर्भयता एक विकसित की गई मानसिक अवस्था है। अहंकार से उत्पन्न निर्भयता विनाशकारी होती है, जबकि प्रेम, नैतिकता और परिश्रम से जन्मी निर्भयता पवित्र होती है। भय क्षमता और आकांक्षा के बीच दीवार खड़ी कर देता है। जब अंतरात्मा और नैतिक दृढ़ता के मार्गदर्शन में निर्भयता आती है, तो वह आनंद, शक्ति और सामंजस्य का स्रोत बनती है। मौन सबसे गहन सद्गुणों में से एक है। यह अपने आप में पूर्ण अभिव्यक्ति है, जिसमें सभी भावनाएँ समाहित हो सकती हैं। सचेत रूप से अपनाया गया मौन स्पष्टता, गरिमा और आंतरिक समाधान प्रदान करता है विवेकपूर्वक प्रयोग किया गया मौन भ्रम को शांत करता है और जिम्मेदारी से पलायन नहीं, बल्कि विवेक को सुदृढ़ करता है। स्थिरता आनंदमय जीवन के लिए अनिवार्य है। शरीर भले ही स्थिर दिखाई दे, मन प्रायः चंचल और डगमगाता रहता है। सच्ची स्थिरता मानसिक संतुलन, तर्कशीलता और निरंतरता में निहित है। जब मन आत्मा से एकरूप हो जाता है, तब व्यक्ति संतुलन और आंतरिक समत्व प्राप्त करता है। क्षमा सर्वोच्च सद्गुण है, जिसके बिना अन्य सभी सद्गुण अपना सार खो देते हैं। द्वेष और कटुता को पकड़े रखना वर्तमान और भविष्य- दोनों पर बोझ डालता है। क्षमा भीतर के भार को सचेत रूप से छोड़ देना है- क्रोध, अपराधबोध और पीड़ित भाव से मुक्ति। यह जीवन को शांत गरिमा और स्थायी आनंद की ओर ले जाता है। जब इन सद्गुणों का ईमानदारी से अभ्यास किया जाता है, तब व्यक्ति का चरित्र वह मंच बन जाता है, जिस पर जीवन अर्थपूर्ण ढंग से घटित होता है। आनंद केवल बाहरी सफलता से नहीं मिलता, बल्कि आंतरिक परिष्कार से उपजता है। सद्गुणी जीवन जीना ही, अंततः, आनंदमय जीवन जीना है।

कृति सेनन की बहन नूपुर अगले महीने करेंगी डेस्टिनेशन मैरिज

एक्ट्रेस कृति सेनन की छोटी बहन नूपुर जल्द ही शादी के बंधन में बंधने वाली हैं। बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन की बहन नूपुर सेनन की शादी की खबरें सामने आ रही हैं। चर्चा है कि नूपुर अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड से अगले महीने उदयपुर में शादी रचाने वाली हैं। मनी कंट्रोल की रिपोर्ट के मुताबिक, नूपुर सेनन ने सिंगर स्टेबिन बेन के साथ 8-9 जनवरी 2026 को फ़ेयरमोंट पैलेस में उदयपुर में भव्य शादी की तैयारी कर ली है। मेहंदी-संगीत के साथ, यह शादी बेहद निजी और स्टारडम से भरपूर होगी। 8 जनवरी को मेहंदी और संगीत होगा, जबकि 9 जनवरी को मुख्य शादी की रस्में होंगी। नूपुर की शादी में परिवार, करीबी दोस्त और बॉलीवुड म्यूजिक इंडस्ट्री के कुछ बड़े नाम शामिल होंगे। कृति सेनन और उनके दोस्तों के आने की भी पूरी उम्मीद है। नूपुर पिछले कुछ साल से म्यूजिक वीडियो में नजर आ रही हैं। अब वह जल्द ही बॉलीवुड फिल्म में डेब्यू करने वाली हैं। हालांकि, दोनों ने अभी तक अपने रिलेशनशिप या शादी को लेकर कुछ नहीं कहा है। स्टेबिन बेन एक भारतीय गायक और प्लेबैक सिंगर हैं। उन्होंने साहिबा,थोड़ा थोड़ा प्यार, और रूला के गया इश्क जैसे कई हिट गाने गाए हैं। वह एक बहुमुखी कलाकार हैं जिन्होंने बॉलीवुड के कई संगीतकारों और अभिनेताओं के साथ काम किया है।

रशिमका मंदाना ने एआई के बढ़ते दुरुपयोग पर जतायी नाराजगी

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई के बढ़ते प्रयोग से बॉलीवुड भी काफी चिंतित है। वजह है एआई का गलत इस्तेमाल करके सेलेब्स के फ़ेक और अश्लील फोटोज व वीडियोज बनाए जा रहे हैं, जो सोशल मीडिया पर काफी वायरल होते हैं। इसको लेकर अब अभिनेत्री रशिमका मंदाना ने नाराजगी जताई है। रशिमका ने अपने एक्स अकाउंट पर एआई-जनरेटेड कंटेंट के संचालन में जवाबदेही और जिम्मेदारी की अपील की है। अपनी पोस्ट में रशिमका ने जागरूकता और नैतिक उपयोग की आवश्यकता पर बात की। उन्होंने इसे एक नैतिक पतन बताया, जिसका सामना करना जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि इंटरनेट एक ऐसी जगह बन गया है जहां मनगढ़ंत सीन को आसानी से असली बताकर पेश किया जा सकता है। एआई के जरिए महिलाओं की अश्लील तस्वीरें बनाने और उनका दुरुपयोग करने पर रशिमका ने नाराजगी जताई। एक्ट्रेस ने कहा कि जब सच्चाई गढ़ी जा सकती है, तो हमारा विवेक हमारी सबसे बड़ी ताकत बन जाता है। एआई प्रगति की ओर एक कदम है, लेकिन अश्लीलता फैलाने और महिलाओं को निशाना बनाने के लिए इसका दुरुपयोग कुछ लोगों में गहरे नैतिक पतन का संकेत देता है। याद रखें, इंटरनेट अब सच्चाई का आईना नहीं रहा। यह एक ऐसा कैनवास है जहां कुछ भी गढ़ा जा सकता है। आइए हम दुरुपयोग से ऊपर उठें और एक अधिक सम्मानजनक और प्रगतिशील समाज के निर्माण के लिए एआई का उपयोग करें।

जापान में शगुन का लिफाफा देने में भी लफड़ा

भारत में जहां शगुन में कोई भी नोट डालकर दे दिया जाता है, वहीं जापान में शगुन का लिफाफा (शुगी-बुकुरो) तैयार करने में दर्जनों नियम फॉलो करने पड़ते हैं। नियम ना मानने पर यह बड़ा अपमान माना जाता है और रिश्ते में दरार आ सकती है। भारत में लोग शादियों में कितने लोग गए हैं, वहां कितना खाना खाएंगे या सामने वाले ने उनके घर पर कितना शगुन दिया था, इस हिसाब से लिफ़ाफ़े में पैसे डालते हैं। लेकिन जापान का नियम सबसे अलग है। जापानी शादियों में मेहमान नए करारे नोट (क्रिस्प न्यू बिल्स) ही डालते हैं। ये नए नोट नई जोड़े की नई शुरुआत और शुद्धता का प्रतीक माने जाते हैं। बैंक से स्पेशल नए नोट लिए जाते हैं, क्योंकि पुराने या झुर्रीदार नोट इस्तेमाल करने से लगता है कि आपने तैयारी नहीं की, वहीं अंतिम संस्कार (फ्यूनरल) में ठीक उल्टा नियम है। इसमें पुराने या थोड़े इस्तेमाल वाले नोट दिए जाते हैं, क्योंकि नए नोट से लगता है कि मौत की पहले से उम्मीद थी, जो बहुत अशुभ माना जाता है। जापान में शगुन की राशि भी रिलेशनशिप पर निर्भर करती है। सिंगल (अनमैरिड) लोग या दोस्त/कॉलिग आमतौर पर 30,000 येन (वर्तमान एक्सचेंज रेट से करीब 17,000-18,000 रुपये) देते हैं। मैरिड कपल्स 50,000 येन (करीब 28,000-29,000 रुपये) या उससे ज्यादा देते हैं. ये रकम ऑड (विषम) होती है, क्योंकि जोड़े को 'दो' से अलग नहीं करना चाहिए। 4 (शी - मौत) या 9 (कु - दुख) से शुरू होने वाली रकम जैसे 40,000 या 90,000 येन पूरी तरह वर्जित हैं। कभी-कभी 20,000 येन भी दिया जाता है, लेकिन तब नोटों की संख्या विषम रखी जाती है, जैसे 1म10,000 + 2म5,000। शुगी-बुकुरो स्पेशल एनवेलप होता है, जिसमें रेड-व्हाइट मिजुहिकी (सजावटी डोर) लगी होती है। एनवेलप पर नाम और राशि लिखी जाती है। अंदर का लिफाफा अलग होता है, जहां नोट फेस अप रखकर डाले जाते हैं।

सुबह उठते ही सताता है दांत का दर्द, तो ये है खतरे की घंटी

अगर सुबह नींद से उठते ही दांत में दर्द महसूस हो रहा है, तो यह सिर्फ ठंड-गर्मी या मामूली सेंसिटिविटी नहीं, बल्कि कई गंभीर बीमारियों का शुरुआती संकेत हो सकता है। इसे बार-बार अनदेखा करना आगे चलकर बड़ी समस्या बन सकता है। सुबह का दांत दर्द शरीर का अलार्म है। इसे नजरअंदाज नहीं, समय पर इलाज ही समझदारी है। **दांत दर्द इन बीमारियों की देता है चेतावनी- दांत में कीड़ा:** रात में मुंह सूखने से बैक्टीरिया ज्यादा एक्टिव होते हैं। अगर सुबह उठते ही तेज दर्द हो रहा है तो इसका समय पर इलाज न होने पर नस तक सड़न पहुंच सकती है। **दांत की नस में इंफेक्शन:** दर्द धड़कता हुआ, ठंडा-गरम लगते ही झटका रात और सुबह ज्यादा दर्द है तो यह नस में इंफेक्शन का संकेत है। इसमें रूट कैनाल की जरूरत पड़ती है। **दांत में पस भरना:** सूजन, मुंह में कड़वा स्वाद, बदबूदार सांस दांत में पस भरने के संकेत हैं। यह इंफेक्शन खून तक फैल सकती है, यह खतरनाक स्थिति है। **मसूड़ों की बीमारी:** मसूड़ों से खून, सूजन और जलन सुबह ज्यादा दर्द मसूड़ों की बीमारी का संकेत है। इलाज न होने पर दांत हिलने लगते हैं। **दांत पीसने की आदत:** रात में दांत कसकर भींचना, सुबह जबड़े और दांत में दर्द कई बार सिरदर्द होना भी नुकसानदायक है। इससे धीरे-धीरे दांत घिस जाते हैं। **साइनस इंफेक्शन:** ऊपर के दांतों में दर्द, सिर भारी लगना, नाक बंद या पानी आना असल में दांत नहीं साइनस की समस्या होती है। **दांत में दरार या फ्रैक्चर:** चबाते समय दर्द, दबाव छोड़ते ही तेज चुभन यह दांत में दरार या फ्रैक्चर का संकेत है। बिना इलाज दांत टूट सकता है। **दांत दर्द को नजरअंदाज करने के नुकसान-** इंफेक्शन पूरे जबड़े में फैल सकता है, तेज बुखार और सूजन हो सकती है, दांत निकालने की नौबत आ सकती है, डायबिटीज और हार्ट पेशेंट्स में खतरा ज्यादा, लंबे समय तक दर्द और खर्च दोनों बढ़ते हैं। **तुरंत डेंटिस्ट के पास कब जाएं?** अगर दर्द 1/2 दिन से ज्यादा रहे, चेहरे या मसूड़ों में सूजन हो गई है। बुखार के साथ दर्द हो रहा है या फिर मुंह खोलने में दिक्कत हो रही है तो डॉक्टर को दिखाना ही समझदारी है। अगर इन समस्याओं से बचना है तो रात में ब्रश जरूर करें। मीठा खाकर बिना कुल्ला सोने से बचें। दांत पीसने की आदत से बचाव करें और 6 महीने में एक बार डेंटल चेकअप जरूर करवाएं।

नये साल का कैलेंडर लगाने का जान लें वास्तु नियम

नया साल आते ही घर या ऑफिस में नया कैलेंडर लगाना सिर्फतारीख देखने के लिए नहीं, बल्कि सकारात्मक ऊर्जा, सुख-समृद्धि और तरक्की को आमंत्रण देने का भी तरीका माना जाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार अगर कैलेंडर सही दिशा और सही चित्रों के साथ लगाया जाए, तो इसका सीधा असर घर की खुशहाली पर पड़ता है। **कैलेंडर लगाने की सही दिशा-** उत्तर या पूर्व दिशा सबसे शुभ मानी जाती है। ये दिशाएं करियर, ग्रोथ और पॉजिटिव एनर्जी से जुड़ी होती हैं। दक्षिण दिशा में कैलेंडर लगाने से बचें। नया साल शुरू होते ही पुराना कैलेंडर हटा देना चाहिए। पुराना कैलेंडर बीते समय और रुकी हुई ऊर्जा का संकेत माना जाता है। पुराना कैलेंडर रखने से तरक्की में बाधा आ सकती है। **कैलेंडर पर बने चित्रों का रखें ध्यान- प्राकृतिक दृश्य:** पहाड़, नदी, हरियाली, सूर्योदय, हंसता हुआ बच्चा, फूल, पक्षी देवताओं के सौम्य और शांत चित्र वाले कैलेंडर ही घर में लगाने चाहिए। युद्ध, आग, हिंसा, सूखे पेड़, डूबता सूरज जैसे चित्र अशुभ माने जाते हैं। कैलेंडर को ड्रॉइंग रूम, लिविंग एरिया ऑफिस या वर्क डेस्क के सामने की दीवार पर लगाना चाहिए। बाथरूम, स्टोर रूम, बेड के ठीक ऊपर नहीं लगाना चाहिए। **घर के मुख्य दरवाजे के पास कैलेंडर-** मुख्य द्वार के पास कैलेंडर लगाने से समय की पाबंदी, नए अवसर सकारात्मक शुरुआत का संकेत मिलता है। कैलेंडर हमेशा सही तारीख पर रखें, गलत तारीख दिखाना वास्तु दोष माना जाता है। यह जीवन में भ्रम और रुकावट का संकेत देता है। कैलेंडर को लगाने से पहले हल्का सा गंगाजल छिड़कें। मन में सकारात्मक संकल्प लें। **ऑफिस के लिए खास वास्तु टिप-** ऑफिस में कैलेंडर वर्क डेस्क के सामने वाली दीवार पर लगाएं। इससे समय प्रबंधन और लक्ष्य प्राप्ति आसान होती है। वास्तु के अनुसार घर में लगाया गया कैलेंडर सिर्फतारीख नहीं दिखाता, बल्कि नए साल में सुख, समृद्धि, तरक्की और सकारात्मक बदलाव भी लाता है।

20 की उम्र में ही छोड़ दें ये आदतें आस- पास भी नहीं भटकेगा कैंसर

आपके 20 के दशक अक्सर करियर बनाने, लक्ष्य हासिल करने और नई-नई आजादी का आनंद लेने में बीतते हैं, लेकिन इस दौरान की कुछ आदतें उम्र भर का पछतावा बन जाती हैं। रोजाना की कुछ आदतें जिंदगी में गंभीर बीमारियों का खतरा चुपचाप बढ़ा सकती हैं। आप क्या खाते-पीते हैं, कैसे सोते हैं और स्ट्रेस कैसे मैनेज करते हैं, छोटे-छोटे फैसलों का भी लंबे समय तक असर हो सकता है। कैंसर विशेषज्ञ के अनुसार अगर 20 की उम्र में ही कुछ गलत आदतों को छोड़ दिया जाए तो आगे चलकर कैंसर का खतरा काफी हद तक कम किया जा सकता है। डॉक्टर चेतावनी देते हैं कि कभी-कभार की जाने वाली स्मोकिंग भी सुरक्षित नहीं होती। आइए जानते हैं वे 5 आदतें, जिन्हें 20 में ही छोड़ देना चाहिए। **कभी-कभार स्मोकिंग करना-** मैं रोज नहीं पीता सोचकर लोग इसे सुरक्षित मान लेते हैं लेकिन ओकेश्सनल स्मोकिंग भी डीएनए को नुकसान पहुंचाती है। इससे फेफड़े, मुंह, गला और ब्लड कैंसर का खतरा बढ़ता है। **अल्कोहल का जरूरत से ज्यादा सेवन-** कम उम्र में ज्यादा शराब लिवर, ब्रेस्ट और आंतों के कैंसर से जुड़ी पाई गई है। शराब और स्मोकिंग साथ में हों तो खतरा कई गुना बढ़ जाता है। **लगातार जंक और प्रोसेस्ड फूड खाना-** पैकेज्ड स्नैक्स, प्रोसेस्ड मीट का ज्यादा सेवन भी शरीर को नुकसान पहुंचात है। इसमें मौजूद केमिकल और प्रिजर्वेटिव शरीर में सूजन और हार्मोनल गड़बड़ी बढ़ाते हैं। **सन प्रोटेक्शन को नजरअंदाज करना-** बिना सनस्क्रीन के तेज धूप में रहना कम उम्र में हुई स्किन डैमेज कर सकता है। यह आगे चलकर स्किन कैंसर का कारण भी बन सकता है। **फिजिकल एक्टिविटी की कमी-** बैठकर काम करना, एक्सरसाइज न करना मोटापा और हार्मोन असंतुलन करता है। यह कई तरह के कैंसर के जोखिम बढ़ाते हैं। **डॉक्टर की सलाह-** कैंसर अचानक नहीं होता, यह सालों की गलत आदतों का नतीजा होता है। इसलिए स्मोकिंग और शराब से दूरी रखें, घर का ताजा, संतुलित भोजन खाएं। रोज 30 मिनट एक्टिव रहें। धूप में निकलते समय सनस्क्रीन का इस्तेमाल करें और रेगुलर हेल्थ चेकअप करवाएं। ध्यान रखें 20 की उम्र में किए गए छोटे फैसले 40-50 की उम्र की सेहत तय करते हैं। आज की सावधानी, कल की सुरक्षा है।

सर्दियों में गर्दन और कंधों का दर्द क्यों बढ़ जाता है?

सर्दियों के मौसम में गर्दन और कंधों में दर्द की शिकायत बेहद आम हो जाती है। ठंडी हवा, धूप की कमी और शारीरिक गतिविधियां कम होने के कारण मांसपेशियों में जकड़न बढ़ जाती है। कई लोग सुबह उठते ही गर्दन अकड़ी हुई महसूस करते हैं, तो कुछ को दिनभर कंधों में भारीपन और दर्द बना रहता है। अगर समय रहते इस पर ध्यान न दिया जाए, तो यह समस्या धीरे-धीरे गंभीर रूप भी ले सकती है। **ठंड में क्यों अकड़ जाती हैं मांसपेशियां?** एक्सपर्ट्स के मुताबिक, ठंड के मौसम में शरीर का नर्वस सिस्टम अलग तरीके से प्रतिक्रिया करता है। ठंड लगने पर मांसपेशियां सिकुड़ जाती हैं और गर्दन, कंधों व बाजुओं की ब्लड वेसल्स संकरी हो जाती हैं। यह शरीर की एक प्राकृतिक प्रक्रिया है, जिससे अंदरूनी अंगों का तापमान संतुलित बना रहता है। लेकिन जब मांसपेशियां लंबे समय तक कसी रहती हैं, तो दर्द और अकड़न बढ़ने लगती है। **देसी और आयुर्वेदिक उपाय-** सर्दियों में शरीर, मन और आत्मा के संतुलन पर ध्यान देना बेहद जरूरी होता है। हल्का ध्यान और गहरी सांसों का अभ्यास मानसिक तनाव को कम करता है और शरीर में ऑक्सीजन का प्रवाह बेहतर बनाता है। सर्दियों में गर्म, ताजा और पका हुआ भोजन लेना फायदेमंद माना जाता है। अदरक और हल्दी जैसे मसाले सूजन कम करने और जोड़ों को मजबूती देने में मदद करते हैं। इसके अलावा, गर्म दूध में हल्दी मिलाकर पीना भी मांसपेशियों के दर्द में राहत दे सकता है। **गर्म तेल से मालिश-** गर्दन और कंधों के दर्द में गर्म तेल से मालिश बेहद असरदार मानी जाती है। सरसों या तिल के तेल को हल्का गर्म करके मालिश करने से रक्त संचार बेहतर होता है और जकड़ी हुई मांसपेशियों को आराम मिलता है। नीलगिरी या कपूर युक्त दर्द निवारक बाम भी तुरंत राहत देने में सहायक हो सकते हैं। **घर पर करें ये आसान उपाय-** अगर दर्द ज्यादा गंभीर नहीं है, तो कुछ घरेलू उपाय अपनाकर आराम पाया जा सकता है। गर्दन और कंधों पर 15 से 20 मिनट तक गर्म या ठंडी सिकाई करने से सूजन और जकड़न कम होती है। कुछ लोग गर्म और ठंडी सिकाई को बारी-बारी से इस्तेमाल करते हैं, जिससे ब्लड फ्लो बेहतर होता है और दर्द जल्दी कम होता है। **एक्सरसाइज और योग भी हैं जरूरी-** हल्की स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज गर्दन और कंधों की जकड़न को दूर करने में मदद करती हैं। गर्दन को धीरे-धीरे दाएं-बाएं घुमाना, ठुड्डी को छाती की ओर ले जाना या कंधों को ऊपर-नीचे करना बेहद फायदेमंद होता है। कंधों की मांसपेशियों को मजबूत बनाने के लिए सिंगल आर्म रो और अपराइट रो जैसी हल्की एक्सरसाइज की जा सकती हैं। इसके साथ ही योगासन शरीर में लचीलापन, संतुलन और मजबूती बढ़ाते हैं, जिससे दर्द की संभावना कम होती है। **सही पोस्चर अपनाना है जरूरी-** अच्छा पोस्चर सिर्फ दिखावे के लिए नहीं, बल्कि दर्द से बचाव के लिए बेहद जरूरी है। मोबाइल या लैपटॉप को आंखों के स्तर पर रखें, लंबे समय तक झुककर न बैठें और हर घंटे अपने बैठने के तरीके को सुधारें। कंधों को ढीला छोड़ने और रीढ़ को सीधा रखने की आदत डालें। अगर सर्दियों में गर्दन और कंधों का दर्द लगातार बना रहता है, बढ़ता जा रहा है या हाथों में झनझनाहट महसूस हो रही है, तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है। रोजमर्रा की जिंदगी में ये देसी उपाय, सही एक्सरसाइज और अच्छी आदतें अपनाकर आप सर्दियों में गर्दन और कंधों के दर्द से काफी हद तक राहत पा सकते हैं।

रंग-संसार

दृष्टि धामी ने फैंस को दिया बिग सरप्राइज

मशहूर टीवी एक्ट्रेस दृष्टि धामी ने मां बनने के करीब 14 महीने बाद अपनी बेटी का चेहरा पहली बार दुनिया को दिखाया है। साल 2024 में मां बनीं दृष्टि ने अब नए साल के मौके पर अपनी नन्ही परी से फैंस की मुलाकात कराई है। एक्ट्रेस ने अपनी बेटी का नाम लीला खेमका रखा है, जिसकी तस्वीरें सामने आते ही सोशल मीडिया पर छा गई हैं। नए साल के पहले दिन, 1 जनवरी को दृष्टि धामी ने अपनी लाडली का फैस को दीदार करवाते हुए कुछ तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर कीं और कैप्शन में लिखा, हैलो दुनियावालों, मिलिए लीला खेमका से। तस्वीरों में लीला पर्पल फ्रॉक पहने केक के पास खड़ी पोज देती दिखीं। एक तस्वीर में नन्हीं परी सिर्फशॉर्ट पहने क्यूट लगी, जबकि आखिरी तस्वीर में दृष्टि अपनी लाडो को बाहों में लेकर प्यार लुटाती दिखीं। तस्वीरों में लीला की मासूमियत और क्यूट एक्सप्रेशंस ने हर किसी का दिल जीत लिया है। फैंस ही नहीं, बल्कि टीवी और फिल्म इंडस्ट्री के कई सितारे भी लीला की क्यूटनेस पर फिदा नजर आए। लंबे समय से बेटी की झलक का इंतजार कर रहे फैंस अब बेहद खुश हैं और कमेंट्स के जरिए ढेर सारा प्यार लुटा रहे हैं।

मां को याद कर भावुक हुई सुजैन

ऋतिक रोशन की पूर्व पत्नी सुजैन खान नए साल के खास मौके पर दिवंगत मां जरीन खान को याद कर बेहद भावुक हो गईं। उन्होंने 2025 का रीकैप शेयर कर कहा है कि इस साल ने उनसे सबसे कीमती इंसान छीन लिया है। सुजैन ने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से मां के साथ बिताए यादगार पलों की झलक दिखाते हुए लिखा है, 2025, तुमने मेरा दिल तोड़ दिया। तुम मुझसे मेरी जिंदगी के सबसे-सबसे कीमती इंसान को छीन ले गए। लेकिन मैं एक-एक दिन करके आगे बढ़ना सीखूंगी। मेरे दिल में बसे मेरे फरिश्ते के प्यार, हौसले और ताकत के साथ। 2026, हम सब पर अपनी कृपा बनाए रखना। ताकि हम बेहतर तरीके से प्यार करना सीखें और खुद का एक बेहतर रूप बन सकें। इससे पहले भी 17 दिसंबर को सुजैन खान ने मां को याद कर भावुक पोस्ट शेयर की थी। उन्होंनें मां की तस्वीरें शेयर कर लिखा था मेरी मम्मी एंजेल। जब भी मैं आपका चेहरा सोचती हूं, सब कुछ थम-सा जाता है। आज आपकी आत्मा को हमसे बिछड़े हुए 40 दिन हो गए हैं। मैं धन्य हूं क्योंकि आपने मुझे अपना बनने के लिए चुना। मैं हर तरह से, हर दिन, हमेशा आपकी ही रहूंगी। आपकी याद हर पल आती है। आपकी हमेशा की बेबी गर्ल, सूजी। सुजैन और एक्टर जायद खान की मां जरीन का 7 नवंबर को निधन हो गया।

गीता सार

लभन्ते ब्रह्मनिर्वाणमृषयः क्षीणकल्मषाः।
छिन्नद्वैधा यतात्मानः सर्वभूतहिते रताः॥
कामक्रोधवियुक्तानां यतीनां यतचेतसाम्।
अभितो ब्रह्मनिर्वाणं वर्तते विदितात्मनाम्॥

हिंदी अर्थ : निष्पाप ऋषि, जिनके सब संशय ज्ञान द्वारा निवृत्त हो गए है, जो सभी प्राणियों के हित में रत है और जो अपनी आत्मा में स्थित है, वे शांत ब्रह्म को प्राप्त होते है। काम – क्रोध से रहित, जीते हुए चित वाले, आत्म – साक्षात्कार किए हुए योगियों के लिए सब ओर से शांत परब्रह्म ही परिपूर्ण है।

जंतर-मंतर का तंत्र

दिल्ली के जंतर-मंतर पर बीते तीन हफ्ते से प्रदर्शन के लिए जुटे युवा प्रदर्शनकारियों ने सोमवार को संसद मार्च निकाला। दिल्ली पुलिस ने मार्च की इजाजत नहीं लेने का हवाला देते हुए प्रदर्शनकारियों को रोकने की कोशिश की और लाठीचार्ज किया। इसके बाद भी जब वे नहीं रुके तो पुलिस ने आंसू गैसे के गोले छोड़कर भीड़ को तितर-बितर करने की कोशिश की। इस बीच सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने खुद की खराब सेहत के बावजूद प्रशासन से खुद को अस्पताल से डिस्चार्ज किए जाने और प्रदर्शन में जाने देने की मांग की। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) का आंदोलन

मूल रूप से एक व्यंग्य और मजाक से शुरू हुआ था। आंदोलन की शुरुआत तब हुई, जब भारत के चीफ जस्टिस (सीजेआई) ने सरकार के आलोचकों और बेरोजगार युवाओं की तुलना कॉकरोच और परजीवी से कर दी थी। इसके बाद बॉस्टन यूनिवर्सिटी के पूर्व छात्र अभिजीत दीपके ने एक्स पर पूछा, "क्या होगा अगर सभी कॉकरोच एक साथ आ जाएं?" इसके तुरंत बाद दीपके ने लोगों को जोड़ने एक वेबसाइट बनाई और उनके इंस्टाग्राम पेज पर लाखों फॉलोअर्स जुड़ गए। देखते ही देखते फॉलोअर्स की संख्या देश की सबसे बड़ी पार्टियों भाजपा और कांग्रेस से भी ज्यादा हो गई। तब सीजेपी ने अपने पेज पर कई मांगें रखीं थीं। इनमें बेरोजगारी, शिक्षा व्यवस्था, नेताओं के लगातार दल-बदल और अन्य मुद्दों को जोर-शोर से उठाया गया। इस वायरल इंटरनेट अभियान को जमीनी स्तर के आंदोलन में बदलने दीपके पिछले महीने अमेरिका से नई दिल्ली आए। इसके बाद सीजेपी का आंदोलन शुरू हुआ। इस प्रदर्शन को जोर तब मिला, जब हाल ही में हुए परीक्षा पेपर लीक, तकनीकी खामियों और रद्द हुई परीक्षाओं के विरोध और मौजूदा व्यवस्था के खिलाफ धीरे-धीरे युवा इससे जुड़ने लगे। इसके बाद सीजेपी और दीपके ने नीट पेपर लीक को लेकर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को बर्खास्त करने की मांग की। पार्टी को शुरुआत में युवाओं का बहुत ज्यादा समर्थन नहीं मिला, लेकिन 20 जून को सीजेपी ने जंतर-मंतर पर समर्थकों के साथ प्रदर्शन के लिए दिल्ली पुलिस से इजाजत मांगी। इजाजत मिल गई और बड़ी संख्या में इससे युवा जुड़ने लगे। प्रदर्शन शांतिपूर्ण तरीके से हुआ। छात्र हाथों में पोस्टर और थाली चम्मच लेकर शिक्षा व्यवस्था में जवाबदेही की मांग करते नजर आए। शाम को निर्धारित अनुमति अवधि समाप्त होने के बाद पुलिस ने प्रदर्शन खत्म करने को कहा, लेकिन अभिजीत दीपके ने साफ कर दिया कि शिक्षा मंत्री के इस्तीफे तक धरना जारी रहेगा। संसद मार्च की पहली घोषणा 8 जुलाई को सोनम वांगचुक ने अनशन के दौरान की थी।

फुटबॉल की जुनूनी दुनिया

अब स्पेन की सल्तनत...!!

शाहिद ए. चौधरी

"नब्बे मिनट में दोनों में से कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी थी। हालांकि स्पेन ने दर्जनों अवसर बनाए गेंद को गोल में डालने के लिए, लेकिन अर्जेंटीना के गोलकीपर एमी मार्टिनेज ने फाइनल में रिकॉर्ड 11 बार सफल बचाव किया, जबकि लियोनल मेसी व उनके लड़कों को कोशिश करने का भी अवसर नहीं मिला, जिससे गेम पर ला रोजा की पकड़ का अंदाजा लगाया जा सकता है। बहरहाल, एक्स्ट्रा-टाइम के दूसरे हाफ में 39 सेकंड भी न बीते थे यानी 106वें मिनट में पेड्रो पोर्रो ने लेफ्ट से आउट-स्विंगिंग क्रॉस बैक पोस्ट की तरफ मारा, निको विलियम्स गेंद को हेड करके वापस स्पेस में डालने में कामयाब रहे और फेरन टोर्रेस ने हाफ-वॉली को जाल में डाल दिया। डाइव लगाते हुए मार्टिनेज देखते रह गए। प्रतियोगिता में पेड्रो का यह एकमात्र गोल था और यही निर्णायक साबित हुआ, जोकि गोल करने का 20वां प्रयास था।"

टोर्रेस का यह विजयी गोल 19 जुलाई 2026 को ठीक 16 वर्ष 8 दिन बाद आया था, जब एंड्रेस इनस्टा ने नीदरलैंड्स के खिलाफ एक्स्ट्रा-टाइम में गोल करके 2010 में स्पेन को पहली बार विश्व चैंपियन बनाया था। स्पेन की दूसरी खिताबी विश्व कप जीत भी 1-0 के अंतर से ही आयी। मैच के बाद टोर्रेस ने अपने गोल के बारे में कहा, "सच कहूं तो मैंने ज्यादा कुछ सोचा नहीं। मैंने गेंद को अपनी तरफ आते हुए देखा और मैंने सभी स्पेनी लोगों की पॉवर से शॉट लगा दिया।"

गर्मी व तेज धूप की वजह से पिच की घास सूख गई थी, जिसकी वजह से गेम में गति नहीं आ पाई और कलात्मक ड्रिबल करना भी कठिन रहा। लेकिन इसके बावजूद स्पेन का गेंद पर कब्जा 65 प्रतिशत रहा और अर्जेंटीना को अपने बेहतर प्रतिद्वंदियों के सामने गेंद अपने पास रखने में कड़ा संघर्ष करना पड़ा, जो असफल अधिक रहा। यह बात उस समय भी सही थी, जब दोनों तरफ से 11-11 खिलाड़ी मैदान में थे और ज्यादा मुश्किल उस समय हो गई, जब अर्जेंटीना के 10 ही खिलाड़ी रह गये थे; क्योंकि एंजो फर्नांडज ने दूसरी बार फाउल किया और रेफरी के पास कोई विकल्प न था कि उन्हें बेंच पर बैठा दिया जाए। यह सामान्य समय के अंत से जरा पहले की बात है। स्पेन एकमात्र देश है जिसने दो बार यह कमाल किया कि यूरोपीय चैंपियनशिप जीतने के बाद फिर विश्व कप भी जीता। उसने यह कारनामा पहले 2008-2010 में किया और अब 2024-2026 में किया है। स्पेन पहला विश्व कप चैंपियन है, जिसने पूरी प्रतियोगिता में सिर्फ एक गोल खाया, इसलिए उसके गोलकीपर उनै साइमन को गोल्डन ग्लव से सम्मानित किया गया। गौरतलब है कि गोल्डन बॉल स्पेन के रोड्रि को मिली। बेस्ट यंग प्लेयर भी स्पेन के पाव कबरसी रहे और फेयर प्ले अवार्ड नीदरलैंड्स को मिला। तीन प्रमुख प्रतियोगिताएं- कोपा अमेरिकास (2021 व 2024) और विश्व कप 2024 लगातार जीतने के बाद मेसी की अर्जेंटीना चौथे फ्रंटियर पर नाकाम हो गई, विशेषकर इसलिए कि आठ बार बैलोन डी'ओर जीतने वाले 39-वर्षीय मेसी,

जिन्होंने इस प्रतियोगिता में 8 गोल व 4 असिस्टस का श्रेय प्राप्त किया, को फाइनल में बामुश्किल ही गेंद को स्पर्श करने का अवसर मिला; क्योंकि स्पेन का दबदबा ही कुछ ऐसा था। पूरे फाइनल में मेसी कभी भी ऐसे नहीं लगे कि वह अर्जेंटीना का खिताब बरकरार रखने में कामयाब हो जायेंगे। हालांकि वह एकमात्र खिलाड़ी हैं जिन्होंने अपने देश की कप्तानी लगातार तीन विश्व कप में की है, लेकिन फाइनल में वह वैसे प्रभावी खिलाड़ी नजर नहीं आए जैसे पहले दो विश्व कप और इस तीसरे विश्व कप के फाइनल से पहले थे। स्पेन ने अपने गेंद पर कब्जा रखने वाले खेल से उतना ही बेबस कर दिया जितना उसने सेमीफाइनल में फ्रांस के काय्लिन एम्बापे को किया था। प्रतियोगिता में 10 गोल व 4 अस्सिट्स के साथ एम्बापे ने मेसी को पछाड़ते हुए गोल्डन बूट अपने नाम किया। एम्बापे ने 2022 में भी गोल्डन बूट जीता था। एम्बापे विश्व के एकमात्र खिलाड़ी हैं, जिन्होंने लगातार दो बार गोल्डन बूट जीता है। ब्राजील ने 1958 व 1962 में लगातार दो विश्व कप जीते थे। तब से कोई टीम ऐसी सफलता नहीं पा सकी है। अर्जेंटीना के लिए इस दोहराने का अवसर था, लेकिन स्पेन ने उसके इरादों को नाकाम कर दिया। फाइनल के बाद मेसी भावुक हो गए, उनकी आंखों से आंसू भी छलके, शायद इसलिए भी कि विश्व कप में यह उनका अंतिम मैच था।

इस जीत ने स्पेन के कोच लुई डे ला फुएंते को यह श्रेय प्राप्त हुआ कि उन्होंने सबसे अधिक आयु में अपनी टीम को विश्व कप खिताब दिलाया। वह 65 बरस के हैं। उन्होंने कहा, "हम विश्व चैंपियन हैं और सब मिलकर इस मंच पर पहुंचें हैं।" लेकिन अंतिम सीटी बजने के बाद खिलाड़ियों के बीच कुछ धक्कामुक्की भी देखने को मिली, जिसे जल्द नियंत्रित कर लिया गया। स्पेन जब जश्न मना रहा था तो अर्जेंटीना के अधिकतर खिलाड़ी अविश्वास में टर्फ पर बैठे हुए थे। आखिरकार समझदारी से काम लिया गया और स्पेन के खिलाड़ी ऑनर गार्ड में खड़े हो गये जब अर्जेंटीना का दल स्टेज पर रनर-अप मैडल लेने के लिए जा रहा था। अर्जेंटीना के कोच लियोनल स्कैलोनी ने स्वीकार किया कि स्पेन बेहतर टीम थी। बहरहाल, फीफा 2026 विश्व कप का फाइनल दो राजनीतिक विचारधाराओं के बीच भी था। एक तरफ स्पेनी सरकार के वामपंथी आदर्श थे तो दूसरी तरफ तरफ अर्जेंटीना का अति दक्षिणपंथी नजरिया। यह टकराव सिर्फ मैदान पर ही न था बल्कि मैदान के बाहर भी था कि स्पेनी समर्थक स्टैंड में फिलिस्तीन का झंडा लिए हुए थे। लेकिन इससे भी दिलचस्प मुकाबला अनुभव व यूथ का था। जहां 39 वर्षीय मेसी अपना छठा विश्व कप खेल रहे थे, वहीं 19 वर्षीय लमिने यमाल अपना पहला विश्व कप खेल रहे थे। दोनों खिलाड़ियों की आयु में 20 साल का अंतर था, जिसे अधिक दिलचस्प एक बीस साल पुराने फोटो ने भी बनाया, जिसमें मेसी शिशु यमाल को अपनी गोद में लिए हुए हैं। मेसी के अनुसार वह पहला अवसर था जब उन्होंने किसी बच्चे को अपनी गोद में लिया था और अब 20 साल बाद वह दोनों मैदान में आमने सामने थे। हालांकि इस विश्व कप में टेक्नोलॉजी, राजनीतिक हस्तक्षेप, हाइड्रेशन ब्रेक, फाइनल का देर से शुरू होना व अधिकतम 15 मिनट की बजाय 27 मिनट का हाफ-टाइम ब्रेक काफी विवाद भी रहा।

इमेज

श्रीरामचरितमानस

देखे जहं जहं रघुपति जेते।
सक्तिन्ह सहित सकल सुर तेते॥
जीव चराचर जो संसारा।
देखे सकल अनेक प्रकारा॥1॥

भावार्थ : सतीजी ने जहां-जहां जितने रघुनाथजी देखे, शक्तियों सहित वहां उतने ही सारे देवताओं को भी देखा। संसार में जो चराचर जीव हैं, वे भी अनेक प्रकार के सब देखे॥

फन विद फिजिक्स

कॉटन बॉल लांचर बनाएं

निकहत कुंवर

बच्चो! क्या आपने कभी रबर बैंड को खींचकर किसी की तरफ फेंका है? इसमें दो प्रकार की ऊर्जाएं प्रयोग में आ जाती हैं- पोटेंशियल व काइनेटिक और साथ ही ऊर्जा का संरक्षण भी होता है। आज मैं आपको बताती हूं कि इस ऊर्जा का अच्छा इस्तेमाल करके आप रबर बैंड संचालित कॉटन बॉल लांचर कैसे बना सकते हैं।

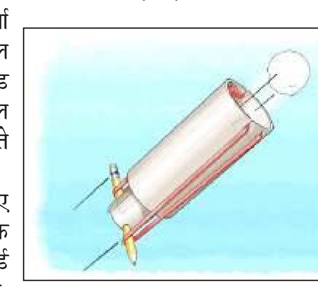

इस प्रयोग के लिए हमें चाहिए होगी एक पेंसिल, 2 कार्ड बोर्ड ट्यूब, पैकिंग टेप, कैंची, कॉटन बॉल्स और सिंगल होल पंच (एक छेद करने वाला औज़ार)।

सबसे पहले कैंची से एक कार्ड बोर्ड ट्यूब को लंबाई में बीच में से काट देना है। इस कटी हुई ट्यूब को दबाकर पतला कर लें कि वह मूल ट्यूब की मोटाई का आधा हो जाए और फिर उसे अपनी जगह पर बने रहने के लिए टेप कर दें। अब इस ट्यूब में होल पंच से दो छेद करें। दोनों छेद एक दूसरे के सामने होने चाहिये और सिरे से आधे इंच के फासले पर होने चाहिए। इन छेदों में पेंसिल घुस जानी चाहिए। इसके बाद आपको ध्यानपूर्वक पेंसिल को इन छेदों में पार करके वहीं रखना है। दूसरी ट्यूब के एक सिरे में दो स्लिट काट दें यानी कट लगा दें, जो एक इंच लम्बे हों और आधा इंच के फासले पर हों। इसी ट्यूब पर उसी सिरे पर ऐसे ही दो कट और लगाने हैं, जोकि पहले दो कट के सामने हों। ध्यानपूर्वक एक रबर बैंड एक तरफ के कटों में फंसाकर ऐसे छोड़ें कि वह कार्ड बोर्ड के बीच में लटक रहा हो। कटों पर टेप लगा दें, मजबूती के लिए। दूसरे रबर बैंड को भी ट्यूब के दूसरे कटों में फंसाकर लूप बना दें। जब यह काम खत्म हो जाये तो सुनिश्चित करें कि ट्यूब के दोनों तरफ रबर बैंड लटके हुए हैं। रबर बैंड वाली ट्यूब को पकड़कर दूसरी ट्यूब को उसके दूसरे सिरे से अंदर घुसा दें कि एक तरफ रबर बैंड हों और दूसरी तरफ पेंसिल दिखाई दे। ध्यानपूर्वक हर रबर बैंड को पेंसिल के ऊपर चढ़ा दें। अपने लांचर को इस तरह से पकड़ें कि पेंसिल नीचे की तरफ हो। ऊपर कॉटन बॉल रख दें, इस तरह से कि वह पतली ट्यूब के अंदर हो। लांचर को इस तरह पकडें कि कॉटन बॉल गिरे नहीं। अब पेंसिल को इतना खींचें कि अंदर की ट्यूब पीछे दो इंच खिंच जाये। पेंसिल को छोड़ दें और कॉटन बॉल को उड़ता हुआ देखें।

तिथि विशेष

राष्ट्रीय जंक फूड दिवस

हर वर्ष 21 जुलाई को राष्ट्रीय जंक फूड दिवस मनाया जाता है। यह दिन लोगों को अपने पसंदीदा फास्ट फूड का स्वाद लेने का अवसर देता है, लेकिन साथ ही यह संतुलित आहार और स्वस्थ जीवनशैली के महत्व

की भी याद दिलाता है। आज के समय में पिज्जा, बर्गर, फ्रेंच फ्राइज, चिप्स, नूडल्स, कोल्ड ड्रिंक और अन्य प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थ युवाओं और बच्चों के बीच बेहद लोकप्रिय हैं। स्वाद और सुविधा के कारण इनका सेवन लगातार बढ़ रहा है, लेकिन इनका अत्यधिक सेवन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक साबित हो सकता है। जंक फूड ऐसे खाद्य पदार्थ होते हैं जिनमें कैलोरी, चीनी, नमक और अस्वास्थ्यकर वसा की मात्रा अधिक होती है, जबकि विटामिन, खनिज, फाइबर और अन्य आवश्यक पोषक तत्वों की कमी होती है। नियमित रूप से इनका अधिक सेवन मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, पाचन संबंधी समस्याओं और कई अन्य गंभीर बीमारियों का कारण बन सकता है। विशेष रूप से बच्चों में जंक फूड की बढ़ती आदत उनके शारीरिक और मानसिक विकास पर भी नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है। राष्ट्रीय जंक फूड दिवस का उद्देश्य केवल जंक फूड का प्रचार करना नहीं है, बल्कि लोगों को यह समझाना भी है कि स्वाद और स्वास्थ्य के बीच संतुलन बनाए रखना कितना आवश्यक है। कभी-कभार सीमित मात्रा में जंक फूड खाना सामान्य बात है, लेकिन इसे दैनिक भोजन का हिस्सा बनाना उचित नहीं है। यदि घर पर ताज़ी और पौष्टिक सामग्री से बर्गर, सैंडविच, पिज्जा या अन्य व्यंजन तैयार किए जाएं, तो उन्हें अपेक्षाकृत अधिक स्वास्थ्यवर्धक बनाया जा सकता है। स्वस्थ जीवन के लिए संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, पर्याप्त पानी का सेवन और ताजे फल-सब्जियों को भोजन में शामिल करना आवश्यक है।

मूढ़ता का मनोविज्ञान

फूलइ फरइ न बेंत

शीतला प्रसाद दुबे
(निवर्तमान कार्याध्यक्ष, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी)

भारतीय शास्त्रों में गुरु को ईश्वर से भी बड़ा स्थान दिया गया है। अनेक स्थान पर गुरू की वंदना करते हुए उनके महत्व को प्रतिपादित किया गया है। गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णु गुरुर्देवो महेश्वर:, गुरुर्साक्षात् पर ब्रह्म तस्मै श्री गुरुवे नमः। अर्थात गुरू को परम ब्रह्म की उपाधि दी गई है। गुरू की कृपा से कैसा भी व्यक्ति हो उसके ज्ञान -गवाक्ष खुल जाते हैं। गुरू ही वह शक्ति है जो मनुष्य का ब्रह्म से साक्षात्कार करता है। इसके बाद भी अनेक ऐसे दृष्टांत मिलते हैं, जहां यह कहा गया है कि प्रत्येक व्यक्ति, वस्तु और स्थान का एक स्वभाव होता है। वह किसी भी स्थिति में अपने स्वभाव को छोड़ता नहीं है। इसी स्वभाव को रेखांकित करते हुए गोस्वामी तुलसीदास जी ने दोहावली में एक सोरठा लिखा है-

फूलइ फरइ न बेंत, जदपि सुधा बरषहिं जलद,
मूरख हृदय न चेत, जौं गुरु मिलहिं बिरंचि सम।

उनके अनुसार जिस तरह बादलों की अमृत- वर्षा के बावजूद बेंत में फूल और फल नहीं लग सकते, ठीक उसी तरह ब्रह्म भी गुरू के रूप में उपस्थित होकर ज्ञान प्रदान करने का प्रयास करे तो भी मूर्ख लोगों के हृदय पर कोई असर नहीं पड़ता। सच ही है कि जिसका जो स्वभाव है, वह अपने स्वभाव के अनुसार ही आचरण करता है। बेंत में फल -फूल नहीं लगता, तो नहीं लगता । मूढ़ व्यक्ति को , जो कुछ समझना ही नहीं चाहता, उसे स्वयं ईश्वर भी आकर यदि कुछ समझाना चाहे तो वह नहीं समझेगा। किसी के संस्कार और स्वभाव को बदलना मुश्किल कार्य है।

गोस्वामी जी कहते हैं ऐसे लोगों को अपनी ही बुद्धि से प्रीति होती है, नासमझी और विचार- विहीनता को ये अपनी खीझ का कारण मानते हैं। विद्वानों का उपदेश न मानने वाले ऐसे लोग मोह के समुद्र में तैरती मछली की तरह होते हैं। ऐसे व्यक्ति, अभिमान के कारण उचित-अनुचित को समझे बिना कुछ भी कहने से चूकते नहीं हैं। इन्हें लगता है कि पूरी दुनिया मूर्ख है,केवल ये ही एक बुद्धिमान हैं। गोस्वामी जी के अनुसार ये लोग उस अर्जुन की तरह होते हैं, जो अपने सम्मान की रक्षा नहीं कर पाते, लेकिन सेतुबंध को देखकर अभिमान पूर्वक कहते हैं कि श्रीराम ने सेतु के लिए इतनी मेहनत क्यों की? मैं तो एक बाण से सेतु निर्माण कर देता। ऐसे दंभियों को कौन समझा सकता है?

तुलसीदास जी कहते हैं कि ऐसे लोगों से पतंग की तरह व्यवहार करना चाहिए। बिना जोर से खींचे पतंग ऊपर की ओर नहीं जाती। अर्थात् ऐसे अभिमानी और कृतघ्नी लोगों से सचेत होने की आवश्यकता है।

नीच गुड़ी ज्यों जानिबो सुनि लखि तुलसीदास।
ढीलि दिएं गिरि परत महि खैंचत चढ़त अकास।।

गोस्वामी जी ने अपने अनुभवों के आधार पर कहा है कि दुष्ट प्रकृति के लोगों का उपकार करने का फल अच्छा नहीं होता। सत्योपाख्यान में मेंढक, बंदर, वणिक् और बगुले के दृष्टांत इसके सटीक उदाहरण हैं।

1- एक मेंढक ने विरोधियों के नाश के लिए सांप को न्योता दिया। परिणाम यह हुआ कि वह सबको खा गया। मेंढक ने भागकर जान बचाई।

2-बंदर और मगर की मित्रता, मगर की बंदर का दिल खाने की इच्छा प्रकट करना, बंदर का किसी तरह भागकर जान बचाना, कौन नहीं जानता?

3-एक वणिक् और राजा की मित्रता थी। मंत्रसिद्धि के लिए वणिक ने राजा को अपनी पत्नी दे दी। राजा के पापाचार से वणिक को बहुत अफसोस हुआ।

4-एक बगुले ने लालची आदमी को खजाने का रहस्य बताया। लालची आदमी ने खजाना और बगुला, दोनों को हजम कर लिया। दोहा इस प्रकार है -

खल उपकार बिकार फल तुलसी जान जहान।
मेंढुक मर्कट बनिक बक कथा सत्य उपखान।।

गोस्वामी जी ने दोहावली में नीच प्रकृति के लोगों के व्यवहार को स्पष्ट करने के लिए अनेक दृष्टांतों को आधार बनाया है। वे कहते हैं कि अपनों की आत्मीयता से दुष्ट प्रकृति के लोगों की अवर्णनीय स्थिति हो जाती है। उनका व्यवहार वैसा ही हो जाता है, जिस प्रकार सूर्य का रुख अपनी ओर देखकर दर्पण तथा स्फटिक आग उगलने लगते हैं।आशय यह कि निकृष्ट लोग आत्मीयता को कमजोरी समझकर स्वयं की शक्ति दिखाने लगते हैं।

समझने की बात यह है कि जब गोस्वामी तुलसीदास जी के समय ऐसे लोग थे, तो आज के समय का क्या कहना?

इस तरह गोस्वामी तुलसीदास जी ने मूर्ख और कपट पूर्ण आचरण करने वाले लोगों से सावधान रहने की सलाह दी है।

वायरल

शिकार खाते समय मगरमच्छ क्यों बहाता आंसू?

क्या आपने कभी किसी को यह कहते सुना है कि "मगरमच्छ अपने शिकार को खाते समय रोता है"? इसी धारणा से अंग्रेजी का मशहूर मुहावरा Crocodile Tears यानी झूठे आंसू पॉपुलर हुआ। सालों से लोग मानते आए हैं कि मगरमच्छ अपने शिकार

को मारने के बाद पछतावे या दुख में रोता है। लेकिन असलियत इससे बिल्कुल अलग है। वैज्ञानिकों के अनुसार मगरमच्छ का रोना भावनाओं से नहीं, बल्कि उसके शरीर की एक प्राकृतिक प्रक्रिया से जुड़ा होता है। दरअसल, मगरमच्छ इंसानों की तरह भावनात्मक कारणों से आंसू नहीं बहाता। जब वह अपने बड़े शिकार को निगलता है, तब उसके जबड़ों की मांसपेशियों पर काफी दबाव पड़ता है। यही दबाव उसकी आंखों के आसपास मौजूद विशेष ग्रंथियों पर असर डालता है, जिससे वहां से तरल पदार्थ बाहर निकलने लगता है। देखने में यह बिल्कुल ऐसा लगता है जैसे मगरमच्छ रो रहा हो, जबकि इसका दुख या पछतावे से कोई लेना-देना नहीं होता।

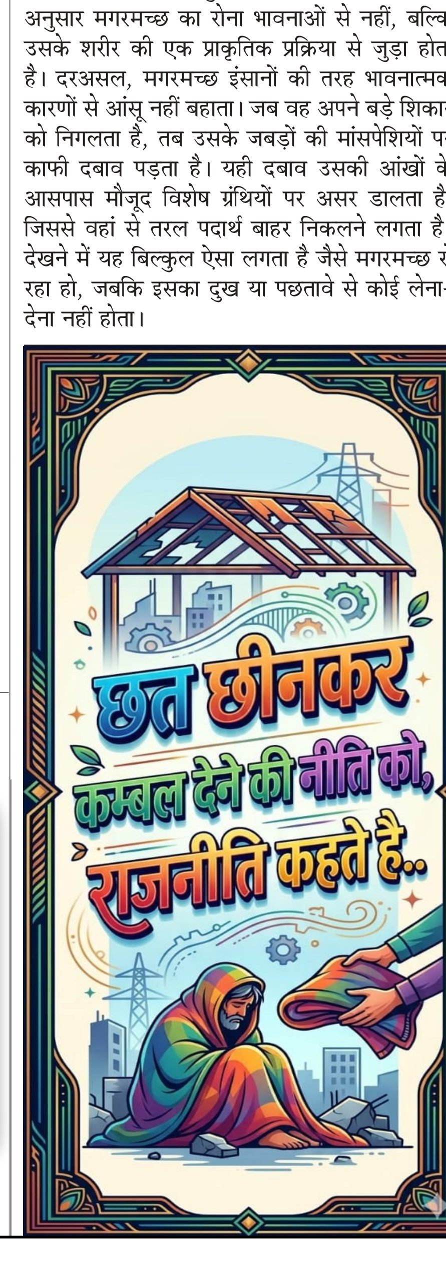

X का एक्सरे

हम सब चर्चा की मांग कर रहे हैं। शिक्षा नीति में कई समस्याएं और बड़े मुद्दे हैं। फिर भी, आप इस पर चर्चा करने को तैयार नहीं हैं। इसके बजाय, आप छात्रों पर आंसू गैस का इस्तेमाल कर रहे हैं और उनकी पिटाई कर रहे हैं। किसलिए? वे हमारे बच्चे हैं।

प्रियंका गांधी वाड्रा

विपक्ष सदन में जनता की आवाज बनकर सरकार से हर मोर्चे पर जवाबदेही मांगेगा। जनता के हक, उनकी आवाज और विश्वास की लड़ाई पूरी ताकत से लड़ी जाएगी। मंदिर निर्माण के लिए करोड़ों श्रद्धालुओं ने अपनी कमाई अर्पित की थी। श्रद्धालुओं को न्याय मिलना चाहिए।

मल्लिकार्जुन खरगे

मेरा काम बल्ले से प्रदर्शन करना है। मैदान पर आना, खेलना और अपने देश का प्रतिनिधित्व करना ही मेरा लक्ष्य है। जब से मैंने डेब्यू किया है, मुझे यही करने को कहा गया है और मैं आगे भी यही करता रहूंगा। मेरा पूरा ध्यान टीम की सफलता में योगदान देने पर है।

रोहित शर्मा

पश्चिम बंगाल सरकार एक सितंबर से अपने सभी आधिकारिक कामकाज बंगाली भाषा में करेगी। एक सितंबर से हर स्तर पर बंगाली भाषा का उपयोग अनिवार्य होगा। केंद्र सरकार और अन्य राज्यों के साथ होने वाले पत्राचार में बंगाली भाषा का इस्तेमाल किया जाएगा।

शुभेंदु अधिकारी

विकसित भारत- जी राम जी की एकदिवसीय कार्यशाला संपन्न

जागरण मोर्चा कार्यालय

खटीमा। विकसित भारत गारंटी फार रोजगार योजना एवं आजीविका मिशन ग्रामीण की आयोजित ब्लॉक स्तरीय कार्यशाला में ग्रामीण जनप्रतिनिधियों से अनेक बिंदुओं पर चर्चा की। कार्यशाला में मास्टर ट्रेनर डीपीआरओ अमित मेहरा एवं खंड विकास अधिकारी संजय कुमार गांधी ने विंदुवार जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाई गई समस्याओं पर चर्चा की और उनका समाधान किया।

ब्लॉक सभागार में आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में विकसित भारत जी राम जी रोजगार फार गारंटी के लिए विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हुई। कार्यशाला में बिना रोजगार की गारंटी के कार्य से बचने की सलाह दी गई। जी राम जी रोजगार गारंटी के तहत कार्य उन्हीं ग्राम सभाओं में संभव बताया गया जहां पहले 20 व उससे अधिक कार्य संपन्न हुए हैं और उनका भुगतान लंबित है। वहां नए कार्यों की संभावना से इंकार किया गया। जी राम जी गारंटी फार रोजगार वहीं संभव बताया गया जहां पहले 20 से कम कार्य हुए हैं और भुगतान भी लंबित न हो।

कार्यशाला में जी राम जी रोजगार फार गारंटी का भरपूर लाभ जरूरतमंदों को देने की व्यवस्था सुनिश्चित की गई। सहमत बनी है कि रोजगार पाने के बाद लाभार्थी को भुगतान के लिए चक्कर न लगाने पड़े। कार्यशाला में क्षेत्रीय ग्राम विकास अधिकारी, क्षेत्रीय विभागों के कर्मचारी, ग्राम प्रधान, बीडीसी सदस्य एवं मनरेगा स्टाफ मौजूद रहा। कार्यशाला के समापन अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर कमलेश थापा, दीपक मेहरा, संजय कुमार, तेज सिंह मेहर, मंजू , महेंद्र पाल, राजेश कुमार, माया जोशी, मनजीत सिंह राणा, सुरेश सिंह राणा, सुबोध कुमार, राजेश कुमार, चंद्रकला, निशांत आदि मौजूद थे।

नानकमत्ता विधायक गोपाल सिंह राणा ने जन समस्याएं सुनी

जागरण मोर्चा कार्यालय

खटीमा। कंग्रेस पार्टी सत्ता में आई तो उमरु खुर्द गांव को ग्राम सभा घोषित किया जाएगा। विधायक गोपाल सिंह राणा ने नगर पालिका सीमा वृद्धि के समय नगर में सम्मिलित होने से वंचित रहे तत्कालीन राजस्व ग्राम उमरु खुर्द के ग्रामीण वर्तमान में त्रिशंकु बनाकर अधर में लटके पड़े हैं। लगभग डेढ़ हजार आबादी वाले भू-भाग के ग्रामीण न तो नगर पालिका सीमा में सम्मिलित हो सके और नहीं उन्हें किसी अन्य ग्राम पंचायत से जोड़ा गया। ग्रामीण वर्तमान में शासकीय सुविधाओं से वंचित चल रहे हैं। उन्हें जरूरत के अनुरूप प्रमाण पत्र आदि जरूरी कागजातों से भी बंचित रहना पड़ रहा है। नानकमत्ता के विधायक गोपाल सिंह राणा नामकमता विधानसभा

उमरु खुर्द गांव में ग्रामीणों की बैठक लेते विधायक- गोपाल सिंह राणा

क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले उमरुखुर्द गांव को प्रदेश में कंग्रेस सरकार बनने पर अलग ग्राम सभा बनाने की घोषणा की। विधायक राणा अपने जनसंपर्क एवं समस्या समाधान हेतु यहां पहुंचे थे । उन्होंने कहा कि नगर पालिका को पूरी ग्राम सभा नगर सीमा से जोड़नी चाहिए थी। उन्होंने यहां आयोजित बैठक में घोषणा की कि प्रदेश में सरकार बनने पर उमरु खुर्द ग्राम पंचायत बनाया जाएगा। इस दौरान शेर सिंह राणा, विवेक राना, वीरेंद्र राणा, सावित्री देवी, राकेश राणा, मुकेश राणा आदि लोग मौजूद थे।

स्वतंत्रता सेनानी नाम से नामांतरण कर 20,000 प्रतिमाह पेंशन की मांग

जागरण मोर्चा कार्यालय खटीमा

खटीमा। उत्तराखंड राज्य निर्माण सेनानियों ने प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को पांच सूत्रीय मांग पत्र भेजकर उचित कार्रवाई कराने की मांग की है। ज्ञापन में पूर्व में मानी गई कुछ मांगों के प्रति सीएम धामी का आभार व्यक्त करते करते हुए चिन्हीकरण कार्रवाई से वंचित राज्य आंदोलनकारियों को भी उत्तराखंड राज्य निर्माण सेनानी घोषित करने की मांग की है। उपजिला अधिकारी तुषार सैनी के माध्यम से सीएम धामी को भेजे गए ज्ञापन में राज्य निर्माण सेनानियों को लोकतंत्र सेनानियों की तर्ज पर नामांतरण कर ?20,000 प्रतिमाह पेंशन देने व राज्य निर्माण सेनानी नाम से नामांतरण करने, वंचित चिन्हित अचिंहित राज्य निर्माण सेनानियों को अति शीघ्र चिन्हित कर परिचय पत्र जारी करने की मांग की है। ज्ञापन में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की तर्ज पर सरकारी गेस्ट हाउस में ठहरने की व्यवस्था, विद्युत व जलकर, गृह कर, टोल टैक्स पूर्ण रूप से माफ कराने की मांग की है। ज्ञापन में केंद्रीय अध्यक्ष शिव शंकर भाटिया, महेश कुमार जोशी, विक्रम धामी, दिनेश मर्तोलिया, जीवन चंद्र भट्ट, दुर्गा सिंह सामंत, अली अहमद आढती, आदेश भटनागर, बदर सिद्दीकी, चंचल सिंह खड़का आदि के हस्ताक्षर हैं ।

संक्षेप

धर्मांतरण के प्रति जागरूकता अभियान व धर्मांतरण के मामले की जांचकर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई हो

दैनिक मोर्चा कार्यालय

खटीमा। अनुसूचित जाति एवं जनजाति के लोगों ने प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को ज्ञापन भेज कर कथित अवैध धर्मांतरण की शिकायतों की निष्पक्ष जांच कराने एवं दोषियों के विरुद्ध विधि कार्रवाई की मांग की है ।उन्होंने आरोप लगाया है कि क्षेत्र के कुछ ग्रामीण क्षेत्र में अनुसूचित जाति पिछड़ा वर्ग एवं थारू जनजाति के लोगों का कुछ लोग धर्मांतरण करा रहे हैं ।जिसके तहत मामले की जांच कर कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। उप जिलाधिकारी तुषार सैनी के माध्यम से सीएम धामी को भेजे ज्ञापन में थारू जनजाति के लोगों ने मांग की है कि अवैध धर्मांतरण के मामले की उच्च स्तरीय जांच की जाए। ताकि पता चल सके की धर्मांतरण के मामले में लालच दिया जा रहा है अथवा बलपूर्वक यह कार्रवाई कराई जा रही है। ज्ञापन में धर्मांतरण के मामले में जिला प्रशासन को सत्य निर्देश जारी कर जांच उपरांत दोषी पाए जाने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही के लिए निर्देशित करने की मांग की है। जापान देने वालों में प्रकाश आर्य, जीवन सिंह धामी, राम सजीवन, जीवन, अशोक, जगदीश गिरी, जीवन, रमेश, विनोद कुमार, जंग बहादुर, रमाकांत, गौरव प्रसाद , नंदलाल, दयाशंकर, प्रदीप, रमाशंकर ,आदि के नाम हैं।

आत्महत्या के लिए उकसाने वाले आरोपी को पुलिस ने भेजा जेल

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले मे राठ कोतवाली पुलिस ने आत्महत्या के लिए उकसाने एवं मारपीट के आरोपित को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

कोतवाल अनूप कुमार सिंह ने मंगलवार को बताया कि बहपुर गांव निवासी खलक सिंह ने रविवार को लिखित तहरीर देकर आरोप लगाया था कि उसका पुत्र आनंद कुशवाहा गांव की नाली के पास लघुशंका कर रहा था। इसी दौरान गांव के रविन्द्र ने उसके साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की। परिजनों का आरोप था कि घटना से आहत होकर आनंद ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपित रविन्द्र के खिलाफ आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरित करने एवं अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था। एसआई सत्यप्रकाश शर्मा ने पुलिस टीम के साथ आरोपित को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

सुहेलदेव की विरासत नहीं, गाजी मियां का मेला पसंद था इसलिए विपक्ष की हुई दुर्गति

श्रावस्ती। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को प्रदेश के श्रावस्ती जिले में विपक्ष पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि महाराजा सुहेलदेव की परंपरा का सम्मान होना चाहिए, लेकिन पूर्ववर्ती सरकारों ने विदेशी आक्रांता सालार मसूद गाजी के नाम पर मेला शुरू कराया। हमारी सरकार आने के बाद मैंने स्पष्ट कह दिया कि विदेशी आक्रांता के नाम पर कोई मेला नहीं लगेगा। यदि कोई ऐसा करेगा तो उसके खिलाफ कार्रवाई होगी। यह स्वतंत्र भारत है और यहां विदेशी आक्रांताओं का सम्मान नहीं हो सकता। उन्होंने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें भगवान बुद्ध, जैन तीर्थंकरों, मां जानकी की परंपरा और महाराजा सुहेलदेव की विरासत अच्छी नहीं लगती, बल्कि वे गाजी मियां का मेला लगवाना चाहते थे, इसलिए उनकी ये दुर्गति हुई।

गुरुद्वारा श्री नानकमत्ता साहिब को मिला नया पूर्णकालिक प्रबंधक

जागरण मोर्चा कार्यालय

नानकमत्ता। गुरुद्वारा श्री नानकमत्ता साहिब की प्रबंधकीय व्यवस्था को अधिक सुदृढ़ एवं व्यवस्थित ढंग से संचालित करने के उद्देश्य से मंगलवार को गुरुद्वारा प्रबंध कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। कमेटी के अध्यक्ष जोगिंदर सिंह संधू की अध्यक्षता में हुई बैठक में सर्वसम्मति से प्रभारी प्रबंधक रंजीत सिंह ढिल्लों को गुरुद्वारा श्री नानकमत्ता साहिब का पूर्णकालिक प्रबंधक नियुक्त करने का निर्णय लिया गया। गौरतलब है कि गुरुद्वारा साहिब के पूर्व प्रबंधक रणजीत सिंह का गत 7 जुलाई को बीमारी के चलते निधन हो गया था। उनके निधन के बाद से रंजीत सिंह ढिल्लों प्रभारी प्रबंधक के रूप में व्यवस्थाओं का संचालन कर रहे थे। उनके कार्यों, अनुभव और समर्पण को देखते हुए प्रबंध कमेटी ने उन्हें औपचारिक रूप से गुरुद्वारा का पूर्णकालिक प्रबंधक नियुक्त कर दिया। रंजीत सिंह ढिल्लों वर्ष 2007 से गुरुद्वारा

प्रबंध कमेटी की सर्वसम्मति से रंजीत सिंह ढिल्लों की नियुक्ति, सिरोपा भेंट कर किया सम्मानित

श्री नानकमत्ता साहिब में विभिन्न जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे हैं। उन्होंने फार्म मैनेजर, लेखाधिकारी तथा दीपावली मेला प्रभारी जैसे महत्वपूर्ण पदों पर रहते हुए अपनी प्रशासनिक क्षमता और सेवा भावना का परिचय दिया है। लंबे अनुभव और कुशल कार्यशैली के आधार पर उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। नियुक्ति के बाद प्रबंध कमेटी के अध्यक्ष जोगिंदर सिंह संधू, महासचिव अमरजीत सिंह बोपाराए तथा सचिव हरभजन सिंह ने रंजीत सिंह ढिल्लों को गुरुघर का सिरोपा भेंट कर सम्मानित किया और नई जिम्मेदारी के सफल निर्वहन के लिए शुभकामनाएं दीं। बैठक में कमेटी के निदेशक गुरवंत सिंह सोनी, प्रकाश सिंह, सुखवंत सिंह पन्नू, हरभाग सिंह, प्रताप सिंह, गुरदयाल सिंह, कुलदीप सिंह पन्नू, जरनैल सिंह, सुखवंत सिंह भुल्लर और बलदेव सिंह चीमा सहित अनेक सदस्य एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। बैठक में गुरुद्वारा साहिब की व्यवस्थाओं को और अधिक प्रभावी बनाने तथा श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर भी चर्चा की गई।

समान वेतन व नियमितीकरण सहित 21 सूत्रीय मांगों को लेकर सफाई कर्मियों का प्रदर्शन

मांगे पूरी नहीं हुई तो सफाई कर्मचारी करेंगे उग्र आंदोलन- चेतावनी

जागरण मोर्चा कार्यालय

खटीमा। उत्तराखंड सफाई कर्मचारी संघ स्थानीय शाखा नगर पालिका परिषद ने 21 सूत्रीय मांगों को लेकर खटीमा पालिका परिसर पर प्रदर्शन किया और नगर पालिका प्रशासन के खिलाफ आंदोलन का ऐलान कर दिया है। संघ के पदाधिकारी ने चेतावनी दी है कि कर्मचारियों की लंबित मांगों का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो सफाई कर्मचारी चरणबद्ध तरीके से आंदोलन करेंगे । जिसका पूरा दायित्व पालिका प्रशासन का होगा। संघ के शाखा अध्यक्ष ग्रेस देवी और महामंत्री अनिल कुमार द्वारा जारी पत्र में कहा गया है कि नियमितीकरण, वेतन विसंगति, बकाया भुगतान और अन्य सुविधाओं से जुड़ी मांगों को लेकर कई बार शासन प्रशासन को ज्ञापन सौंपे गए, लेकिन अब तक कोई संतोष जनक कार्रवाई नहीं हुई। इससे पर्यावरण मित्रों में आक्रोश है। संघ ने पर्यावरण मित्रों का नियमितीकरण, आबादी के अनुपात में कर्मचारियों की तैनाती, समान कार्य के लिए समान वेतन, मृत कर्मचारियों के लंबित देयकों का भुगतान, पीएफ कटौती का निस्तारण, एसीपी एवं डीए एरियर का लाभ देने की मांग की है। साथ ही कर्मचारियों को वर्दी, सुरक्षा उपकरण, नियमित वेतन प्रमाण-पत्र, चिकित्सा सुविधा, साप्ताहिक अवकाश और ओवरटाइम का भुगतान सुनिश्चित करने की भी मांग उठाई है। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष संतोष गौरव और सफाई कर्मचारियों ने वरिष्ठ नागरिकों को फूलमाला एवं पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया। सभा को संबोधित करते हुए संतोष गौरव ने कहा कि यदि कर्मचारियों की मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं किया गया तो संगठन व्यापक जनआंदोलन शुरू करेगा। उन्होंने कहा कि मांगें पूरी होने तक सफाई कर्मचारी हड़ताल जारी रखेंगे।इस अवसर पर सफाई कर्मचारी यूनियन खटीमा इकाई की अध्यक्ष ग्रेस देवी, एडवोकेट डॉ इलियास सिद्दकी, जीत देवी, राखी, गिल्लो, अनिल कुमार, मदन, विनोद, रंजीत, राजा, अर्जुन,विक्की,राजु वाल्मिकी, और बड़ी संख्या में पर्यावरण मित्र तथा वरिष्ठ नागरिक मौजूद रहे।

राज्यपाल ने नशा मुक्त भारत अभियान को जन-आंदोलन बनाने का किया आह्वान

जागरण मोर्चा कार्यालय

लखनऊ । उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं राज्य विश्वविद्यालयों की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने मंगलवार को मां शाकुम्भरी विश्वविद्यालय, सहारनपुर के चौथे दीक्षांत समारोह को वर्चुअल माध्यम से संबोधित किया। इस दौरान राज्यपाल ने नशा मुक्त भारत अभियान को जन-आंदोलन बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि माई भारत पोर्टल के माध्यम से 16 जुलाई से व्यापक जनजागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। उन्होंने युवाओं से इस अभियान से जुड़ने तथा अपने परिवार एवं समाज को भी नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि नशे से सदैव दूर रहना चाहिए तथा घर-घर जाकर लोगों को भी इसके प्रति जागरूक किया जाना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों एवं युवाओं से अपने स्वास्थय का विशेष ध्यान रखने का आह्वान करते हुए नियमित योग, व्यायाम एवं संतुलित जीवनशैली अपनाने पर बल दिया। राज्यपाल ने कहा कि भारत आज सेमीकंडक्टर व क्वांटम प्रौद्योगिकी, रक्षा एवं एयरोस्पेस जैसे अत्याधुनिक क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने स्वदेशी तकनीक एवं अनुसंधान को प्रोत्साहित करने पर बल देते हुए कहा कि युवाओं को नवाचार एवं शोध के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में योगदान देना चाहिए।

एसएसबी का सीमावर्ती युवाओं के लिए 15 दिवसीय ड्राइविंग प्रशिक्षण शुरू

जागरण मोर्चा कार्यालय

सितारगंज। 57वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) सितारगंज द्वारा सीमावर्ती क्षेत्रों के युवाओं को रोजगारोन्मुखी कौशल से जोड़ने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से नागरिक कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत 15 दिवसीय व्यावसायिक मोटर कार ड्राइविंग प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। भारत-नेपाल सीमा पर स्थित समवाय धनुषपुल के ग्राम देवीपुरा में आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 20 ग्रामीण युवक-युवतियों को आधुनिक एवं व्यावसायिक ड्राइविंग का प्रशिक्षण दिया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ 57वीं वाहिनी के कमांडेंट श्री गंगा सिंह उदावत के निर्देशन में उप-कमांडेंट श्री दीपक सिंह जयाडा ने किया। उन्होंने

कहा कि वर्तमान समय में सुरक्षित एवं कुशल वाहन संचालन केवल रोजगार का माध्यम ही नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी भी है। प्रशिक्षित चालक सड़क दुर्घटनाओं को कम करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने प्रतिभागियों से प्रशिक्षण का पूरा लाभ उठाकर इसे अपने उज्ज्वल भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बनाने का आह्वान किया। प्रशिक्षण के दौरान उच्च गुणवत्ता वाले मास्टर ट्रेनर्स प्रतिभागियों को वाहन संचालन का सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण देंगे। इसके साथ ही यातायात नियमों का पालन, सड़क सुरक्षा के मानक, वाहन का नियमित रख-रखाव, आपातकालीन परिस्थितियों में सावधानियां तथा वाहन चलाते समय होने वाली सामान्य

20 युवक-युवतियों को मिलेगा व्यावसायिक मोटर कार ड्राइविंग का आधुनिक प्रशिक्षण

कमांडेंट गंगा सिंह उदावत के निर्देशन में देवीपुरा में प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

गलतियों से बचने के उपाय भी विस्तार से सिखाए जाएंगे।

प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रतिभागियों को दक्ष चालक बनाकर उनके लिए रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराना है। उप-कमांडेंट श्री दीपक सिंह जयाडा ने कहा कि सशस्त्र सीमा बल सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा के साथ-साथ सामाजिक विकास और नागरिकों के कल्याण के लिए भी लगातार कार्य कर रहा है। भविष्य में भी युवाओं और महिलाओं के कौशल विकास तथा स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे। कार्यक्रम में सहायक कमांडेंट सुरेन्द्र सिंह, ग्राम प्रधान श्रीमती आशा देवी, महिला समूह संगठन बनबसा की अध्यक्षा राधा चंद, निरीक्षक उछप सिंह, मुख्य आरक्षी भूपेंद्र सिंह बिष्ट, आरक्षी संजय सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए एसएसबी का आभार व्यक्त किया और कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम सीमावर्ती क्षेत्र के युवाओं के लिए रोजगार और आत्मनिर्भरता की दिशा में बेहद उपयोगी साबित होंगे।

रोडवेज चालकों ने 3 घंटे बदला बस स्टेशन का रास्ता

यात्रियों में रोष, एआरएम ने दी कार्रवाई की चेतावनी

जागरण मोर्चा कार्यालय

सितारगंज। मंगलवार को रोडवेज बस स्टेशन पर करीब तीन घंटे तक उत्तराखंड परिवहन निगम की एक भी बस नहीं पहुंची, जिससे यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। बसों के इंतजार में बड़ी संख्या में लोग बस स्टेशन पर घंटों बैठे रहे, जिनमें बुजर्ग, बच्चे महिलाएं शामिल रही। लेकिन कोई भी रोडवेज बस नहीं आने से यात्रियों में आक्रोश और निराशा देखने को मिली। रोडवेज बसें सितारगंज बस स्टेशन पर प्रवेश करने के बजाय बीजटी चौराहा होते हुए सीधे अपने गंतव्य की ओर निकलती रहीं। इससे बस स्टेशन पर खड़े यात्रियों को बसें नहीं मिल सकीं और उन्हें निजी वाहनों या अन्य साधनों का सहारा लेना पड़ा। सबसे अधिक परेशानी बुजुर्गों, महिलाओं, बच्चों और दूरदराज क्षेत्रों से आए

यात्रियों को हुई। यात्रियों का कहना था कि बस स्टेशन पर बसों का संचालन नियमित नहीं होने से उन्हें हर दिन परेशानी उठानी पड़ती है। कई यात्रियों ने आरोप लगाया कि कुछ बस चालक और परिचालक समय बचाने के लिए बस स्टेशन में प्रवेश नहीं करते, जिससे यात्रियों को अनावश्यक परेशानी झेलनी पड़ती है। मामले की जानकारी मिलने पर परिवहन विभाग के क्षेत्रीय (एआरएम) ने कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जिन बसों को निर्धारित नियमों के अनुसार सितारगंज रोडवेज बस स्टेशन पर आना है, यदि वे बिना कारण बस स्टेशन में प्रवेश किए बीजटी चौराहा होते हुए निकलती हैं तो संबंधित चालक-परिचालक के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसी बसों के संचालन में लापरवाही पाए जाने पर जिम्मेदार कर्मचारियों के वेतन से कटौती की जाएगी। एआरएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि बसों की आवाजाही पर निगरानी रखी जाए और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि यात्रियों को भविष्य में इस तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। स्थानीय लोगों और यात्रियों ने परिवहन निगम से मांग की है कि सितारगंज बस स्टेशन से सभी निर्धारित बसों का नियमित संचालन सुनिश्चित किया जाए और बसों के बस स्टेशन में प्रवेश की व्यवस्था का सख्ती से पालन कराया जाए, जिससे आम यात्रियों को बेहतर परिवहन सुविधा मिल सके।

वाराणसी नगर निगम में पहले ही दिन 04 घंटे में हल हुईं 17 शिकायतें

वाराणसी । उत्तर प्रदेश के वाराणसी में नगर निगम द्वारा शुरू किए गए त्वरित-समाधान स्मार्ट पायलट प्रोजेक्ट के तहत पहले दिन मंगलवार को वाट्सएप चैटबॉट के माध्यम से कुल 17 शिकायतें प्राप्त हुईं। त्वरित कार्यप्रणाली और जियो-टैग्ड मॉनिटरिंग सिस्टम के आधार पर संबंधित अधिकारियों ने तय समय सीमा यानी महज चार घंटे के भीतर सभी 17 समस्याओं का शत-प्रतिशत निस्तारण कर दिया। महापौर अशोक कुमार तिवारी के निर्देश पर शहर की बुनियादी समस्याओं के त्वरित व समयबद्ध निस्तारण के लिए शुरू किए गए त्वरित-समाधान स्मार्ट पायलट प्रोजेक्ट का असर पहले ही दिन धरातल पर नजर आया। वहीं वाराणसी शिकायत दर्ज होने के चार घंटे के भीतर समाधान सुनिश्चित करने वाला प्रदेश का पहला नगर निगम बन गया है। निगम की इस इस महत्वाकांक्षी अभियान व अनूठी पहल की

शिकायत दर्ज होने के चार घंटे के भीतर निस्तारण करने वाला सूबे का पहला वाराणसी नगर निगम-गंगा किनारे के 25 वार्डों में शुरू हुआ प्रोजेक्ट, पहले दिन मिलीं सफाई, स्ट्रीट लाइट व पानी से जुड़ी समस्याएं

शहरवासियों द्वारा काफी सराहना की जा रही है। अभियान के तहत सुबह आठ बजे से दोपहर दो बजे तक की विंडो के दौरान नागरिकों ने अपनी समस्याएं दर्ज कराईं। --स्वास्थ्य और आलोक विभाग से जुड़ी रहीं सर्वाधिक समस्याएंअपर नगर आयुक्त दुर्गेश मिश्रा ने बताया कि पहले दिन स्वास्थ्य विभाग से जुड़ी सर्वाधिक छह शिकायतें मिलीं, जिनमें पांच सामान्य सफाई व कूड़ा उठाने और एक डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन से संबंधित थी। वहीं आलोक (लाइट) विभाग से जुड़ी पांच शिकायतें आईं, जिनमें स्ट्रीट लाइट के समय से जलने-बुझने की तीन और खंभों में करंट उतरने की दो शिकायतें शामिल रहीं। इसके अलावा सामान्य अभियांत्रिकी विभाग से जलभराव की दो और खुले नाले की बैरिकेडिंग की एक (कुल 3) शिकायत दर्ज हुई। जलकल विभाग से 100 एमएम तक की पाइपलाइन में लीकेज मरम्मत की दो तथा पशु विभाग से सार्वजनिक स्थल से मृत पशु हटाने की एक शिकायत प्राप्त हुई। पहले दिन उद्यान विभाग से जुड़ी कोई शिकायत दर्ज नहीं हुई। -सिगरा, ईश्वरगंगी, नगवां और हनुमान फाटक क्षेत्र रहे आगेगंगा के तटवर्ती क्षेत्र के 25 चयनित वार्डों में से सिगरा (वार्ड 53), ईश्वरगंगी (वार्ड 73), नागवा (वार्ड 22) और हनुमान फाटक (वार्ड 67) से दो-दो शिकायतें दर्ज की गईं।

देवहा के कटान पर सियासी नहीं, ज़मीनी पड़ताल

राज्यमंत्री ने परखी सुरक्षा तैयारियां, भदसरा में पिचिंग कार्य का किया निरीक्षण

जागरण मोर्चा कार्यालय

पीलीभीत। बरसात और संभावित बाढ़ को देखते हुए गन्ना विकास एवं चीनी मिलें राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार ने मंगलवार को अमरिया क्षेत्र का दौरा कर देवहा नदी के किनारे कराए गए सुरक्षा कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने भदसरा गांव में नदी कटान रोकने के लिए बनाई गई पिचिंग का निरीक्षण किया और अधिकारियों को निर्देश दिए कि बारिश व बाढ़ के दौरान राहत एवं बचाव कार्यों में किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो। इसके बाद कटमटा गांव में आयोजित चौपाल में ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही समाधान के निर्देश दिए।

भदसरा में देवहा नदी किनारे कराए गए पिचिंग कार्य का निरीक्षण करते गन्ना विकास एवं चीनी मिलें राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार। –जागरण मोर्चा

कटमटा में आयोजित चौपाल के दौरान ग्रामीणों की समस्याएं सुनते तथा अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देते राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार।। –जागरण मोर्चा

राज्यमंत्री ने बताया कि देवहा नदी के कारण हर वर्ष क्षेत्र के कई गांवों में कटान की समस्या उत्पन्न होती रही है। इसे देखते हुए कराए गए पिचिंग कार्य से आसपास के लगभग डेढ़ दर्जन गांवों को राहत मिलने की उम्मीद है। ग्रामीणों को अब खेती की जमीन के नुकसान और बरसात के दिनों में आवागमन की कठिनाइयों से काफी हद तक राहत मिलेगी। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की गुणवत्ता भी देखी और अधिकारियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए। कटमटा में आयोजित चौपाल में ग्रामीणों ने सबसे अधिक बिजली आपूर्ति को लेकर शिकायतें दर्ज कराईं। लोगों ने पर्याप्त समय तक बिजली न मिलने और अन्य तकनीकी दिक्कतों की जानकारी दी। इस पर राज्यमंत्री ने बिजली विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि क्षेत्र में कम से कम 22 घंटे विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए तथा खराब ट्रांसफार्मर और लाइन संबंधी शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण किया जाए।

चौपाल के दौरान राशन कार्ड, राजस्व, विकास कार्यों और अन्य विभागों से जुड़ी शिकायतें भी सामने आईं। राज्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को सभी मामलों की जांच कर पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ दिलाने तथा लंबित शिकायतों का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की प्राथमिकता है कि आमजन की समस्याओं का निस्तारण समय पर हो और किसी भी नागरिक को अनावश्यक परेशान न होना पड़े। दौरे के दौरान राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार का स्थानीय ग्रामीणों ने फूल-मालाएं पहनाकर स्वागत किया। चौपाल में मुख्य विकास अधिकारी, ब्लॉक प्रमुख श्याम सिंह, तहसीलदार, जिला पूर्ति अधिकारी, पूर्व प्रधान जसपाल सिंह, सर्वजीत सिंह छब्बा, दिलवाग सिंह, प्रकाश सिंह, लोधी प्रधान सहित बड़ी संख्या में किसान और ग्रामीण मौजूद रहे। अधिकारियों ने भी ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर समाधान करने का भरोसा दिलाया।

बरखेड़ा विधानसभा में आज होगा भाजपा का बूथ अध्यक्ष सम्मेलन

पीलीभीत। भारतीय जनता पार्टी की बरखेड़ा विधानसभा इकाई की ओर से आज बुधवार, 22 जुलाई को बूथ अध्यक्ष सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। सम्मेलन में संगठन को बूथ स्तर पर और अधिक मजबूत बनाने, आगामी कार्यक्रमों की रणनीति तथा कार्यकर्ताओं को संगठनात्मक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करने पर चर्चा होगी। सम्मेलन के मुख्य अतिथि भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष पवन शर्मा होंगे। कार्यक्रम में बरखेड़ा विधायक श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर स्वामी प्रवक्तानंद महाराज तथा भाजपा जिलाध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्य भी मौजूद रहेंगे और कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे। यह सम्मेलन मेडिकल कॉलेज, बिहारी कला में आयोजित किया जाएगा। इसमें बरखेड़ा विधानसभा क्षेत्र के सभी बूथ अध्यक्षों एवं पार्टी पदाधिकारियों से समय पर पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया गया है।

सात दिन बीत गए, लेकिन गिरफ्तारी नहीं! उपेंद्र शंखधार प्रकरण में ब्राह्मण महासभा ने प्रशासन को घेरा

जागरण मोर्चा कार्यालय

पीलीभीत। बीसलपुर नगर पालिका परिषद के कर्मचारी उपेंद्र शंखधार की मौत का मामला थमने का नाम नहीं ले रहा है। घटना के कई दिन बीत जाने के बावजूद नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी न होने से अब सामाजिक संगठनों का आक्रोश भी खुलकर सामने आने लगा है। मंगलवार को अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा, पीलीभीत ने इस मामले में सक्रिय हस्तक्षेप करते हुए जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा तथा पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए शीघ्र गिरफ्तारी और निष्पक्ष विवेचना की मांग की। महासभा के जिलाध्यक्ष आनंद मिश्रा एडवोकेट के नेतृत्व में अधिवक्ताओं, पदाधिकारियों और समाज के गणमान्य लोगों का प्रतिनिधिमंडल कलेक्ट्रेट पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल ने प्रशासन से कहा कि घटना के संबंध में मुकदमा दर्ज होने के बाद भी अब तक नामजद आरोपियों के विरुद्ध कोई प्रभावी कार्रवाई सामने नहीं आई है। इससे पीड़ित परिवार में निराशा है और आमजन के बीच भी कई तरह की चर्चाएं चल रही हैं। ज्ञापन में कहा गया कि 13 जुलाई 2026 को हुई उपेंद्र शंखधार की मौत के मामले में बीसलपुर थाने में एफआईआर दर्ज है, जिसमें नगर पालिका से जुड़े कुछ अधिकारियों एवं अन्य व्यक्तियों को नामजद किया गया है। संगठन का कहना है कि मुकदमा दर्ज होने के बाद भी यदि आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होती है तो इससे कानून के समान अनुपालन पर प्रश्नचिह्न खड़े होते हैं। महासभा ने प्रशासन से मांग की कि पूरे मामले की जांच पूरी पारदर्शिता, निष्पक्षता और समयबद्ध तरीके से कराई जाए। संगठन का कहना है कि किसी भी व्यक्ति के राजनीतिक, प्रशासनिक अथवा सामाजिक प्रभाव को जांच में आड़े नहीं आने दिया जाना चाहिए और यदि कोई दोषी पाया जाता है तो उसके विरुद्ध कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। ज्ञापन में मृतक के परिजनों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने तथा परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने की भी मांग उठाई गई। महासभा का कहना है कि न्याय मिलने में होने वाली देरी पीड़ित परिवार की पीड़ा को और बढ़ा रही है, इसलिए प्रशासन को संवेदनशीलता के साथ त्वरित कदम उठाने चाहिए। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष आनंद मिश्रा एडवोकेट ने कहा कि ब्राह्मण समाज न्याय की इस लड़ाई में मृतक परिवार के साथ मजबूती से खड़ा है। उन्होंने कहा कि यदि शीघ्र प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई तो संगठन लोकतांत्रिक तरीके से व्यापक आंदोलन करने पर विचार करेगा, जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। ज्ञापन पर जिला महामंत्री महेंद्र मिश्रा के भी हस्ताक्षर रहे। इस दौरान महासभा से जुड़े अधिवक्ता, पदाधिकारी और समाज के अनेक वरिष्ठ सदस्य मौजूद रहे तथा सभी ने एक स्वर में दोषियों के विरुद्ध निष्पक्ष और सख्त कार्रवाई की मांग की। उपेंद्र शंखधार की मौत का मामला अब केवल पुलिस विवेचना तक सीमित नहीं रह गया है। राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों और विभिन्न समाजों की लगातार बढ़ती सक्रियता के कारण यह जिला स्तर का प्रमुख मुद्दा बन चुका है। ऐसे में अब सभी की निगाहें प्रशासन और पुलिस की आगामी कार्रवाई पर टिकी हुई हैं।

उपेंद्र शंखधार प्रकरण में कार्रवाई की मांग को लेकर जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपते अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के जिलाध्यक्ष आनंद मिश्रा एडवोकेट एवं अन्य पदाधिकारी। –जागरण मोर्चा

उत्तराखंड में 'ब्लॉक प्रमुख' लिखी पीलीभीत नंबर की स्कॉर्पियो पर बवाल, वायरल वीडियो ने खड़े किए कई सवाल

जागरण मोर्चा कार्यालय

पीलीभीत। सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे एक वीडियो ने पीलीभीत की राजनीति और प्रशासनिक हलकों में हलचल मचा दी है। वायरल वीडियो में बीजेपी का झंडा लगी और आगे-पीछे बड़े अक्षरों में 'ब्लॉक प्रमुख' लिखी UP-26 AU-5051 नंबर की स्कॉर्पियो दिखाई दे रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि वाहन में सवार कुछ युवकों ने शराब के नशे में सड़क पर हंगामा किया, युवतियों से अभद्रता की और विरोध करने पर स्थानीय लोगों से हाथापाई भी की। हालांकि इन आरोपों की अभी तक किसी भी सरकारी एजेंसी ने आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। स्थानीय स्तर पर यह दावा भी किया जा रहा है कि उक्त स्कॉर्पियो पीलीभीत के बीसलपुर ब्लॉक प्रमुख अशोक शर्मा से जुड़ी है। हालांकि इस दावे की भी स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है। उपलब्ध वाहन पंजीकरण संबंधी जानकारी के अनुसार UP-26 AU-5051 नंबर की स्कॉर्पियो कमलेश पुत्र अशोक कुमार, मोहल्ला बख्तावर लाल, पीलीभीत रोड, बीसलपुर के नाम पर पंजीकृत बताई जा रही है। वाहन के आगे और पीछे लगे शीशों पर बड़े अक्षरों में 'ब्लॉक प्रमुख' लिखा हुआ है, जिससे मामले ने और तूल पकड़ लिया है।मामले में पक्ष जानने के लिए जब बीसलपुर ब्लॉक प्रमुख अशोक शर्मा से संपर्क करने का प्रयास किया गया तो उनका मोबाइल फोन स्विच ऑफ मिला, जिसके कारण उनका पक्ष प्राप्त नहीं हो सका।वायरल वीडियो के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। लोग पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। वहीं, अब तक पुलिस या प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।ऐसे में यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि फिलहाल यह मामला वायरल वीडियो, स्थानीय आरोपों और उपलब्ध वाहन पंजीकरण संबंधी जानकारी पर आधारित है।

जिला जेल में टीबी स्क्रीनिंग अभियान तेज, दूसरे दिन 134 कैदियों के डिजिटल एक्स-रे

जागरण मोर्चा कार्यालय

पीलीभीत। जिला क्षय रोग केंद्र के तत्वावधान में जिला जेल में चल रहे चार दिवसीय डिजिटल पोर्टेबल एक्स-रे आधारित टीबी स्क्रीनिंग कैंप के दूसरे दिन 134 कैदियों की जांच की गई। कैंप के दौरान जिला जेल अस्पताल के मेडिकल ऑफिसर डॉ. नरेश चंद्र ने कैदियों का स्वास्थ्य निरीक्षण किया, जबकि जिला क्षय रोग केंद्र के सीनियर ट्रीटमेंट सुपरवाइजर राजेश कुमार गंगवार एवं सीनियर लैब सुपरवाइजर शेर सिंह चौहान ने कैदियों को क्षय रोग के प्रति जागरूक किया।काउंसलिंग के दौरान कैदियों को टीबी के लक्षण, बचाव और उपचार की विस्तृत जानकारी दी गई। उन्हें सलाह दी गई कि यदि किसी व्यक्ति को लगातार खांसी आती है तो वह खांसते समय मुंह पर कपड़ा रखे तथा बिना देरी किए बलगम की जांच कराए। साथ ही बेहतर स्वास्थ्य के लिए नशे से दूर रहने की भी अपील की गई। इसके बाद जिला क्षय रोग केंद्र की टीम ने डिजिटल पोर्टेबल एक्स-रे मशीन के माध्यम से कैदियों की स्क्रीनिंग की। टीम में सीनियर ट्रीटमेंट सुपरवाइजर राजेश कुमार गंगवार, सीनियर लैब सुपरवाइजर शेर सिंह चौहान एवं एक्स-रे टेक्नीशियन आरती वर्मा शामिल रहीं। जांच के दौरान एक्स-रे में संदिग्ध पाए गए कैदियों के बलगम के नमूने फाल्कन ट्यूब में एकत्र कर जांच के लिए जिला क्षय रोग केंद्र भेजे गए।कैंप के दूसरे दिन कुल 134 कैदियों के डिजिटल एक्स-रे किए गए, जिनमें से 55 संदिग्ध कैदियों के बलगम के नमूने जांच हेतु एकत्र किए गए

जिला जेल में चल रहे चार दिवसीय डिजिटल पोर्टेबल एक्स-रे आधारित टीवी स्कैनिंग कैंप में 134 कैदियों की जांच। –जागरण मोर्चा

सवाल पुलिस का दावा– वाहन स्वामियों ने स्वयं उतारकर सौंपे साइलेंसर, आरटीआई कार्यकर्ता ने जवाब को बताया भ्रामक

"रोड रोलर से कुचले गए बुलेट साइलेंसरों पर घिरी ट्रैफिक पुलिस, आरटीआई में दावे ने खड़े किए गंभीर कानूनी सवाल"

जागरण मोर्चा कार्यालय

पीलीभीत। कुछ दिन पहले शहर के थाना सुनगढ़ी गेट पर रोड रोलर से बुलेट मोटरसाइकिलों के मॉडिफाइड साइलेंसर कुचलने की कार्रवाई को लेकर सुर्खियां बटोरने वाली पीलीभीत ट्रैफिक पुलिस अब उसी कार्रवाई को लेकर गंभीर कानूनी सवालों के घेरे में आ गई है। सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत मांगी गई जानकारी के जवाब में ट्रैफिक पुलिस ने जो लिखित स्पष्टीकरण दिया है, उसने पूरे मामले को नया मोड़ दे दिया है। पुलिस के उत्तर में दावा किया गया है कि किसी भी वाहन का साइलेंसर पुलिस ने नहीं उतारा, बल्कि वाहन स्वामियों ने स्वयं अपने मैकेनिक से मॉडिफाइड साइलेंसर खुलवाकर उन्हें नष्ट किए जाने के लिए यातायात कार्यालय में जमा कराया था।यह दावा सामने आने के बाद आरटीआई कार्यकर्ता एवं हिन्दू जागरण मंच के नगर संयोजक तथा उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के नगर उपाध्यक्ष ऋषिकान्त कन्नौजिया ने अपने अधिवक्ता नीलेश चतुर्वेदी के माध्यम से पुलिस की कार्रवाई की वैधानिकता पर कई गंभीर प्रश्न उठाए हैं। अधिवक्ता का कहना है कि यदि पुलिस का दावा सही है तो यह अत्यंत असामान्य स्थिति है कि वाहन स्वामी हजारों रुपये कीमत के साइलेंसर स्वयं निकालकर पुलिस को नष्ट करने के लिए सौंप दें। वहीं यदि साइलेंसर पुलिस ने विधिक प्रक्रिया के तहत जब्त किए थे, तो प्रत्येक वाहन स्वामी को जब्ती की रसीद (फर्द जब्ती) क्यों नहीं दी गई और जब्त सामग्री को मालखाना रजिस्टर तथा जनरल डायरी में दर्ज क्यों नहीं किया गया।आरटीआई आवेदन में पुलिस से यह भी पूछा गया था कि सड़क पर वाहन के पुर्जे खोलने का अधिकार किस कानून के तहत प्राप्त है, इस कार्रवाई के लिए जिलाधिकारी की अध्यक्षता वाली जिला सड़क सुरक्षा समिति का मूल आदेश क्या था तथा जिन 53 मॉडिफाइड साइलेंसरों को नष्ट किया गया, उनकी जब्ती से संबंधित सरकारी रिकॉर्ड और दस्तावेज उपलब्ध कराए जाएं। आरोप है कि पुलिस ने इन बिंदुओं पर स्पष्ट जानकारी देने के बजाय सामान्य नियमों का हवाला देकर जवाब दिया और मूल प्रशासनिक आदेश की प्रमाणित प्रति उपलब्ध नहीं कराई।अधिवक्ता नीलेश चतुर्वेदी का कहना है कि यदि किसी व्यक्ति की निजी संपत्ति को विधिक प्रक्रिया अपनाए बिना नष्ट किया गया है तो यह कानून के स्थापित सिद्धांतों के विपरीत है।

हाल ही में रोड रोलर से बुलेट मोटरसाइकिलों के मॉडिफाइड साइलेंसर कुचलने की हुई थी कार्रवाई। –जागरण मोर्चा

बुलेट साइलेंसर कार्रवाई पर उठे कानूनी सवाल, आरटीआई के जवाब के बाद ट्रैफिक पुलिस की कार्यप्रणाली पर बहस तेज

जागरण मोर्चा कार्यालय

पीलीभीत। कुछ समय पहले शहर में संशोधित (मॉडिफाइड) बुलेट साइलेंसरों के खिलाफ चलाए गए ट्रैफिक पुलिस के अभियान और सड़क पर रोड रोलर से साइलेंसर नष्ट किए जाने की कार्रवाई अब नए विवाद में घिरती दिखाई दे रही है। सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत मांगी गई जानकारी के जवाब के बाद इस पूरे प्रकरण पर कानूनी बहस तेज हो गई है। आरटीआई आवेदक की ओर से पुलिस के जवाब पर कई गंभीर प्रश्न उठाए गए हैं और मामले में प्रथम अपील भी दायर कर दी गई है। हिन्दू जागरण मंच के नगर संयोजक एवं उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के नगर उपाध्यक्ष ऋषिकान्त कन्नौजिया की ओर से अधिवक्ता नीलेश चतुर्वेदी ने आरटीआई के माध्यम से ट्रैफिक पुलिस से कई बिंदुओं पर जानकारी मांगी थी। इनमें सड़क पर वाहनों से साइलेंसर हटाने के कानूनी अधिकार, जिला सड़क सुरक्षा समिति अथवा जिलाधिकारी के आदेश की प्रमाणित प्रति तथा कार्रवाई के दौरान जब्त किए गए 53 साइलेंसरों से संबंधित अभिलेख और जब्ती प्रक्रिया की जानकारी शामिल थी। आरटीआई के जवाब में क्षेत्राधिकारी यातायात कार्यालय की ओर से बताया गया कि यातायात पुलिस ने स्वयं किसी भी वाहन से साइलेंसर या अन्य कलपुर्जे नहीं निकाले। जवाब के अनुसार, वाहन स्वामियों ने अपने स्तर पर मॉडिफाइड साइलेंसर हटवाकर उन्हें नष्ट किए जाने के लिए यातायात कार्यालय में जमा कराया था। इसी जवाब पर आपत्ति दर्ज करते हुए अधिवक्ता नीलेश चतुर्वेदी ने कहा कि यदि पुलिस का दावा सही है, तो इस पूरी प्रक्रिया से जुड़े सभी वैधानिक अभिलेख सार्वजनिक किए जाने चाहिए।

संक्षेप समाचार

जहानाबाद थाने में पीस कमेटी की बैठक, शांतिपूर्ण कांवड़ यात्रा को लेकर प्रशासन ने मांगा सहयोग

थाना जहानाबाद में कांवड़ यात्रा को लेकर आयोजित पीस कमेटी की बैठक में अधिकारियों ने लोगों से सहयोग की अपील की।। –जागरण मोर्चा

पीलीभीत। आगामी श्रावण मास एवं कांवड़ यात्रा को सकुशल और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से मंगलवार को थाना जहानाबाद परिसर में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक विक्रम दहिया एवं क्षेत्राधिकारी सदर नताशा गोयल की अध्यक्षता में संपन्न हुई बैठक में क्षेत्र के संभ्रांत नागरिकों, धर्मगुरुओं, कांवड़ यात्रा से जुड़े प्रतिनिधियों तथा स्थानीय लोगों के साथ संवाद कर यात्रा के दौरान सुरक्षा, यातायात व्यवस्था और कानून–व्यवस्था बनाए रखने पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों ने कहा कि श्रावण मास में बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं कांवड़िए यात्रा में शामिल होते हैं, इसलिए सभी के सहयोग से व्यवस्थाओं को सुचारु बनाए रखना आवश्यक है।अपर पुलिस अधीक्षक और क्षेत्राधिकारी ने उपस्थित लोगों से आपसी सौहार्द, भाईचारा और सामाजिक समरसता बनाए रखने की अपील करते हुए किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न देने तथा संदिग्ध गतिविधियों की तत्काल पुलिस को सूचना देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि पुलिस–प्रशासन श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और सभी आवश्यक इंतजाम किए जा रहे हैं। बैठक में प्रभारी निरीक्षक थाना जहानाबाद, पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी, क्षेत्र के गणमान्य नागरिक तथा अन्य संबंधित लोग उपस्थित रहे। अधिकारियों ने सभी से कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सकुशल संपन्न कराने में पुलिस–प्रशासन का सहयोग करने की अपील की।

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना से जोड़ें समूहों को, आजीविका बढ़ाने पर दें विशेष जोर: डीएम

गांधी सभागार में उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की मासिक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह। –जागरण मोर्चा

पीलीभीत। जिले में स्वयं सहायता समूहों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और ग्रामीण परिवारों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से मंगलवार को गांधी सभागार में उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह ने की। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को केवल बचत तक सीमित न रखकर उन्हें आय बढ़ाने वाली गतिविधियों से भी जोड़ा जाए। उन्होंने मुर्गी पालन, बकरी पालन, सब्जी उत्पादन, नर्सरी विकास सहित अन्य स्वरोजगार योजनाओं को बढ़ावा देने पर बल दिया। साथ ही मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के तहत अधिक से अधिक पात्र लोगों के आवेदन कराने और आरसेटी के माध्यम से रोजगारपरक प्रशिक्षण कार्यक्रमों को गति देने के निर्देश दिए। उन्होंने विभिन्न विभागों से कहा कि उनकी संचालित योजनाओं का लाभ स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जाए, ताकि ग्रामीण महिलाओं की आर्थिक स्थिति मजबूत हो सके। बैठक में परिवार संतृप्तिकरण समेत अन्य योजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की गई और निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए गए। समीक्षा के दौरान ड्राई राशन बिल भुगतान में लापरवाही सामने आने पर जिलाधिकारी ने कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने पांच विकास खंडों के एडीओ ग्राम विकास और ब्लॉक मिशन प्रबंधकों का वेतन अपेक्षित प्रगति होने तक रोकने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी, डीएम नाबार्ड, मुख्य रोजगार अधिकारी, सभी खंड विकास अधिकारी, एडीओ आईएसबी तथा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़े अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

इंडियन गैस एजेंसी पर भाकियू ने लगाया मनमानी का आरोप

पूरनपुर। क्षेत्र के रुरिया स्थित इंडियन गैस एजेंसी की कार्यप्रणाली को लेकर उपभोक्ताओं में लगातार नाराजगी बढ़ती जा रही है। भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के पवन वर्मा ने एजेंसी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि उपभोक्ताओं के साथ मनमानी की जा रही है। गैस सिलेंडर लेने के लिए आने वाले लोगों को कई–कई घंटे तक लाइन में खड़ा रहना पड़ता है, लेकिन इसके बावजूद उन्हें समय पर गैस सिलेंडर उपलब्ध नहीं कराया जाता। आरोप है कि एजेंसी पर पहुंचने वाले उपभोक्ताओं को पहले लंबी कतार में इंतजार कराया जाता है। इसके बाद अचानक एजेंसी का मुख्य गेट बंद कर दिया जाता है। जिससे बाहर खड़े दर्जनों उपभोक्ता अंदर नहीं जा पाते और उन्हें बिना गैस सिलेंडर लिए ही वापस लौटना पड़ता है। इस कारण महिलाओं, बुजुर्गों और किसानों को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। एजेंसी की इस कार्यप्रणाली से आम उपभोक्ताओं में भारी आक्रोश है, सुबह से लाइन में लगने के बावजूद शाम तक उनकी बारी नहीं आती, जबकि कुछ लोगों को प्राथमिकता के आधार पर सिलेंडर दिए जाने की भी चर्चा है। भाकियू (अराजनैतिक) ने इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पदाधिकारियों ने प्रशासन से मांग की है कि गैस वितरण व्यवस्था को पारदर्शी बनाया जाए, सभी उपभोक्ताओं को निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार समय पर गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया जाए तथा एजेंसी पर हो रही कथित अनियमितताओं की जांच कराई जाए।

भाकियू चढ़ूनी के जिलाध्यक्ष को दिल्ली जाने से रोका

पूरनपुर। भारतीय किसान यूनियन (चढ़ूनी गुट) के जिलाध्यक्ष रंजीत सिंह कहलो और कई कार्यकर्ताओं को दिल्ली जाने से रोक दिया गया। वे 21 जुलाई को दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। कहलो ने पुलिस पर बरेली रेलवे स्टेशन पर हिरासत में लेने और घर पर नजरबंद रखने का आरोप लगाया है। भारतीय किसान यूनियन (चढ़ूनी गुट) के जिलाध्यक्ष रंजीत सिंह कहलो ने आरोप लगाया कि दिल्ली के किसान घाट पर आयोजित 'जय जवान–जय किसान, देश बचाओ मोर्चा' के कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को पुलिस ने बरेली रेलवे स्टेशन पर रोककर वापस भेज दिया। उन्होंने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन बताते हुए पुलिस प्रशासन की कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं।जिलाध्यक्ष रंजीत सिंह कहलो ने जारी बयान में कहा कि 21 जुलाई को दिल्ली के किसान घाट पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पीलीभीत से संगठन की टीम 20 जुलाई की शाम रवाना हुई थी। उनका आरोप है कि सुबह से ही पुलिस सादा वर्दी में उनके और अन्य पदाधिकारियों के घरों के आसपास मौजूद रही। इससे बचते हुए कार्यकर्ता निजी वाहन से पीलीभीत पहुंचे और वहां से वाहन बदलकर बिजौरिया रेलवे स्टेशन के रास्ते बरेली पहुंचे। उन्होंने बताया कि बरेली सिटी स्टेशन से पैदल चलकर सभी लोग बरेली जंक्शन पहुंचे, जहां रात करीब नौ बजे दिल्ली जाने वाली सरयू एक्सप्रेस पकड़नी थी। आरोप है कि ट्रेन आने से ठीक पहले माधोटांडा थाना पुलिस ने मोबाइल लोकेशन के आधार पर उन्हें और अन्य कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया तथा पुलिस वाहन से वापस ले जाने लगी।

एक नजर

पुलिस ने अवैध कच्ची शराब के साथ युवक को दबोचा

पूरनपुर। अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत घुंघचाई पुलिस ने उदरहा गांव में छापेमारी कर एक युवक को 20 लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस को सूचना मिली थी कि उदरहा गांव में एक व्यक्ति अपने घर में अवैध रूप से कच्ची शराब तैयार कर उसकी बिक्री कर रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने गांव पहुंचकर संदिग्ध के घर पर छापा मारा। तलाशी के दौरान पुलिस ने मौके से 20 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की और एक युवक को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में पकडे गए युवक ने अपना नाम विजय कुमार बताया। पुलिस ने बरामद शराब को कब्जे में लेकर आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। इसके बाद उसको जेल भेज दिया गया। घुंघचाई थाना पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में अवैध शराब के निर्माण, बिक्री और तस्करी पर रोक लगाने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

डीसीएम की जोरादार टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

सोमवार की देर शाम करीब सात बजे हुआ हादसा

जागरण मोर्चा कार्यालय

पूरनपुर। नगर के माधोटांडा रेलवे क्रॉसिंग पर डीसीएम ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक पर सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने 108 एंबुलेंस की मदद से घायल युवक को सीएचसी भिजवाया। जहां डॉक्टर ने उसको मृत घोषित कर दिया। कोतवाली थाना क्षेत्र के गांव रमपुरा निवासी ताराचंद सोमवार को अपने बाइक से अपने किसी काम से नगर पूरनपुर में आया था। काम निपटाकर युवक देर शाम करीब सात बजे वाइक से वापस घर को लौट रहा था।इसी दौरान नगर के माधोटांडा रेलवे क्रासिंग के पास तेज गति से आ

अस्पताल में मौजूद परिजन। -जागरण मोर्चा

रही डीसीएम के चालक ने टक्कर मार दी। जिससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे को लेकर खलबली मच गई। बड़ी संख्या में लोग मौके पर एकत्र हो गए। मामले की सूचना कोतवाली पुलिस को दी गई। सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। घायल युवक को 108 एंबुलेंस की मदद से सीएचसी पूरनपुर लाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसको मृत घोषित कर दिया। जांच के बाद मामले की सूचना मृतक के परिजनों को लगी तो उनमें कोहराम मच गया। रोते विखलते परिजन मौके पर पहुंच गए। अन्य लोग भी अस्पताल पहुंचे,और घटना पर दुख जताया। पुलिस ने जांच पड़ताल के बाद शब को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। एकाएक हुई घटना को लेकर परिवार में कोहराम मचा हुआ है। जिनका रो-रो कर बुरा हाल है। कोतवाल पवन पांडे ने बताया मामले में युवक की मौत हुई है। शब को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। पुलिस मामले की जांच कर रही है। हादसे में वाइक भी छतिग्रस्त हो गई।

सपा ने जनहित लोकतांत्रिक मुद्दों पर सौंपा ज्ञापन

विरोध प्रदर्शन कर नारेबाजी करते हुए तहसील पहुंचे

जागरण मोर्चा कार्यालय

पूरनपुर। मंगलवार को सपाईयों ने विभिन्न मुद्दों को लेकर विरोध प्रदर्शन कर नारेबाजी करते हुए राष्ट्रपति व राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन पूरनपुर उपजिलाधिकारी को सौंपा। ज्ञापन में कहा गया है कि सोनम बंगचूंग की शीघ्र एवं सम्मानजनक रिहाई की मांग उठाई गई। प्रतिनिधिमंडल का कहना था कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में प्रत्येक नागरिक को संविधान के अनुरूप न्याय मिलने का अधिकार है तथा कानून का पालन करते हुए निष्पक्ष एवं पारदर्शी प्रक्रिया अपनाई जानी चाहिए। इसके अतिरिक्त जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण ढंग से प्रदर्शन कर रहे छात्रों के साथ पुलिस द्वारा किए गए कथित अमानवीय व्यवहार पर गहरी चिंता व्यक्त की गई। ज्ञापन में कहा गया कि लोकतंत्र में अपनी बात शांतिपूर्ण तरीके से

एसडीएम को ज्ञापन देते सपाई। -जागरण मोर्चा

रखने का अधिकार प्रत्येक नागरिक को संविधान द्वारा प्राप्त है। यदि प्रदर्शन के दौरान किसी प्रकार की अनुचित कार्रवाई हुई है तो उसकी निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराई जाए तथा दोषी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। समाजवादी पार्टी ने अपने ज्ञापन में मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी को लेकर भी चिंता व्यक्त की। पार्टी ने कहा कि शिक्षा किसी भी समाज की प्रगति का सबसे महत्वपूर्ण आधार होती है। ऐसे में शैक्षणिक संस्थानों की गरिमा, स्वायत्तता एवं विद्यार्थियों के हितों की रक्षा की जानी चाहिए। ज्ञापन में मांग की गई कि विश्वविद्यालय से जुड़े सभी मामलों का समाधान निष्पक्ष, संवैधानिक एवं न्यायपूर्ण ढंग से किया जाए, जिससे विद्यार्थियों के भविष्य पर किसी प्रकार का प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। इस दौरान सपा जिलाध्यक्ष जगदेव सिंह जग्गा, अशोक राजा,संजय खान,तौफीक अहमद सहित बडी संख्या में सपा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गांव कुरैया खुर्दकला में जलभराव से ग्रामीण बेहाल

जागरण मोर्चा कार्यालय

पूरनपुर। क्षेत्र के गांव कुरैया खुर्दकला में जलभराव की गंभीर समस्या से ग्रामीण लंबे समय से परेशान हैं। गांव में स्थित पानी की टंकी के पास बने खड़ंजे पर गंदा पानी भरा रहने से लोगों का आवागमन मुश्किल हो गया है। हल्की बारिश के बाद भी यहां कई दिनों तक पानी जमा रहता है। जिससे स्थिति और अधिक खराब हो जाती है। ग्रामीणों का कहना है कि पानी की निकासी की समुचित व्यवस्था न होने के कारण यह समस्या लगातार बनी हुई है। खड़ंजे पर जलभराव होने से पैदल चलने वाले लोगों, स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ रही है। कई बार लोग फिसलकर गिर चुके हैं, जिससे चोट लगने की घटनाएं भी सामने आई हैं।

बरसात से खंडजे पर वना जलभराव। -जागरण मोर्चा

दोपहिया वाहन चालकों को भी इस रास्ते से निकलने में काफी दिक्कत होती है। साथ ही मच्छरों की संख्या बढ़ने से डेंगू,मलेरिया और अन्य संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। ग्रामीणों का कहना है कि बरसात के मौसम में स्थिति और अधिक गंभीर हो जाती है, जिससे लोगों का घरों से निकलना भी मुश्किल हो जाता है। स्थानीय लोगों के अनुसार, इस समस्या को लेकर कई बार संबंधित अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं हो पाया है। ग्रामीणों का आरोप है कि हर बार केवल आश्वासन ही मिलता है, जबकि समस्या जस की तस बनी हुई है, ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि पानी की टंकी के पास जल निकासी के लिए पक्की नाली का निर्माण कराया जाए तथा खड़ंजे पर जमा पानी को तत्काल हटाकर मार्ग को आवागमन योग्य बनाया जाए। साथ ही भविष्य में जलभराव की समस्या से स्थायी निजात दिलाने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं, ताकि ग्रामीणों को राहत मिल सके।

30 सितंबर तक बच्चों का आधार बायोमेट्रिक अपडेट निःशुल्क

पीलीभीत। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने 5 से 17 वर्ष तक के बच्चों के आधार कार्ड का अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट 30 सितंबर 2026 तक निःशुल्क करने की सुविधा प्रदान की है। जिला प्रशासन ने अभिभावकों से निर्धारित समय सीमा के भीतर बच्चों का आधार अपडेट कराने की अपील की है, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। यूआईडीएआई के अनुसार 5 वर्ष और 17 वर्ष की आयु पूरी होने के बाद बच्चों का बायोमेट्रिक अपडेट कराना अनिवार्य है। यह सुविधा पीलीभीत के खंदारी स्थित आधार सेवा केंद्र पर उपलब्ध है, जहां अभिभावक अपने बच्चों का आधार निःशुल्क अपडेट करा सकते हैं।

मारपीट में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत

जागरण मोर्चा कार्यालय

दियोरिया। घर पर अकेले युवक के साथ एक दबंग युवक ने गाली गलौज करना शुरू किया। जिसका विरोध करने पर दबंग युवक ने लात घूंसों के साथ मारपीट शुरू कर दी। मारपीट के दौरान आई चोटों से युवक की हालत खराब हो गई। जिसको परिवार के लोगों ने इलाज हेतु बरेली के एक अस्पताल में भर्ती कराया। जिसकी उपचार के दौरान मौत हो गई । पुलिस ने युवक के भाई की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। थाना क्षेत्र के गांव पकड़िया बिंदुआ निवासी दिनेश कुमार पुत्र जोरावर ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। दर्ज कराई रिपोर्ट के अनुसार कि गांव निवासी गौरव कुमार 17 जुलाई की शाम लगभग 8:30 बजे घर पहुंचा और मेरे भाई राजेश कुमार उर्फ राजेश दास को अकेले देखकर उसके साथ गाली गलौज शुरू कर दी। जिसका विरोध करने पर दबंग युवक ने राजेश कुमार उर्फ राजेश दास के साथ लात घूंसो के साथ मारपीट शुरू कर दी। मारपीट के दौरान आई गंभीर चोटों से उसकी हालत खराब हो गई। सूचना मिलने पर परिवार के अन्य लोग पहुंचे और गंभीर हालात को देखते हुए 17 जुलाई की रात को ही बरेली के रोहिलखंड अस्पताल में इलाज हेतु भर्ती कराया गया था। जहां उपचार के दौरान 19 जुलाई को दिन में दोपहर लगभग 2:30 बजे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव घर पहुंचते ही कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु जिला मुख्यालय भेज दिया।

संक्षेप समाचार

तदर्थ प्रधानाचार्यों के नियमितीकरण की मांग तेज, मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन मंत्री संजय सिंह गंगवार को सौंपा

प्रदेश सरकार के मंत्री संजय सिंह गंगवार को मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपते प्रधानाचार्य परिषद के पदाधिकारी। -जागरण मोर्चा

पीलीभीत। उत्तर प्रदेश माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत तदर्थ प्रधानाचार्यों के नियमितीकरण की मांग को लेकर प्रधानाचार्य परिषद ने अपनी आवाज बुलंद कर दी है। इसी क्रम में परिषद के पदाधिकारियों ने प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन प्रदेश सरकार के मंत्री संजय सिंह गंगवार को सौंपते हुए तदर्थ प्रधानाचार्यों का शीघ्र नियमितीकरण किए जाने की मांग उठाई। प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री को अवगत कराया कि लंबे समय से तदर्थ प्रधानाचार्य पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं, लेकिन अब तक उनके नियमितीकरण पर कोई ठोस निर्णय नहीं हो सका है। इससे प्रदेशभर के तदर्थ प्रधानाचार्यों में निराशा का माहौल है। उन्होंने सरकार से इस समस्या का शीघ्र समाधान कर न्यायोचित निर्णय लेने का आग्रह किया। ज्ञापन प्राप्त करने के बाद मंत्री संजय सिंह गंगवार ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि उनकी मांग को गंभीरता से लेते हुए माननीय मुख्यमंत्री तक पूरी मजबूती के साथ पहुंचाया जाएगा तथा इस विषय पर सकारात्मक पहल कराने का हरसंभव प्रयास किया जाएगा। इस अवसर पर जिला मंत्री योगेश कुमार, जिला अध्यक्ष अखलाक हसन खान, प्रांतीय मंत्री डॉ. राजेंद्र प्रसाद द्विवेदी, जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र सिंह, रोहतास गंगवार, डॉ. जावेद अहमद, राजेश गौतम, हरीश गंगवार, सुरेश चंद्र राय, श्रीमती सुमन देवी सहित बड़ी संख्या में प्रधानाचार्य उपस्थित रहे।

सावन से पहले कांवड़ मार्गों की खुदाई पर उठा सवाल, सभासद की शिकायत के बाद हरकत में आया प्रशासन

कावड़ यात्रा से पहले खुद ही पड़ी सड़क श्रद्धालुओं में गहरा रोष। -जागरण मोर्चा

पीलीभीत। सावन माह के आगमन से पहले नगर के प्रमुख कांवड़ यात्रा मार्गों पर पाइपलाइन बिछाने के लिए की जा रही सड़क खुदाई को लेकर विवाद गहरा गया है। वार्ड संख्या-25 के सभासद साकेत सक्सेना ने इस मामले को गंभीर बताते हुए जिलाधिकारी से हस्तक्षेप की मांग की। शिकायत मिलते ही जिलाधिकारी ने तत्काल उत्तर प्रदेश जल निगम के अधिशासी अभियंता से दूरभाष पर वार्ता कर नाराजगी व्यक्त की और स्पष्ट निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधा से जुड़ी किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। सभासद द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में बताया गया कि नई पेयजल पाइपलाइन डालने के नाम पर नगर के कई प्रमुख मार्गों को खोद दिया गया है। इनमें दूधिया मंदिर से शुरू होने वाला कांवड़ मार्ग, काला मंदिर से लेखराज चौराहा, लेखराज चौराहा से होली चौराहा तथा चावला चौराहा तक के हिस्से शामिल हैं। सड़कें खुदी होने के कारण मार्ग असमतल हो गए हैं, जिससे आम नागरिकों के साथ-साथ सावन में जल लेकर निकलने वाले कांवड़ियों को भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। सभासद ने कहा कि सावन के दौरान प्रतिदिन बड़ी संख्या में शिवभक्त इन्हीं रास्तों से गुजरते हैं। ऐसे समय में यात्रा मार्गों को सुरक्षित और गड्ढामुक्त रखने की अपेक्षा रहती है, लेकिन वर्तमान स्थिति इसके बिल्कुल विपरीत दिखाई दे रही है। उन्होंने यह भी कहा कि नगर के कई स्थानों पर पहले से की गई खुदाई का कार्य अब तक अधूरा पड़ा है, फिर भी नए क्षेत्रों में खुदाई शुरू कर दी गई है, जिससे लोगों की परेशानी लगातार बढ़ रही है। वहीं इस मामले की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी ने जल निगम के अधिशासी अभियंता से तत्काल स्पष्टीकरण लिया और सावन से ठीक पहले सड़कें खोदने पर कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। जिलाधिकारी ने यह भी बताया कि वह स्वयं मौके पर पहुंचकर स्थिति का निरीक्षण करेंगे और आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि जहां-जहां सड़कें क्षतिग्रस्त हैं, वहां प्राथमिकता के आधार पर मरम्मत, समतलीकरण और अधूरे कार्य शीघ्र पूरे कराए जाएं। **सभासद की प्रमुख मांगें-** कांवड़ यात्रा मार्ग पर चल रही सड़क खुदाई तत्काल बंद कराई जाए। क्षतिग्रस्त मार्गों की युद्धस्तर पर मरम्मत और समतलीकरण कराया जाए। पहले से खोदी गई सड़कों का कार्य पूरा होने के बाद ही अन्य स्थानों पर खुदाई की अनुमति दी जाए। लापरवाही बरतने वाले संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए तथा श्रद्धालुओं और आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

बाइक से ससुराल जा रहे युवक पर चढाया ट्रैक्टर

जागरण मोर्चा कार्यालय

दियोरिया। बाइक से ससुराल जा रहे युवक पर एक ट्रैक्टर चालक ने बाइक में सामने से जोरदार टक्कर मार दी। जिससे वह सड़क पर गिर गया और ट्रैक्टर चालक ने उसके ऊपर से ट्रैक्टर ट्रॉली चढ़ा दिया और फरार हो गया। गांव बरी बरा थाना बंडा शाहजहांपुर निवासी अजय कुमार पुत्र रामनिवास दियोरिया थाना क्षेत्र के गांव हिम्मतपुर किसी कार्य से अपनी ससुराल मंगलवार सुबह करीब नौ बजे बाइक से अकेला ही जा रहा था। कनपरा माइनर नहर मकरंदपुर भीकमपुर मार्ग पर बरखेड़ा तालुका पसगवां गांव के नजदीक सामने से आ रहे तेज रफ्तार स्वराज 855 ट्रैक्टर ट्राली के चालक ने जोरदार टक्कर मार दी जिससे वह गिर गया और ट्रैक्टर चालक ने ट्रैक्टर ट्रॉली का पहिया उसके शरीर के निचले भाग के ऊपर से निकाल दिया। बाइक चालक गंभीर घायल हो गया।जबकि बाइक चालक अजय कुमार ने होस हवास में अपने ही फोन में एक वीडियो भी बना लिया है। देखते ही देखते गांव के ग्रामीण मौके पर जमा हो गए। ग्रामीणों की सूचना पर डायल 112 पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घटना की सूचना मिलते ही परिजन भी मौके पर जा पहुंचे। सरकारी एंबुलेंस की मदद से घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिलसंडा भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। जिला अस्पताल में घायल का इलाज जारी है।

युवक की संदिग्ध परिस्थितियों से लापता, गुमशुदगी दर्ज

पूरनपुर। घुंघचाई क्षेत्र के गांव निवासी एक युवक संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया। परिजनों ने उसकी काफी तलाश की, लेकिन कई दिन बीत जाने के बाद भी उसका कोई सुराग नहीं लग सका,परिजनों ने पहले अपने स्तर पर रिश्तेदारों और परिचितों के यहां उसकी खोजबीन की। आसपास के गांवों और संभावित स्थानों पर भी तलाश की गई, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका। युवक का मोबाइल भी बंद मिलने से परिजनों की चिंता और बढ़ गई। काफी प्रयासों के बाद भी युवक का सुराग न मिलने पर परिजन थाने पहुंचे और पुलिस को घटना की जानकारी देते हुए कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर अज्ञात के खिलाफ गुमशुदगी से संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली है। थाना पुलिस का कहना है कि युवक की तलाश के लिए संभावित स्थानों पर छानबीन की जा रही है।

विद्युत उपकेंद्र के मार्ग पर जलभराव से अधिकारी और उपभोक्ता परेशान

सोमवार की देर शाम करीब सात बजे हुआ हादसा

जागरण मोर्चा कार्यालय

पूरनपुर। नगर स्थित विद्युत उपकेंद्र तक जाने वाले मुख्य मार्ग पर लंबे समय से जलभराव की समस्या बनी हुई है। सड़क पर भरे गंदे पानी के कारण बिजली विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों तथा प्रतिदिन आने वाले सैकड़ों उपभोक्ताओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थिति यह है कि उपकेंद्र तक पहुंचने के लिए लोगों को पानी से होकर गुजरना पड़ता है, जिससे आए दिन फिसलने और दुर्घटना होने का खतरा बना रहता है। बरसात के दौरान यह समस्या और भी गंभीर हो जाती है। हल्की बारिश होते ही सड़क पर पानी भर जाता है, जिससे यह पता लगाना मुश्किल हो जाता है कि सड़क कहां तक है और गड्ढे कहां हैं। ऐसे में दोपहिया वाहन चालकों को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ रही है। कई बार वाहन फिसलने की घटनाएं भी सामने आती हैं। पैदल आने वाले बुजुर्ग, महिलाएं और दिव्यांग उपभोक्ताओं को भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। विद्युत उपकेंद्र में प्रतिदिन बड़ी संख्या में उपभोक्ता बिजली बिल जमा कराने, नए कनेक्शन, मीटर संबंधी कार्य, शिकायत दर्ज कराने और अन्य विभागीय कार्यों के लिए पहुंचते हैं। लेकिन जलभराव के कारण उन्हें उपकेंद्र तक पहुंचने में काफी मशक्कत करनी पड़ती है। वहीं विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों को भी रोजाना इसी मार्ग से होकर गुजरना पड़ता है, जिससे कार्य संचालन पर भी असर पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मार्ग पर जलनिकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण हर वर्ष बरसात के मौसम में यही स्थिति उत्पन्न हो जाती है। कई बार संबंधित विभाग और नगर प्रशासन से शिकायत किए जाने के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका है। लोगों का आरोप है कि जिम्मेदार विभाग इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं, जिसके कारण आम जनता को लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

कार्रवाई पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर पत्नी व प्रेमी को भेजा जेल

अवैध संबंधों में बाधा बनने पर पति को जहर देकर मारा

जागरण मोर्चा कार्यालय

बीसलपुर। कोतवाली क्षेत्र के हबीबुल्ला खां जनूबी एकता नगर कॉलोनी निवासी एक व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में जहर खाने से मौत हो गई। मृतक के भाई का आरोप है कि उसकी पत्नी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर चाय में जहर देकर उसकी हत्या की है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी पत्नी और उसके प्रेमी के खिलाफ संगीन धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मृतक रमा कान्त के भाई ब्रज गोपाल द्वारा पुलिस को दी गई शिकायत के अनुसार, वह और उसका भाई रमा कान्त बरेली में मजदूरी का काम करते थे। 18 जुलाई 2026 की शामः जब दोनों भाई काम से घर लौटे, तो

पुलिस की गिरफ्त में खड़ी हत्यारोपी पत्नी व उसका प्रेमी। -जागरण मोर्चा

उन्होंने रमा कान्त की पत्नी रेनू मिश्रा को उसके प्रेमी शिवम शुक्ला जो जिला शाहजहाँपुर के रौसर कोठी निवासी है। उसको अपने घर में देखा तो रमाकांत ने विरोध किया। जिसके बाद शिवम शुक्ला ने गाली-गलौज करते हुए मारपीट की, घर का सामान तोड़ दिया और चाकू से हमले का प्रयास किया। 19 जुलाई 2026 की सुबह विवाद के बाद रंजिश रखते हुए सुबह करीब 10:00 बजे रेनू मिश्रा ने चाय बनाई। रमा कान्त के मना करने के बावजूद उसे जबरदस्ती चाय पिला दी गई। चाय पीने के कुछ ही देर बाद रमा कान्त की तबीयत बिगड़ने लगी। परिजन उसे तत्काल सरकारी अस्पताल बीसलपुर ले गए, जहाँ से गंभीर हालत में उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। इलाज के दौरान रमा कान्त की मृत्यु हो गई। पीड़ित भाई का आरोप है कि उसकी भाभी रेनू मिश्रा और उसका प्रेमी शिवम शुक्ला काफी समय से रमा कान्त को रास्ते से हटाने का षड्यंत्र रच रहे थे। पुलिस ने ब्रज गोपाल की तहरीर पर मृतक की पत्नी रेनू मिश्रा एवं प्रेमी शिवम शुक्ला के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। कोतवाली प्रभारी संजीव कुमार शुक्ला ने बताया है कि मुकदमा दर्ज कर मृतक की पत्नी रेनू मिश्रा व शिवम मिश्रा पर कार्रवाई के बाद उन्हें जेल भेज दिया है रेनू मिश्रा की 1 साल की बच्ची भी मां के साथ जेल गई है।

अनाथ हो गए दोनों परिवारों के पांच बच्चे

बीसलपुर। शिवम शुक्ला और रेनू के इश्क के जुनून ने दो परिवारों की खुशियों को निगल लिया। पिता की हत्या और मां के जेल जाने से जहां रेनू के बच्चे बेसहारा हो गए वहीं शिवम शुक्ला का इकलौता बेटा पिता के जेल जाने से मां के आंचल में रो रहा है। शिवम ने उसके पत्नी के विश्वास का कत्ल कर दिया जो उसे अच्छा इंसान समझ कर ससुराल में रह रही थी।

बुलेट साइलेंसर कार्रवाई पर उठे कानूनी सवाल, आरटीआई के जवाब के बाद ट्रैफिक पुलिस की कार्यप्रणाली पर बहस तेज

जागरण मोर्चा कार्यालय

पीलीभीत। कुछ समय पहले शहर में संशोधित (मॉडिफाइड) बुलेट साइलेंसरों के खिलाफ चलाए गए ट्रैफिक पुलिस के अभियान और सड़क पर रोड रोलर से साइलेंसर नष्ट किए जाने की कार्रवाई अब नए विवाद में घिरती दिखाई दे रही है। सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत मांगी गई जानकारी के जवाब के बाद इस पूरे प्रकरण पर कानूनी बहस तेज हो गई है। आरटीआई आवेदक की ओर से पुलिस के जवाब पर कई गंभीर प्रश्न उठाए गए हैं और मामले में प्रथम अपील भी दायर कर दी गई है। हिन्दू जागरण मंच के नगर संयोजक एवं उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के नगर उपाध्यक्ष ऋषिकान्त कन्नौजिया की ओर से अधिवक्ता नीलेश चतुर्वेदी ने आरटीआई के माध्यम से ट्रैफिक पुलिस से कई बिंदुओं पर जानकारी मांगी थी। इनमें सड़क पर वाहनों से साइलेंसर हटाने के कानूनी अधिकार, जिला सड़क सुरक्षा समिति अथवा जिलाधिकारी के आदेश की प्रमाणित प्रति तथा कार्रवाई के दौरान जब्त किए गए 53 साइलेंसरों से संबंधित अभिलेख और जब्ती प्रक्रिया की जानकारी शामिल थी। आरटीआई के जवाब में क्षेत्राधिकारी यातायात कार्यालय की ओर से बताया गया कि यातायात पुलिस ने स्वयं किसी भी वाहन से साइलेंसर या अन्य कलपुर्जे नहीं निकाले।

संग्राम सिंह ने जीता लगातार चौथा मुकाबला

- पाकिस्तानी फाइटर का घमंड तोड़ा; एक मिनट 20 सेकंड में कर दिया चित

नई दिल्ली। भारत के स्टार एमएमए फाइटर संग्राम सिंह ने पाकिस्तानी फाइटर मोहम्मद आबिद अली का घमंड तोड़ दिया और उन्हें सिर्फ एक मिनट 20 सेकंड में ही चित कर दिया। एमएमए में ये संग्राम सिंह की लगातार चौथी जीत भी रही साथ ही पाकिस्तानी फाइटर पर उनकी ये दूसरी जीत रही। संग्राम सिंह का एमएमए के मंच पर अपराजित रहने का सिलसिला जारी है और वो एशियाई चैम्पियन टाइटिल जीतने वाले पहले भारतीय भी बन गए हैं।

संग्राम सिंह ने देश को समर्पित की जीत

इस फाइट का आयोजन मलयेशिया में किया गया था और इसे लेकर मलयेशियाई दर्शकों में जबरदस्त उत्साह था। संग्राम सिंह के जीतने के बाद भारतीय फैंस रिंग के बेहद करीब आकर भारत माता की जय के नारे लगाने लगे। वहीं संग्राम सिंह ने जहां इस जीत को 140 करोड़ भारतीयों को समर्पित किया तो वहीं मोहम्मद बूटा के नाम से मशहूर मोहम्मद आबिद अली ने फेस ऑफ वाले दिन की तरह ही विवादास्पद बयान दिए। उसकी हार की खीझ लगातार बाहर आती रही। आबिद ने कहा कि मलयेशिया में जितने भी मुसलमान हैं, वह उन सबसे बहुत प्यार करते हैं। उनके इस बयान पर भी वहां काफी हूटिंग हुई। वहीं संग्राम सिंह ने कहा कि उनका किसी भी फाइट में एक ही उद्देश्य रहता है कि देश का तिरंगा ऊंचा हो और उन्हें खुशी है कि उन्हें एक बार फिर इसे ऊंचा करने का सौभाग्य मिला। इससे पहले संग्राम सिंह पाकिस्तान के अली रजा नासिर, ट्यूनीशिया के हाकिम तराबेसी और फ्रांस के फ्लोरियन काउडियर को हरा चुके हैं।

संग्राम सिंह ने डटकर किया मुकाबला– फाइनल से पहले वजन और मोहम्मद आबिद अली के बड़बोले बयान के बाद यह मुकाबला प्रतिष्ठा की लड़ाई बन चुका था, लेकिन दोहरे हैवीवेट कॉमनवेल्थ चैम्पियन ने अपने देशवासियों को निराश नहीं होने दिया। संग्राम सिंह के कोच भूपेश कुमार ने बताया कि मोहम्मद आबिद अली की पंचिंग काफी अच्छी थी। उसने पंचिंग से अटैक किया जिस पर संग्राम लगातार बचते रहे। उसकी ऊंची कदकाठी होने से उसके पंच की पहुंच भी अच्छी थी जिससे उसका एक पंच संग्राम की आंख पर लगा। उसकी इस खूबी को देखकर संग्राम ने कोई जल्दबाजी या हड़बड़ाहट नहीं दिखाई। हालांकि आबिद भी कुश्ती से एमएमए में आए हैं लेकिन कुश्ती के दांव-पेंचों में संग्राम ने उन्हें बुरी तरह असहाय कर दिया।

30वें सेकंड में संग्राम ने शानदार तरीके से लेग अटैक किया और पलक झपकते ही उन्होंने आबिद पर एंकल होल्ड करके अपनी जीत की आधारशिला रख दी। इसके लिए वह पहले तो आबिद को रिंग के किनारे पर एंकल होल्ड करके उसे खींचकर अंदर लाए और फिर उसी पोजीशन पर उन्होंने आबिद को चोक कर दिया और इसका कोई जवाब आबिद के पास नहीं था।

आंखों में नमी और चेहरे पर निराशा थी

टूट गए लियोन मेसी

- स्पेन के खिलाड़ियों ने बंधाया ढांढस

नई दिल्ली (एजेंसी) मेटलाइफ स्टेडियम में बैठे समर्थकों के अलावा दुनिया के कोने कोने में देर रात टीवी के आगे नजरें गड़ाये बैठे करोड़ों प्रशंसकों की जुबां पर एक ही नाम था ..लियोनेल मेसी, लेकिन विश्व कप में सुनहरे सफर के आखिरी पड़ाव पर उनका चहेता यह सितारा बेनूर हो गया। खेल के 106वें मिनट में फेरान टोरेस के गोल के दम पर स्पेन ने अर्जेंटीना को हराकर खिताब जीता। दक्षिण अमेरिकी धुरंधर से छिनकर यूरोपीय दिग्गज ने विश्व फुटबॉल की बादशाहत पर कब्जा कर लिया। ब्राजील (1958 और 1962) के बाद अर्जेंटीना लगातार दो खिताब जीतने वाली पहली टीम बनने का सपना लेकर फाइनल में उतरी थी। मेसी लगातार दूसरी बार चैम्पियन नहीं बन सके। आखिरी सीटी बजने पर उनकी आंखों में नमी और चेहरे पर निराशा को सभी ने देखा।

स्पेन का गोल होने के बाद स्तब्ध थे मेसी- एक तरफ स्पेन के खिलाड़ी जश्न मना रहे थे तो दूसरी तरफ मेसी और उनकी टीम स्टेडियम के दक्षिणी छोर पर अर्जेंटीना के समर्थकों को धन्यवाद दे रही थी और शायद माफी भी मांग रही थी। अर्जेंटीना को फ्रांस के खिलाफ 2022 विश्व कप में खिताबी जीत और दो बार कोपा अमेरिका खिताब दिलाने में सूत्रधार रहे मेसी स्पेन का गोल होने के बाद सिर झुकाये और कमर पर हाथ रखकर स्तब्ध खड़े रहे।

अर्जेंटीना को विश्व कप फाइनल तक ले गए मेसी–बार्सीलोना और पेरिस सेंट जर्मेन के साथ 12 लीग और चार चैम्पियंस लीग खिताब जीतने के बाद मेसी ने जब यूरोपीय फुटबॉल से विदा लेकर तीन साल पहले एमएलएस का रूख किया तो लोगों को लगा कि वह रिटायर होकर अमेरिका में बस जायेंगे, लेकिन वह एक बार फिर अर्जेंटीना को विश्व कप फाइनल तक ले गए जिनमें उनके खाते में आठ गोल आये और चार में वह सहायक रहे।

ढांढस बंधाने आये स्पेन के खिलाड़ी

स्पेन के खिलाड़ी आखिरी सीटी बजने के बाद मेसी को ढांढस बंधाने आये। मेसी मैदान पर बैठ गए और हाथ पीछे रखकर एकटक देखते रहे। उपविजेता का पदक लेने आये तो मुस्कुराने की कोशिश की लेकिन नाकाम रहे। फिर अपने विचारों में खोये हुए, दुख को छिपाने की कोशिश करते मैदान के एक कोने के निकास से चुपचाप बाहर चले गए। विश्व कप से शायद आखिरी बार।

मेसी के 125 अंतरराष्ट्रीय गोल हैं

विश्व कप में उनके 21 गोल हो गए हैं और शनिवार को तीसरे स्थान के मुकाबले में फ्रांस के किलियन एम्बाप्पे (22 गोल) के आगे निकलने तक वह शीर्ष पर थे। तीन विश्व कप फाइनल खेलने वाले पहले खिलाड़ी मेसी के 125 अंतरराष्ट्रीय गोल हैं और वह सिर्फ क्रिस्टियानो रोनाल्डो (146) से पीछे हैं।

मेसी ने संन्यास से की वापसी

पेले और माराडोना की लीग में शामिल मेसी ने 2016 कोपा अमेरिका फाइनल में चिली के खिलाफ शूटआउट में मिली हार के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से विदा ले ली थी, लेकिन 47 दिन बाद वापसी की और 2022 में अर्जेंटीना को तीसरी बार विश्व कप दिलाया।

एम्बाप्पे ने लगातार दूसरी बार जीता गोल्डन बूट

- स्पेन के गोलकीपर के नाम गोल्डन ग्लव्स, ये है FIF् वर्ल्ड कप की अवार्ड लिस्ट

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में 10 गोल और 8 असिस्ट करके फ्रांस किलियन एम्बाप्पे ने लगातार दूसरी बार गोल्डन बूट जीता। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे नंबर के लिए प्लेऑफ मुकाबले में 2 गोल करके अर्जेंटीना के कप्तान लियोनल मेसी को पछाड़ा था। स्पेन के खिलाफ फाइनल में मेसी गोल या असिस्ट नहीं कर पाए। ऐसे में एम्बाप्पे ने लगातार दूसरी बार उन्हें पछाड़कर गोल्डन बूट अपने नाम किया।

एम्बाप्पे ने कतर में भी 7 गोल करके यह इनाम जीता था, जो मेसी से एक ज्यादा था। अर्जेंटीना के हराकर वर्ल्ड कप अपने नाम करने वाली स्पेन टीम के खिलाड़ियों ने कई पुरस्कार जीते। गोलकीपर उनाई साइमन ने पूरे टूर्नामेंट में सिर्फ एक बार गोल होने दिया। उन्होंने गोल्डन ग्लव्स जीता, जबकि मिडफील्डर रोड्री को प्लेयर ऑफ टूर्नामेंट चुना गया और उन्हें गोल्डन बॉल दी गई। डिफेंडर पाउ ??क्यूबार्सी को बेस्ट यंग प्लेयर चुना गया।

स्पेन बना विश्व विजेता

फेरान टोरेस के गोल ने अर्जेंटीना से छीनी ट्रॉफी

नई दिल्ली। लियोनेल मेसी का लगातार दूसरा फीफा विश्व कप जीतने और विजेता के तौर पर विदाई लेने का सपना आखिरकार अधूरा रह गया। अमेरिका के मेटलाइफ स्टेडियम में खेले गए फीफा विश्व कप 2026 के फाइनल में स्पेन ने अतिरिक्त समय में फेरान टोरेस के 106वें मिनट के गोल की बदौलत अर्जेंटीना को 1-0 से हराकर 16 साल बाद विश्व चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। इस विश्व कप का फेरान टोरेस का पहला गोल उनके जीवन का सबसे अनमोल गोल बन गया जिसने स्पेन को ट्रॉफी दी और इस खूबसूरत खेल के महानतम खिलाड़ियों में से एक लियोनल मेसी को आंसुओं के साथ विदाई। लियोनल मेसी का लगातार दूसरा विश्व कप जीतने का सपना आखिरी तिलिस्म पर आकर टूट गया। पूरे टूर्नामेंट में सिर्फ एक गोल खाने वाली स्पेनिश टीम ने अपने अभेद्य रक्षण से लियोनल मेसी को भी बेअसर कर दिया और इतिहास रचते हुए विश्व कप जीतने वाली सबसे मजबूत रक्षात्मक टीमों में अपनी जगह दर्ज करा ली। फेरान टोरेस ने बॉक्स के भीतर हवा में आई गेंद पर अपने बाएं पैर से कब्जा करके शॉट लगाया और अर्जेंटीना के गोलकीपर उसे बचा नहीं सके। यह 2010 के बाद स्पेन का दूसरा विश्व खिताब है।

स्पेन का सबसे कम गोल गंवाने का रिकॉर्ड

फीफा वर्ल्ड कप 2026 में 8 मैच में सिर्फ एक गोल खाने वाली स्पेन ने टूर्नामेंट में चैंपियन द्वारा सबसे कम गोल गंवाने का विश्व रिकॉर्ड भी बनाया। पूरे टूर्नामेंट में आखिरी मिनटों में चमत्कारिक वापसी करती आई अर्जेंटीना उस प्रदर्शन को दोहरा नहीं सकी। निर्धारित समय तक गोलरहित बराबरी के बाद मैच अतिरिक्त समय में खिंचा था। स्पेन की महिला फुटबॉल टीम ने भी 2023 में विश्व कप जीता था और स्पेन एक ही साथ महिला और पुरुष फुटबॉल विश्व कप जीतने वाला पहला देश बन गया। इसके साथ ही स्पेन के कोच लुईस डे ला फुएंटे 65 वर्ष की उम्र में किसी टीम को खिताब दिलाने वाले सबसे उम्रदराज कोच बन गए।

बंधन बैंक का पहली तिमाही का शुद्ध लाभ 35 फीसदी बढ़ा, 502 करोड़ रुपये पर पहुंचा आंकड़ा

एजेंसी समाचार

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र के बंधन बैंक ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में मजबूत वित्तीय प्रदर्शन दिखाया है। बैंक का शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 35 फीसदी बढ़कर 502 करोड़ रुपये हो गया है। पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 372 करोड़ रुपये था।

अप्रैल-जून 2026 की अवधि में बैंक की शुद्ध ब्याज आय 5.9 फीसदी बढ़कर 2,921 करोड़ रुपये रही। यह एक साल पहले 2,757 करोड़ रुपये थी। बैंक की कुल शुद्ध आय 1.2 फीसदी की वृद्धि के साथ 3,524 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। जून 2026 तक सकल अग्रिम 16.4 फीसदी बढ़कर 1,55,555 करोड़ रुपये हो गए।

एक साल पहले यह आंकड़ा 1,33,625 करोड़ रुपये था। खुदरा ऋण पुस्तिका (आवास को छोड़कर) में 45 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। थोक बैंकिंग में 38 फीसदी की वृद्धि हुई। आवास ऋण पुस्तिका 6 फीसदी बढ़ी। बैंक के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी पार्थ प्रतिम सेनगुप्ता ने कहा कि यह प्रदर्शन बैंक की मजबूती को दशार्ता है।

क्या बैंक की परिसंपत्ति गुणवत्ता में सुधार हुआ है?

बैंक की परिसंपत्ति गुणवत्ता में क्रमिक सुधार देखा गया है। सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) तिमाही में 3.1 फीसदी रहीं। पिछली तिमाही में यह 3.3 फीसदी थीं। शुद्ध एनपीए 0.9 फीसदी रहा, जो पिछली तिमाही में 1 फीसदी था। सालाना आधार पर सकल एनपीए में 182 आधार अंक और शुद्ध एनपीए में 43 आधार अंक का सुधार हुआ।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
जागरण मोर्चा
क्लासीफाइड
*नियम एवं शर्तें लागू
विज्ञापन दर
रू. 500/*- Size 40 Sqcm (Colour)
विज्ञापन बुकिंग हेतु संपर्क करें
7579849555, 9627739857, 9997745413

रोहित का शतक, मगर भारत ने 27 रन से गंवाया मैच

इंग्लैंड ने 2-1 से जीती वनडे सीरीज

लंदन। इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ रविवार को लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर खेले गए 'हाई स्कोरिंग' मुकाबले को 27 रन से अपने नाम किया। इसी के साथ मेजबान टीम ने वनडे सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली है। टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की टीम ने 3 विकेट गंवाकर 387 रन जड़े।

बेन डकेट ने जैकब बेथेल के साथ पहले विकेट के लिए 181 गेंदों में 192 रन की साझेदारी करते हुए मेजबान टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई। बेथेल 93 गेंदों में 2 छक्कों और 11 चौकों के साथ 91 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद डकेट ने जो रूट के साथ दूसरे विकेट के लिए 80 गेंदों में 101 रन जुटाकर टीम को 293 के स्कोर तक पहुंचा दिया। डकेट 135 गेंदों में 19 बाउंड्री के साथ 141 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

यहां से जो रूट ने मोर्चा संभाला, उन्होंने कप्तान हैरी ब्रूक (14) के साथ तीसरे विकेट के लिए 31 रन, जबकि जोस बटलर के साथ चौथे विकेट के लिए 19 गेंदों में 63 रन की अटूट साझेदारी करते हुए टीम को विशाल स्कोर तक पहुंचाया। रूट 48 गेंदों में 9 चौकों के साथ 74 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि बटलर ने 13 गेंदों में 3 छक्कों और 4 चौकों के साथ 41 रन की ताबड़तोड़ नाबाद पारी खेली। भारत की तरफ से प्रसिद्ध कृष्णा ने 2 विकेट हासिल किए और प्रिंस यादव ने 1 विकेट निकाला। इसके जवाब में भारतीय टीम निर्धारित ओवरों में 7 विकेट खोकर 360 रन ही बना सकी। रोहित शर्मा ने कप्तान शुभमन गिल के साथ पहले विकेट के लिए 24.2 ओवरों में 147 रन की साझेदारी की। गिल 84 गेंदों में 11 बाउंड्री के साथ 77 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद रोहित ने विराट कोहली के साथ दूसरे विकेट के लिए 86 गेंदों में 113 रन जोड़कर टीम को 260 के स्कोर तक पहुंचा दिया।

जागरण मोर्चा राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक स्वामी, किरन दीक्षित के लिए प्रकाशक, मुद्रक, मनोज कुमार दीक्षित द्वारा लक्ष्य प्रिन्टर्स 158/4 भानमती चौराह मॉडल हाउस हुसैनगंज लखनऊ, (उ०प्र०) से मुद्रित एवं मीडिया हाउस 20ए शिवाजी मार्ग हुसैनगंज लखनऊ, (उ०प्र) से प्रकाशित। सम्पादक योगेश कुमार वर्मा मो0-7579849555, 9627739857 E-mail: www.jagranmorchadaily@gmail.com RNI No.-UPHIN/2022/82743 समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।